CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 294 ता. 28 मई 2022, शनिवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

लद्दाख में 7 जवानों की मौत

सेना का ट्रक 60 फीट नीचे श्योक नदी में गिरा, इसमें सवार 26 फौजी मोर्चे पर जा रहे थे

नई दिल्ली। लद्दाख में एक बड़ा हादसा हो गया। सेना का वाहन सड़क से फिसलकर श्योक नदी में गिर गया। इस हादसे में सेना के कम से कम सात जवान शहीद हो गए हैं। बाकी अन्य घायल बताए जा रहे हैं। अधिक गंभीर घायलों को वायु सेना की मदद से हायर सेंटर रेफर किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि वाहन करीब 50 से 60 फीट तक की गहराई में गिरा। भारतीय सेना ने एक बयान में कहा है, 26 सैनिकों का एक दल परतापुर में ट्रांजिट कैंप से सब सेक्टर हनीफ में आगे की ओर बढ़ रहा था। वाहन सड़क से फिसल कर श्योक नदी में गिर गया, जिससे सभी लोग घायल हो गए।₹ सभी 26 सैनिकों को सेना के एक फील्ड अस्पताल में पहुंचाया गया और लेह से सर्जिकल टीमों को परतापुर भेजा गया। बाद में सात जवानों ने दम तोड़ दिया। नुब्रा पुलिस स्टेशन के एसएचओ स्टैनज़िन दोरजे ने कहा, ₹हादसा आज सुबह करीब 9 बजे हुआ, जिसमें सात सैनिकों की मौत हो गई है और 16 अन्य घायल हो गए। कहा कि यह एक निजी वाहन था जिसे सेना ने सोलिडर्स को फेरी लगाने के लिए किराए पर लिया था। वह सड़क से फिसलकर 80 फुट गहरी खाई में जा गिरा। दोरजे ने आगे बताया कि घायल जवानों को इलाके के एक सैन्य अस्पताल में ले जाया गया है। उन्होंने कहा, ₹प्रथम दृष्टया यह दुर्घटना का कारण चालक की लापरवाही का मामला प्रतीत होता है। भारतीय सेना ने कहा, ₹यह सुनिश्चित

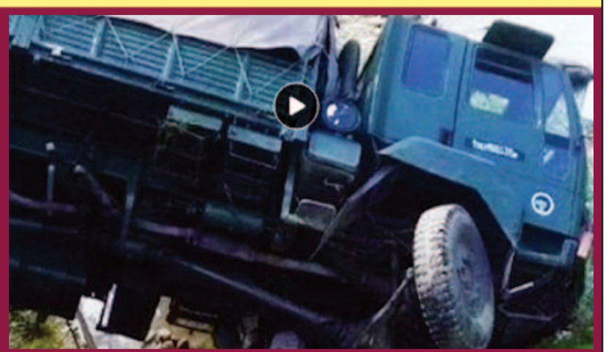

करने के प्रयास चल रहे हैं कि घायलों को सर्वोत्तम इलाज दिया जाए। अधिक गंभीर घायलों को हाई सेंटर रेफर करने के लिए वायु सेना की भी मदद ली जा रही है।

ड्रग्स केस में आर्यन खान को मिली क्लीन चिट

मुम्बई। ड्रग्स केस में बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को एनसीबी ने क्लीन चिट दे दी है। आर्यन खान के अलावा 5 और लोगों को क्लीन चिट दी गई है और उनका नाम एनसीबी की चार्जशीट में दाखिल नहीं है। आर्यन खान समेत कुल 20 लोगों को इस मामले में बीते साल गिरफ्तार किया गया था। इस केस में आर्यन खान को मुंबई की आर्थर रोड जेल में 22 दिन गुजारने पड़े थे। एनसीबी की पहली टीम ने आर्यन के पास ड्रग्स पाए जाने के भी आरोप लगाए थे, लेकिन नई बनी एसआईटी ने इन आरोपों को गलत पाया है। एजेंसी ने कोर्ट में दी अपनी रिपोर्ट में कहा कि आर्यन खान के खिलाफ पर्याप्त सबूत नहीं मिले हैं। इसलिए ड्रग्स केस में उन्हें क्लीन चिट दी जाती है।

आय से अधिक संपत्ति मामला : ओम प्रकाश चौटाला को 4 साल की सजा, 50 लाख का जुमार्ना

नई दिल्ली। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट की स्पेशल सीबीआई अदालत ने शुक्रवार को आय से अधिक संपत्ति मामले में दोषी करार दिए गए हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और इंडियन नेशनल लोक दल सुप्रीमो ओम प्रकाश चौटाला को 4 साल कैद की सुजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने चौटाला पर 50 लाख रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। अदालत ने चौटाला की चार संपतियों को जब्त करने के भी निर्देश दिए हैं।राऊज एवेन्यू कोर्ट स्थित विशेष न्यायाधीश विकास ढल की अदालत ने फैसला सुनाए जाने के समय कोर्ट रूम में मौजूद रहे ओम प्रकाश चौटाला को तुरंत हिरासत में लेने का निर्देश दिया। इससे पहले पिछले सप्ताह अदालत ने चौटाला को दोषी ठहराया था। अदालत ने जुमार्ने की रकम में से पांच लाख रुपये सीबीआई को मुकदमा खर्च के तौर पर देने को कहा है। वहीं, चौटाला की तरफ से इस फैसले के खिलाफ अपील दायर करने के लिए दस दिन का समय मांगा गया। अदालत ने उन्हें राहत देने से इनकार करते हुए कहा कि दिल्ली हाईकोर्ट में इस बाबत अपील दायर करें। अदालत ने अपने फैसले में सीबीआई को निर्देश दिया है कि गलत तरीके से अर्जित की गई चौटाला की हेली रोड, पंचकूला, गुरुग्राम व असोला की अचल संपति को जब्त कर लिया जाए। सीबीआई की एफआईआर के अनुसार, आरोपी ओम प्रकाश चौटाला ने 24 जुलाई, 1999 से 5 मार्च, 2005 की अवधि के दौरान हरियाणा के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य करते हुए अपने परिवार के सदस्यों और अन्य लोगों की मिलीभगत से चल और अचल संपत्ति जमा की, जोकि उनकी आय के ज्ञात वैध स्त्रोतों से बहुत अधिक थी।

सीएम योगी ने 2 बार की शिवपाल यादव तारीफ

फिर खुद को रोक ना सके अखिलेश यादव, खूब लगे ठहाके

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा में शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा का जवाब देते हुए समाजवादी पार्टी और इसके अध्यक्ष अखिलेश यादव पर जमकर हमले किए। वह एक तरफ नेता प्रतिपक्ष पर तीखे वार कर रहे थे तो दूसरी तरफ अखिलेश के चाचा शिवपाल यादव की सराहना करने से नहीं चूके। मुख्यमंत्री ने करीब 2 घंटे लंबे भाषण में दो बार शिवपाल यादव की तारीफ की तो अखिलेश यादव से रहा नहीं गया और उन्होंने यह कहकर तंज कसा कि उनके चाचा की बहुत चिंता की जा रही है। इस दौरान खूब ठहाके लगे। सीएम योगी आदित्यनाथ ने अखिलेश यादव से नाराज चल रहे

शिवपाल यादव की सदन में दो बार तारीफ की और दूसरों के सामने उन्हें मिसाल के तौर पर पेश किया। मुख्यमंत्री ने यूपी में टैबलेट वितरण का जिक्र करते हुए कहा, "हम बच्चों को टैबलेट और स्मारर्टफोन दे रहे हैं। मैं सभी पक्षों के सभी सदस्यों को कहूंगा, मैं धन्यवाद दूंगा शिवापल यादव को उन्होंने भी अपनी विधानसभा सीट पर युवाओं में टैबलेट का वितरण किया। इस दौरान पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने पलटकर चाचा शिवपाल की ओर देखा और मुस्कुराते हुए नजर आए। समाजवादी पार्टी पर कटाक्ष करते हुए भी योगी आदित्यनाथ ने शिवपाल यादव के समाजवाद से जुड़ाव का जिक्र किया। उन्होंने कहा, "आपकी कार्यपद्धति आपको पहचान दिलाती है। नाम जोड़ने से पहचान नहीं होती। समाजवाद को आप लोगों ने मृगतृष्णा बना दिया। जब समाजवाद की बात होती थी तो डॉक्टर लोहिया की चर्चा होती थी, जय प्रकाश जी की चर्चा होती थी, संघर्षशील नेताओं की चर्चा होती है, आज समाजवादी पार्टी में डॉक्टर लोहिया पर लेखनी कभी कभी सिर्फ शिवपाल जी की देखता हूं। उनका आर्टिकल देखने को मिलता है। अजब जब सीएम योगी ने शिवपाल यादव का जिक्र किया, अखिलेश यादव हंसते हुए नजर आए। मुख्यमंत्री का भाषण खत्म होने के बाद अखिलेश यादव स्पष्टीकरण मांगने के लिए खड़े हुए तो उन्होंने कहा, "नेता सदन ने बहुत लंबा भाषण दिया। बहुत सारी बातें उसमें आ गईं।

राहुल ने पंडित नेहरू को बताया संस्था निमार्ता, कहा: भाजपा ने लोकतंत्र को किया कमजोर

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को उनकी पुण्यतिथि पर याद किया और उन्हें एक संस्थानिमार्ता बताया। राहुल ने कहा कि पंडित नेहरू ने हमारी लोकतांत्रिक जड़ों को मजबूत किया, लेकिन अफसोस जताया कि भाजपा ने संस्थानों को ध्वस्त करके लोकतंत्र को कमजोर किया है। उन्होंने कहा कि भारत को अब पहले से कहीं ज्यादा 'भारत जोड़ो' की जरूरत है। उनका संदर्भ मौजूदा हालात में भारत को एक करने की ओर था। गांधी जयंती पर कांग्रेस कन्याकुमारी से कश्मीर तक 'भारत जोड़ो' यात्रा कर रही है। राहुल ने ट्विटर पर कहा, आईआईटी, आईआईएम, एलआईसी, आईटीआई, भेल, एनआईडी, बीएआरसी, एम्स, इसरो, सेल, ओएनजीसी, डीआरडीओ... नेहरू जी एक संस्था निमार्ता थे जिन्होंने हमारी लोकतांत्रिक जड़ों को

मजबूत किया। 8 वर्षों में भाजपा ने संस्थानों को ध्वस्त करके लोकतंत्र को कमजोर किया है। भारत को अब पहले से कहीं ज्यादा भारत जोड़ो की जरूरत है। एक अन्य ट्वीट में उन्होंने विश्व नेताओं के साथ नेहरू की तस्वीरें दिखाते हुए एक वीडियो साझा किया कि उन्होंने नेहरू का वर्णन कैसे किया था। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू के निधन के 58 साल बाद उनके विचार, राजनीति और हमारे राष्ट्र के लिए दृष्टि पहले की तरह प्रासंगिक हैं। भारत के इस अमर सपूत के मूल्य हमेशा हमारे कार्यों और विवेक का मार्गदर्शन करते हैं।

पीएम ने उड़ाया ड्रोन

देखें भारत ड्रोन महोत्सव के उद्घाटन का वीडियो

नई दिल्ली। दिल्ली के प्रगति मैदान में दो दिवसीय भारत ड्रोन महोत्सव 2022 के उद्घाटन के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने ड्रोन उड़ाने में हाथ आजमाया। समाचार एजेंसी एएनआई पर जारी वीडियो में पीएम मोदी को ड्रोन उड़ाते देखा जा सकता है। उन्होंने यहां देश के सबसे बड़े ड्रोन महोत्सव के उद्घाटन के बाद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे वक्त जब हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं, मेरा सपना है कि भारत में प्रत्येक व्यक्ति के हाथ में एक स्मार्ट फोन हो, हर खेत में एक ड्रोन हो और प्रत्येक घर में समृद्धि हो। मोदी ने कहा कि भारत में ड्रोन प्रौद्योगिकी को लेकर जिस तरह का उत्साह देखा जा रहा है, वह अद्भुत है और यह इस उभरते क्षेत्र में रोजगार सृजन होने की संभावनाओं का संकेत देता है। उन्होंने कहा कि आठ वर्ष पहले ह्यहमने सुशासन के नए मंत्रों को लागू करना शुरू किया और न्यूनतम सरकार तथा अधिकतम शासन के सिद्धांत पर चलते हुए जीवन और कारोबार की सुगमता को प्राथमिकता दी गई। मोदी ने कहा कि पहले की सरकारों के कार्यकाल में प्रौद्योगिकी को समस्या का हिस्सा समझा जाता था और इन पर गरीब विरोधी होने का ठप्पा लगाने के प्रयास किए जाते थे। इसके कारण 2014 से पहले के शासन में प्रौद्योगिकी के उपयोग को लेकर उदासीनता का माहौल था और इसका सबसे ज्यादा असर गरीबों, वंचितों और मध्यम वर्ग पर पड़ा। उन्होंने कहा कि ड्रोन प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देना सुशासन एवं जीवन को सुगम बनाने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाने का एक और माध्यम है। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक वक्त था जब लोग राशन पाने के लिए घंटों लंबी कतारों में खड़े रहते थे,लेकिन पिछले सात से आठ वर्षों में इन बाधाओं को प्रौद्योगिकी की सहायता से दूर किया गया है। राष्ट्रीय राजधानी में दो दिवसीय ह्यभारत ड्रोन महोत्सव 2022ह्ण आयोजित किया जा रहा है। शुक्रवार महोत्सव का पहला दिन है। इसमें प्रधानमंत्री मोदी के अलावा नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव और ग्रामीण विकास मंत्री गिरिराज सिंह भी मौजूद थे।

दो बाइकों की आमने-सामने से भिड़ंत, हादसे में एक युवक की मौत, चार गंभीर रूप से घायल

सहारनपुर। सरसावा में ग्राम चलाकपुर के पास दो बाइकों की भिड़ंत हो गई। इसमें एक युवक की मौत हो गई, जबकि बाइक सवार एक युवती और तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों को गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शुक्रवार को सरसावा चिलकाना मार्ग पर ग्राम चलाकपुर के पास दो बाइकों की आमने-सामने से भिड़ंत हो गई। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि एक बाइक पर एक युवती सहित तीन लोग और दूसरी बाइक पर दो युवक सवार थे। हादसे के बाद किसी राहगीर ने चिलकाना पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंचे चिलकाना थानाध्यक्ष सत्येंद्र राय पांचों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरसावा लेकर पहुंचे। हादसे में कादिर (20), आमिर (25) निवासी ग्राम छापुर थाना नकुड़, रजत (22) व जॉनी (25) हरोड़ा थाना गागलहेड़ी, युवती शालू (19) निवासी ग्राम चलाकपुर घायल हुए। इनमें जॉनी को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जबकि युवती सहित चारों घायलों को गंभीर अवस्था में एंबुलेंस से जिला अस्पताल के लिए रेफर किया गया।

भाजपा इन लोगों को दे सकती है राज्यसभा का टिकट! इन समीकरणों का रख रही है खास ध्यान

लखनऊ। कांग्रेस के बागी आरपीएन सिंह और मुलायम सिंह के परिवार की बहू अपर्णा यादव भाजपा की तरफ से राज्यसभा उम्मीदवार हो सकते हैं। इनके अलावा केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी और यूपी के बड़े ब्राह्मण चेहरे लक्ष्मीकांत वाजपेयी और शिव प्रताप शुक्ल भी पार्टी की तरफ से राज्यसभा भेजे जा सकते हैं। पूर्वांचल से एक ब्राह्मण चेहरे को भी राज्यसभा का टिकट मिल सकता है, तो चार ओबीसी, एक महिला और दो दलित चेहरों को भी राज्यसभा भेजा जा सकता है। उम्मीदवारों के चयन में क्षेत्रीय

समीकरणों के साथ जातीय संतुलन बनाने की भी कोशिश की जाएगी। भाजपा अभी से 2024 लोकसभा चुनाव को लक्ष्य बनाकर चल रही है। सूत्रों का कहना है कि पार्टी संजय सेठ, जय प्रकाश निषाद और सुरेंद्र नागर को भी राज्यसभा भेज सकती है। वैश्य समुदाय से एक प्रभावशाली चेहरे को भी राज्यसभा भेजने की बात चल रही है। पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा से वैश्य समुदाय के नाराज होने की बात कही जा रही थी। इस चेहरे के साथ इस समुदाय की भावनाओं को भी संतुष्ट करने की कोशिश की जा सकती है। भाजपा सूत्रों के मुताबिक, पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व राज्यसभा उम्मीदवारों के माध्यम से भी मतदाताओं में सामाजिक समीकरण साधने के संदेश देना चाहता है। इसके पहले केंद्रीय मंत्रिमंडल और यूपी मंत्रिमंडल में भी इन समीकरणों का ध्यान रखा गया था। उसी क्रम में राज्यसभा उम्मीदवारों के चयन में भी इन समीकरणों को साधा जाएगा। राज्यसभा के लिए नामांकन की अंतिम तिथि 31 मई है।

रूस से भारत की तेल खरीद ने तोड़ा रिकॉर्ड, कैसे दोस्त की मदद से हो रहा फायदा

नई दिल्ली। यूक्रेन पर हमले के बाद पश्चिमी देशों ने रूस पर बड़ी संख्या में आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए हैं। इसके चलते आर्थिक समीकरण तेजी से बदल रहे हैं और कभी खाड़ी देशों से बड़ी मात्रा में तेल खरीदना वाले भारत ने अब रूस से खरीद में इजाफा कर दिया है। इसके अलावा चीन ने भी रूस से तेल की खरीद बढ़ा दी है। बीते एक सप्ताह में रूस से भारत आने वाले तेल की मात्रा 74 मिलियन से लेकर 79 मिलियन बैरल तक थी। यह बहुत बड़ा आंकड़ा है क्योंकि यूक्रेन पर फरवरी में रूस के अटैक से पहले यह 27 मिलियन बैरल ही था। इस तरह रूस से तेल के आयात में दोगुने से ज्यादा का इजाफा हो चुका है। कमोडिटी डेटा

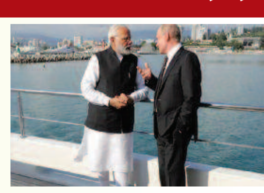

फर्म केप्लर ने यह जानकारी दी है। यही नहीं रूस से तेल खरीदने में पहला नंबर अब तक यूरोप का होता था, लेकिन अप्रैल महीने में एशियाई देश उससे आगे निकल गए। यही नहीं अनुमान है कि मई में यह आंकड़ा और बढ़ सकता है। इस आंकड़े से पता चलता है कि दुनिया में कारोबार का स्वरूप कितनी तेजी से बदला है। दरअसल यूक्रेन पर अटैक के बाद से अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपियन यूनियन की कंपनियों ने रूस पर कई पाबंदियां लगाई हैं। इसके चलते रूस को नए ग्राहकों की तलाश में एशिया की ओर रुख करना पड़ा है। इसका फायदा भारत और चीन जैसे देशों को मिला है, जिन्हों कम कीमत पर अपने तेल भंडार को तेजी से भरने का काम शुरू किया है। केप्लर में कार्यरत और तेल मार्केट की विश्लेषक जेन शेई ने कहा कि एशिया में कई देश ऐसे हैं, जो आर्थिक राहत के चलते रूस से तेल की खरीद बढ़ा रहे हैं। इसमें राजनीतिक स्टैंड से ज्यादा फायदे की बात शामिल हैं। हालांकि वह कहती हैं कि आने वाले वक्त में रूस से भारत की तेल खरीद थोड़ी कम हो सकती है। इसकी वजह अमेरिका की ओर से इस खरीद पर चिंता जाहिर करना है। जेन शेई कहते हैं कि प्रतिबंधों के दौर में रूस ने बड़े पैमाने पर भारत और चीन को तेल बेचकर राहत पाई है। चीन से भी कहीं ज्यादा खरीद भारत कर रहा है। माना जा रहा है कि मई में तेल की खरीद अप्रैल के मुकाबले कम होगी, लेकिन फिर भी पहले के मुकाबले कहीं अधिक होगी। गौरतलब है कि यूरोपीय देशों और अमेरिका की ओर से रूस से भारत की तेल खरीद पर सवाल खड़े किए गए थे। इस पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने करारा जवाब देते हुए कहा था कि जिनता यूरोप एक दोपहर में रूस से तेल खरीदता है, उतना तो भारत एक महीने में नहीं लेता।

CMYK

कर्नाटक में हिजाब को लेकर फिर मौहाल गर्म, मंगलौर यूनिवर्सिटी ने हेडस्कार्फ पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया

मंगलुरु (एजेंसी)

कर्नाटक में हिजाब को लेकर वक्त माहौल फिर गर्म हो गया, जब मंगलौर यूनिवर्सिटी ने नियम में संशोधन कर परिसर और कक्षाओं के भीतर हेडस्कार्फ पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया। यूनिवर्सिटी के फैसले का चौतरफा विरोध हो रहा है। मंगलौर यूनिवर्सिटी सिंडिकेट को अपने फैसले के लिए छात्रों और संकाय सदस्यों के प्रतिरोध व आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। संशोधित नियम यूनिवर्सिटी के 6 संबद्ध कॉलेजों पर भी लागू होता है, जिसमें यूनिवर्सिटी कॉलेज भी शामिल है। इससे पहले, यूनिवर्सिटी कॉलेज में मुस्लिम लड़कियों को यूनिफॉर्म की शॉल से अपना सिर ढकने की इजाजत थी। लेकिन नए नियम में इस खत्म कर दिया गया है। गत 16 मई को बेंगलुरु में मंगलौर यूनिवर्सिटी सिंडिकेट की बैठक में इस नियम को खत्म कर 6 कॉलेजों को 17 मई से नए नियम लागू करने के लिए निर्देशित किया गया। यूनिवर्सिटी कॉलेज के प्रिंसिपल अनसूया राय ने बताया कि उन्होंने मुस्लिम

लड़कियों को सिंडिकेट के फैसले का पालन करने के लिए कहा है।

उन्होंने कहा, हमारे कॉलेज की 44 मुस्लिम छात्राओं में से केवल 10 छात्राएं नियमित रूप से कक्षा में भाग ले रही हैं। हमने अन्य छात्राओं से कैंपस में लौटने के लिए कई दौर की बातचीत की है। इधर मुस्लिम लड़कियों का कहना है कि संशोधित नियम पीयू और निचली कक्षाओं तक ही सीमित है, न कि डिग्री या स्नातकोत्तर अध्ययन के लिए। उन्होंने तर्क दिया कि नियम को एक शैक्षणिक वर्ष के मध्य में लागू नहीं किया जा सकता है, जो यथास्थिति को बिगाड़ता है। यूनिवर्सिटी कॉलेज के स्टूडेंट यूनियन ने कुछ मुस्लिम छात्राओं द्वारा नए नियम का पालन नहीं करने को लेकर कैंपस में विरोध प्रदर्शन कर हिजाब पर पूर्ण प्रतिबंध की मांग की।

एक प्रोफेसर ने कहा, एक सप्ताह पहले नियम लागू होने के बाद से परिसर में स्थिति तनावपूर्ण है। कुछ मुस्लिम छात्राएं कक्षाओं के बाहर बैठी थीं और कुछ अनुपस्थित थीं। कॉलेज यूनियन के सदस्यों पर बिना किसी नरमी के नियम को सख्ती से लागू करने का दबाव था। इधर एबीवीपी समर्थित स्टूडेंट यूनियन ने यूनिवर्सिटी कॉलेज के प्राचार्य और अधिकारियों पर एक ह्यप्रभावशाली, स्थानीय नेताह्व के दबाव में इस मुद्दे को हल करने में विफल रहने का आरोप लगाया है। एक प्रदर्शनकारी छात्र ने कहा, ह्यहम उच्च न्यायालय के आदेश को लागू करने की मांग कर रहे हैं, कॉलेज अधिकारियों को ज्ञापन सौंपने के बावजूद, वे इस लागू नहीं कर रहे थे। हम विरोध प्रदर्शन की योजना बना रहे थे, इसे देखते हुए अधिकारियों ने अब आदेश को लागू करने का फैसला किया है।

सार समाचार

दिल्ली के उपराज्यपाल से मिले अरविंद केजरीवाल, कहा- विकास के लिए मिलकर करेंगे काम

नयी दिल्ली। दिल्ली के नवनियुक्त उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना से मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मुलाकात की। उपराज्यपाल के तौर पर शपथ लेने के ठीक 1 दिन बाद अरविंद केजरीवाल और विनय कुमार सक्सेना के बीच यह मुलाकात हुई है। इस मुलाकात के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मेरी आज उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के साथ बैठक हुई। हम दोनों ने काफी मुद्दों पर चर्चा की और तय किया कि हम मिलकर दिल्ली के विकास के लिए काम करेंगे और सभी को साथ लेकर चलेंगे। आपको बता दें कि कई मसलों को लेकर दिल्ली के उपराज्यपाल और अरविंद केजरीवाल के सरकार के बीच विवाद रहता है। हालांकि, उपराज्यपाल के साथ केजरीवाल की यह बैठक के अच्छे संकेत भी दे रहा है। इससे पहले विनय कुमार सक्सेना ने बृहस्पतिवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। इससे पहले उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने शहर में हाल में हुए साम्प्रदायिक दंगों के बारे में बात की और लोगों को प्रेम तथा शांति का संदेश देते हुए कविता पाठ किया। उन्होंने लोगों से हिंसा को भुलाने का भी अनुरोध किया। दिल्ली के उपराज्यपाल के रूप में पद की शपथ लेने के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए सक्सेना ने लोगों से कहा कि वे अतीत में हुई हिंसा को भुला दें और अपना देशप्रेम पूरी दुनिया को दिखाएं। उन्होंने कहा, 'हाल के दिनों में मैंने देखा कि दिल्ली में कई दंगे हुए और अशांति फैली।' सक्सेना ने कहा, ह्यमैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूं कि 'आपस में लड़े और खून भी बहाया है बहुत पर, जो कुछ भी हुआ है, अच्छा है उसे भुला दो।' उन्होंने कहा कि लोगों को अपने धर्म से ऊपर उठकर दुनिया को दिखाना चाहिए कि वे अपने देश से कितना प्रेम करते हैं। उन्होंने अपनी कविता के माध्यम से कहा कि एकजुट होकर हम कुछ भी पा सकते हैं।

जम्मू-कश्मीर: शिकारा में लगी भयंकर आग, 11 साल की बच्ची की झुलसकर हुई मौत

श्रीनगर।श्रीनगर के डल झील में शुक्रवार को एक व्यक्ति के हाऊसबोट में आग लग जाने से उसकी बेटी जलकर मर गयी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने इस लड़की की पहचान नाहिदा बशीर के रूप में की है जो 11 साल की थी। अधिकारियों ने बताया कि आज तड़के बशीर अहमद का हाऊसबोट जलकर राख हो गया तथा आग की वजह का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) के कर्मियों ने नाहिदा का शव बरामद किया।

ओवैसी के बहाने संजय राउत ने भाजपा को आड़े हाथों लिया, कहा- भिवंडी के मुस्लिम भाई उनको नहीं देंगे समर्थन

मुंबई। शिवसेना सांसद संजय राउत ने ऑल इंडिया मजलिस इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के बहाने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जहां-जहां भाजपा को उनकी जरूरत पड़ती है ओवैसी वहां चले जाते हैं। दरअसल, असदुद्दीन ओवैसी भिवंडी में एक रैली को संबोधित करने वाले हैं। जिसको लेकर सूबे की सियासत गर्मा गयी है।

ओवैसी को समर्थन नहीं देंगे मुस्लिम भाई

समाचार एजेंसी के मुताबिक, शिवसेना सांसद संजय राउत ने कहा कि जहां-जहां भाजपा को उनकी जरूरत पड़ती है ओवैसी वहां चले जाते हैं, ये उनका इतिहास है। भिवंडी में भी उनको बुलाया गया होगा। औवैसी हो या कोई और, अगर कोई हमारे राज्य में जहर फैलाने का काम करेगा तो भिवंडी के मुस्लिम भाई उनको समर्थन नहीं देंगे। इससे पहले संजय राउत ने अनिल परब के आवास पर हुई ईडी की कार्रवाई को लेकर भाजपा पर निशाना साधा था। उन्होंने भाजपा पर केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाते हुए कहा था कि राज्य में महाविकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार परिवहन मंत्री अनिल परब के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा था कि बदले की राजनीति करने के लिए इस प्रकार के कदम उठाए जा रहे हैं।

भिवंडी में होगी ओवैसी की रैली

ज्ञानवापी मस्जिद मुद्दे समेत देश के तमाम विषयों पर बेबाक अंदाज से बोलने वाले एआईएमआईएम प्रमुख 28 मई को भिवंडी में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। जिससे पहले सूबे की सियासय गर्मा गयी है। सांसद इम्तियाज जलील ने बताया कि असदुद्दीन ओवैसी की जनसभा परशुराम तावरे स्टेडियम में होगी। जनसभा को लेकर तैयारियां चल रही है और हम इसका जायजा लेने आने थे।

युद्ध विराम समझौता केवल छलावा, सेना बोली- कश्मीर एजेंडे के लिए आतंकवाद को हवा दे रहा पाकिस्तान

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। सुरक्षाबलों ने कुपवाड़ा में घुसपैठ की कोशिश कर रहे 3 आतंकियों को ढेर कर दिया है। तीनों आतंकी लश्कर ए तैयबा के बताए जा रहे हैं। तीन घुसपैठियों को मार गिराए जाने के बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान पर निशाना साधा है। भारतीय सेना ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद का निर्यात पिछले तीन दशकों से पाकिस्तान की नीति रही है। जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर पिछले कई हफ्तों से पाकिस्तान की ओर से घुसपैठ की कोशिशों में तेजी आई है। आतंकी घुसपैठ में वृद्धि ऐसे समय में हुई है जब भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर संघर्ष विराम लागू है। पाकिस्तान के नापाक मंसूबों को पुनर्जीवित करने के लिए आतंकवाद को बढ़ावा देने की कोशिश में लगा हुआ है। जम्मू कश्मीर में पाकिस्तान सेना द्वारा किया गया युद्ध विराम समझौता केवल एक छलावा है। भारतीय सेना ने कहा कि तीन पाकिस्तानी आतंकवादियों का मारा जाना और बड़ी मात्रा में हथियारों की बरामदगी स्थानीय लोगों की शांति और समृद्धि और आसन्न अमरनाथ यात्रा को बाधित करने के इरादे का स्पष्ट संकेत है। भारतीय सेना ने पाकिस्तान को कश्मीर में अपने खत्म होते एजेंडे को पुनर्जीवित करने लिए अपने नापाक मंसूबों को फिर से आगे बढ़ाने के लिए फटकार लगाई है। सेना की तरफ से यह बयान कुपवाड़ा जिले के केरन सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ की एक कोशिश को नाकाम करने के बाद आया।

अमरीन भट के परिजनों से मिलीं महबूबा मुफ्ती, बोलीं- कश्मीरियों का खून बहाना रोज का मामूल बन गया

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने शुक्रवार को केंद्र की भाजपा सरकार की जमकर आलोचना की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों की वजह से कश्मीर में हालात खराब हैं। दरअसल, महबूबा मुफ्ती ने आतंकवादी हमले में मारी गई टीवी अभिनेत्री अमरीन भट के परिजनों से मुलाकात की।

केंद्र पर बरसीं महबूबा मुफ्ती

समाचार एजेंसी के मुताबिक, पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में बेगुनाहों का खासकर कश्मीरियों का खून बहाना रोज का मामूल बन गया है और जो सरकार है वह ज्यों की त्यों है। उनकी जो नीति है वो दबाव की नीति है जिसका नतीजा है कि जम्मू-कश्मीर में हालात बेहतर होने की जगह और बिगड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे पूरी दुनिया में चिल्लाते फिरते हैं कि जम्मू-कश्मीर में सब कुछ ठीक है, यहां कुछ ठीक-ठाक नहीं हुआ है। जो भाजपा सरकार है वो इसे मजहब के आधार पर देख रही है कि मुस्लिम बहुमत राज्य है इसलिए लोग मरते हैं तो मरने दो।

सुप्रीम कोर्ट ने सेक्स वर्कर मामले में केंद्र सरकार को छह सप्ताह तक का समय दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)

सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि जो लोग अपनी इच्छा से सेक्स वर्कर का काम करते हैं, वे गुनहगार की श्रेणी में नहीं आते हैं। न्यायालय का कहना है कि यह दूसरे प्रोफेशन की ही तरह है। एक सेक्स वर्कर भी उतनी ही सुरक्षा और सम्मान पाने का अधिकारी है, जितना की किसी और पेशे में लोगों को मिलता है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि यौनकर्मियों को गिरफ्तार या परेशान नहीं करना चाहिए, लेकिन वेश्यालय चलाना जरूर अपराध है। इसबारे में सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को अपने पैनल द्वारा जारी की गई सिफारिशों का कड़ाई से पालन करने के लिए निर्देश जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने गाइडलाइन पर जवाब देने के लिए केंद्र सरकार को छह सप्ताह तक का समय दिया है। केंद्र ने इस पर अपनी आपत्ति व्यक्त की थी।

रिपोर्ट के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत सेक्स वर्कर्स को सम्मान से जीने का अधिकार है। इस संदर्भ में पैनल ने सभी हितधारकों के साथ सलाह करने के बाद अपनी एक रिपोर्ट सौंपी थी। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि यौनकर्मी भी समाज में कानून के मुताबिक गरिमा और समान सुरक्षा के अधिकारी हैं। जस्टिस एल. नागेश्वर राव, बीआर गवई और एएस बोपन्ना की बेंच ने यौनकर्मियों के अधिकारों के संदर्भ में छह दिशा निर्देश जारी किए। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल जयंत सूद ने कहा है कि भारत सरकार को इस मुद्दे पर पैनल की सिफारिशों के बारे में कुछ आपत्तियां थीं। कुछ सिफारिशों को केंद्र सरकार ने स्वीकार कर लिया था और अब न्यायालय ने राज्यों को उन्हें लागू करने का आदेश दिया है।

सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि सेक्स वर्कर्स को भी संविधान के तहत समान संरक्षण का अधिकार है। लिहाजा, सभी मामलों में उम्र और सहमति के आधार पर कानून समान रूप से लागू होना चाहिए। यदि कोई खुद अपनी इच्छा से इस काम में है, तब उसके खिलाफ पुलिस को आपराधिक कार्रवाई करने से बचना चाहिए। वहीं एक अन्य सिफारिश में न्यायालय ने कहा कि जब किसी वेश्यालय पर रेड होती है, तब उस समय अगर कोई अपनी इच्छा से यौन कार्य में शामिल है, तब उस गिरफ्तार या दंडित या परेशान नहीं करना चाहिए, केवल वेश्यालय चलाना ही अवैध है।

देवेंद्र फडणवीस ने एनसीपी को बताया प्रोफेशनल एजेंसी, बोले- सूबत नहीं होने पर आर्यन को मिली क्लीन चिट

मुंबई (एजेंसी)

मुंबई क्रूज ड्रग्स मामले में बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को नारकोटिक कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने क्लीनचिट दे दी है। इस मामले में प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता देवेंद्र फडणवीस का बयान सामने आया है। जिसमें उन्होंने एनसीबी को एक प्रोफेशनल एजेंसी बताया है। दरअसल, एनसीबी अधिकारियों ने अपनी जांच रिपोर्ट में कहा कि समीर वानखेड़े की टीम से गलती हुई थी।

इस संदर्भ में पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि एनसीबी एक प्रोफेशनल एजेंसी है। ऐसे में सबूत नहीं होने पर एनसीबी ने आर्यन खान को क्लीन चिट दी है। आपको बता दें कि बीते 2 अक्टूबर को क्रूज में एनसीबी ने रेड मारी थी। इस दौरान एनसीबी अधिकारियों ने आर्यन खान समेत कई लोगों को हिरासत में लिया था और फिर बाद में समीर वानखेड़े के निर्देश पर आर्यन खान, अरबाज मर्चेंट समेत कई लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किया था।

26 दिन बाद मिली थी जमानत

आर्यन खान की गिरफ्तारी के बाद मन्नत में मातम छा गया था और शाहरूख खान अपने बेटे को जेल की चार दिवारी से निकाले की जुगत में लगे हुए थे। हालांकि 26 दिन बाद शाहरुख खान के बेटे को जमानत मिल पाई थी। उस वक्त जीहू चावला ने बेल बॉन्ड पर दस्तखत किए थे। इसके बाद शाहरूख खान की वकीलों के साथ एक तस्वीर सामने आई थी। जिसमें संघर्ष की दास्तां दिखाई दे रही थी।

इस तस्वीर में शाहरुख खान के साथ आर्यन खान का केस लड़ने वाले वकील सतीश मानशिंदे और उनकी टीम के सदस्य मौजूद थे। उस वक्त वकील सतीश मानशिंदे की लीगल टीम ने कहा था कि आर्यन खान को अंततः बंबई हाई कोर्ट द्वारा जमानत पर रिहा कर दिया गया। 2 अक्टूबर को उन्हें हिरासत में लिया गया था तब से कोई सबूत नहीं, कोई सेवन नहीं, कोई साजिश नहीं! सत्यमेव जयते।

भ्रष्टाचार मामले में 'आप' नेता विजय सिंगला की बढ़ीं मुश्किलें, 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

मोहाली। (एजेंसी)

पंजाब के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री और आम आदमी पार्टी नेता विजय सिंगला की मुश्किलें बढ़ गई हैं। मोहाली की अदालत ने विजय सिंगला को कथित भ्रष्टाचार के मामले में 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा है। दरअसल, विजय सिंगल को भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते भगवंत मान सरकार ने बर्खास्त कर दिया था और फिर पुलिस उनकी गिरफ्तारी हुई थी।

कौन हैं विजय सिंगला ?

विजय सिंगला मनसा क्षेत्र से आम आदमी पार्टी की टिकट पर चुनकर विधानसभा पहुंचे है। उन्होंने विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के सिद्धू मूसे वाला और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) प्रेम कुमार अरोरा को हराया था। विजय सिंगला ने 10 साल पहले आम आदमी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की थी और इस बार के विधानसभा चुनाव में पार्टी ने उन पर दांव लगाया। ऐसे में उन्होंने सिद्धू मूसे वाला को हराकर खूब सुर्खियां बटोरी थी। जिसके बाद आम आदमी पार्टी ने उनका कद बढ़ाया था।

विजय सिंगला ने 19 मार्च को 9 विधायकों के साथ कैबिनेट मंत्री पद की शपथ ग्रहण की थी। इसके बाद उन्हें स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई। हालांकि 2 महीने बाद ही भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते मुख्यमंत्री ने उन्हें बर्खास्त कर दिया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, विजय सिंगला लंबे समय से मानसा रोड पर सिंगला डेंटल क्लीनिक चला रहे हैं। इसके अलावा उनकी पत्नी अनीता सिंगला ने भी बीएएमएस किया है।

आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए अफगानिस्तान की क्षमता बढ़ाने की आवश्यकता : अजीत डोभाल

दुशान्बे। (एजेंसी)

भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने आतंकवाद और आतंकवादी समूहों का मुकाबला करने में अफगानिस्तान की मदद करने और उसकी क्षमता बढ़ाने का आह्वान करते हुए शुक्रवार को कहा कि भारत हमेशा से ही काबुल का एक महत्वपूर्ण साझेदार रहा है और भविष्य में भी रहेगा। डोभाल ने ताजिकिस्तान की राजधानी दुशान्बे में 'अफगानिस्तान पर चौथे क्षेत्रीय सुरक्षा संवाद' में कहा कि आतंकवाद और आतंकवादी समूह क्षेत्रीय सुरक्षा तथा शांति के लिए बड़ा खतरा हैं, इसलिए सभी देशों को इसका मुकाबला करने के लिए अफगानिस्तान की मदद करनी चाहिए।

डोभाल ने कहा, 'अफगानिस्तान के लोगों के साथ सदियों से भारत के विशेष संबंध रहे हैं और कैसी भी परिस्थितियां हों, भारत का दृष्टिकोण अफगानिस्तान को लेकर नहीं बदल सकता।' अफगानिस्तान पर चौथे क्षेत्रीय सुरक्षा संवाद की बैठक में ताजिकिस्तान, रूस, कजाखस्तान, उज्बेकिस्तान, ईरान,

किर्गिजस्तान और चीन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों ने भी हिस्सा लिया। डोभाल ने यहां अपने क्षेत्रीय समकक्षों के साथ युद्ध प्रभावित अफगानिस्तान और क्षेत्र की स्थिति पर चर्चा करते हुए जोर देकर कहा कि भारत अफगानिस्तान का एक महत्वपूर्ण साझेदार रहा है और भविष्य में भी रहेगा।

सूत्रों के मुताबिक डोभाल समेत विभिन्न देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों ने अफगानिस्तान में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने तथा आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए रचनात्मक तरीके खोजने की जरूरत को रेखांकित किया। डोभाल ने कहा, 'आतंकवाद और आतंकवादी समूहों का मुकाबला करने के लिए अफगानिस्तान की क्षमता बढ़ाने में, क्षेत्रीय सुरक्षा संवाद में मौजूद सभी देशों के सहयोग की आवश्यकता है।' उन्होंने कहा कि सबसे पहली प्राथमिकता अफगानिस्तान में सभी लोगों के जीवन के अधिकार की रक्षा और सम्मानजनक जीवन के साथ-साथ उनके मानवाधिकारों की सुरक्षा होनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'मानवीय सहायता सभी के लिए सुलभ होनी चाहिए, अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानूनों के तहत सभी दायित्वों का निर्वहन सुनिश्चित किया जाना चाहिए।'

डोभाल ने कहा कि भारत ने पिछले कई दशकों के दौरान अफगानिस्तान में बुनियादी ढांचे के विकास, कनेक्टिविटी(संचार के साधनों) को बढ़ाने और मानवीय सहायता पर ध्यान केंद्रित किया है। भारत 50,000 मीट्रिक टन गेहूं की आपूर्ति करने की कुल प्रतिबद्धता में से 17,000 मीट्रिक टन गेहूं अफगानिस्तान को उपलब्ध करा चुका है। इसके अलावा भारत ने कोविड-19 रोधी टीके कोवैक्सीन की पांच लाख खुराक, 13 टन आवश्यक जीवन रक्षक दवाएं और सर्दियों के कपड़ों के साथ-साथ पोलियो टीकेकी छह करोड़ खुराक अफगानिस्तान को प्रदान की है।

महाराष्ट्र में कोरोना के बढ़ते मामलों ने फिर बढ़ाई चिंता, स्थिति पर सरकार की पैनी नजर

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

महाराष्ट्र में एक बार फिर से कोरोनावायरस के मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में भी कोरोना वायरस के मामलों में बढ़ोतरी है। यही कारण है कि महाराष्ट्र सरकार अलर्ट मोड पर आ गई है। कोरोना के मामलों में इजाफा को देखते हुए सरकार लगातार एक्सपर्ट की राय ले रही है। खबर यह भी है कि बृहन्मुंबई नगर निगम चौथी लहर की आशंका को लेकर अपनी तैयारियों की शुरूआत भी कर चुका है। नगर निगम को इस बात की आशंका है कि सितंबर के महीने में इसका पीक आ सकता है। इसके अलावा मुंबई के सभी कोविड-19 अस्पतालों को भी अलर्ट पर रखा गया है।

गुरुवार की बात करें तो महाराष्ट्र में कोरोना के 511 नये मामले सामने आये जो पांच मार्च के बाद सर्वाधिक है। प्रदेश में संक्रमण से एक मरीज की मौत हुयी है। स्वास्थ्य विभाग ने बुलेटिन जारी कर कहा है कि नये मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की संख्या बढ़ कर 78,84,329 हो गयी है जबकि इससे मरने वालों की संख्या 1,47,858 पर पहुंच गयी है। बुधवार को प्रदेश में 470 नये मामले सामने आये थे जबकि इससे किसी की मौत नहीं हुयी थी। नये मामलों में मुंबई में 350 नये मामले सामने आये। पांच मार्च को संक्रमितों की संख्या 535 थी और उसके बाद से पिछले 24 घंटे की अवधि में सबसे अधिक है। इसमें कहा गया है कि प्रदेश में 2,361 मामले उपचराधीन हैं।

देश में कोविड-19 के 2,710 नए मामले,

भारत में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 2,710 नए मामले सामने आने से देश में अब तक संक्रमित हो चुके मरीजों की संख्या बढ़कर 4,31,47,530 हो गई। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या 15,814 पर पहुंच गई, जो एक दिन पहले 15,414 थी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के शुक्रवार सुबह आठ बजे अद्यतन आंकड़ों के मुताबिक, 14 और संक्रमितों के दम तोड़ने से मृतक संख्या बढ़कर 5,24,539 हो गई है। मंत्रालय ने बताया

कि संक्रमण का इलाज करा रहे मरीजों की संख्या कुल मामलों का 0.04 फीसदी है, जबकि संक्रमण से मुक्त होने वालों की राष्ट्रीय दर 98.75 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 400 की वृद्धि दर्ज की गई है। मंत्रालय के मुताबिक, दैनिक संक्रमण दर 0.58 फीसदी, जबकि साप्ताहिक संक्रमण दर 0.52 प्रतिशत है। वहीं, देश में अब तक 4,26,07,177 लोग संक्रमण से उबर चुके हैं, जबकि कोविड-19 मृत्यु दर 1.22 फीसदी है।

36,000 मंदिरों को नष्ट कर उस पर मस्जिदों का निर्माण किया : ईश्वरप्पा

बेंगलुरु । कर्नाटक में इन दिनों मंदिर-मस्जिद विवाद बढ़ता जा रहा है। इसी कड़ी में कर्नाटक के पूर्व उप-मुख्यमंत्री और भाजपा विधायक केएस ईश्वरप्पा ने कहा कि 36,000 मंदिरों को नष्ट कर उस पर मस्जिदों का निर्माण किया गया। उन्हें कहीं और मस्जिदें बनाने दें और नमाज अदा करने दें। लेकिन हम उन्हें अपने मंदिरों पर मस्जिद बनाने की अनुमति नहीं दे सकते। सभी 36000 मंदिरों को हिंदुओं द्वारा कानूनी रूप से पुनः प्राप्त किया जाएगा। इसके अलावा उन्होंने जिन्ना के भाषण को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाने पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि क्या आरएसएस के संस्थापक केबी हेडगेवार द्वारा दिए गए भाषण पर एक पाठ के बजाय जिन्ना पर एक पाठ को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए था? हेडगेवार का भाषण जो स्कूली पाठ्यपुस्तकों में शामिल किया गया था, जिसका उद्देश्य भूमि की संस्कृति और देशभक्ति का परिचय देना था। बता दें कि हाल ही में यूपी सरकार ने मदरसों में राष्ट्रगान अनिवार्य करने का फैसला किया था तब केएस ईश्वरप्पा ने विवादित बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि अब जल्द ही एंटी नेशनल हमें राष्ट्रगान गाते नजर आएंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि आतंकी बनाने वाले समुदाय को भी जल्द राष्ट्रगान गाते हुए देखा जाएगा।वहीं मंदिर-मस्जिद का विवाद अब तेलंगाना तक पहुंच गया है। बीते 25 मई को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय बांदी ने कहा कि राज्य में कई मंदिरों को तोड़कर उन पर मस्जिद का निर्माण किया गया। इसके अलावा उन्होंने कहा था कि अगर मस्जिद को खोदा जाए तब शिवलिंग मिलेगा। मैं असदुद्दीन ओवैसी को चुनौती देता हूं कि तेलंगाना की सभी मस्जिदों को खोदें और अगर उसमें कंकाल मिले तब हम मस्जिद छोड़ देते हैं, और अगर शिवलिंग मिला तब हम सब ले लेते हैं।

सार समाचार

अमेरिकी सरकार की कई वेबसाइटों का होगा भारतीय भाषाओं में अनुवाद, ये भाषाएं होंगी शामिल

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति आयोग ने व्हाइट हाउस और अन्य संघीय एजेंसियों की वेबसाइट का एशियाई-अमेरिकी तथा प्रशांत क्षेत्र के लोगों द्वारा बोली जाने वाली भाषाओं में अनुवाद कराने की सिफारिश की है। इन भाषाओं में हिंदी, गुजराती और पंजाबी भी शामिल हैं। ह्यप्रेसीडेंट्स एडवायजरी कमीशन ऑन एशियन अमेरिकन्स (एए), नेटिव हवाइयन्स एंड पैसेफिक आइलैंडर्स (एनएचपीआई)ह्व ने इन भाषाओं को शामिल करने संबंधी सिफारिशों को हाल ही में मंजूरी दी थी। आयोग की इस माह की शुरूआत में हुई बैठक में सुझाव दिया गया था कि संघीय एजेंसियों को अपनी वेबसाइट पर मौजूद अहम दस्तावेज, डिजिटल सामग्री और आवेदन ह्यएएह्व तथा ह्यएनएचपीआईह्व द्वारा बोली जानी वाली भाषाओं में उपलब्ध कराने चाहिए। बैठक में यह भी सुझाव दिया गया था कि लोक एवं आपात चेतावनियों तक ऐसे लोगों की पहुंच भी होनी चाहिए, जिन्हें अंग्रेजी में दक्षता हासिल नहीं है। इसमें यह भी अनुशंसा की गई थी कि संघीय सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आपात/आपदा रोधी अभियान, नीति निर्माण, प्रतिक्रिया प्रबंधन एवं अन्य योजनाएं समावेशी हों तथा अंग्रेजी पर मजबूत पकड़ न रखने वाली आबादी के अनुभवों को प्रतिबिंबित करती हों। इन सुझावों को अब व्हाइट हाउस भेजा गया है, जिन पर राष्ट्रपति जो बाइडन कोई निर्णय लेंगे। ऐसा नहीं है कि ये सुझाव एकाएक दिए गए हैं, बल्कि ये तब से लंबित हैं, जब भारतीय-अमेरिकी अजय जैन भूटोरिया ने डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार रहे बाइडन के लिए राष्ट्रपति चुनाव के दौरान कई भाषाओं में प्रचार किया था और बाइडन चुनाव जीत गए थे। हिंदी, गुजराती, पंजाबी और तेलुगु भाषाओं में किए गए प्रचार ने सुमदाय पर काफी प्रभाव डाला था। भूटोरिया एक जाने-माने कारोबारी और इस आयोग के सदस्य हैं। उन्होंने बैठक में कहा कि लोगों को किसी खास में ही सूचना उपलब्ध कराने से सूचना अधिक लोगों तक नहीं पहुंच पाएगी।

दो साल बाद जापान में पर्यटन की होगी बहाली, जाने से पहले जान ले यह नियम

तोक्यो। लगभग दो साल पहले कोविड महामारी की वजह से कड़े यात्रा प्रतिबंध लागू करने के बाद जापान, पहली बार जून में विदेशी पर्यटकों के लिए अपनी सीमाएं खोलेगा, लेकिन फिलहाल यह केवल पैकेज टूर के लिए होगा। प्रधानमंत्री ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने बताया कि 10 जून से जापान निश्चित कार्यक्रम और गाइड के साथ पर्यटन के लिए लोगों के प्रवेश की अनुमति देगा। उन्होंने बताया कि जहां कोविड-19 संक्रमण दर कम है और उन क्षेत्रों के पर्यटक, जिन्हें टीके की तीन खुराक मिली है उन्हें यहां परीक्षण और पृथकवास से छूट दी जाएगी। जापान इस सप्ताह चार देशों, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, थाईलैंड और अमेरिका से छोटे प्रयोगात्मक पैकेज टूर आयोजित कर रहा है। यह एक ऐसा प्रयोग है, जिसमें पर्यटन वीजा वाले नहीं बल्कि विशेष वीजा प्राप्त करने वाले केवल 50 लोग शामिल हैं। यह 31 मई को समाप्त होना है। किशिदा ने बृहस्पतिवार को तोक्यो के एक होटल में अपने भाषण में कहा लोगों का स्वतंत्र और सक्रिय आदान-प्रदान अर्थव्यवस्था और समाज के साथ-साथ एशिया के विकास की नींव है। उन्होंने कहा कि संक्रमण की स्थिति को देखते हुए जापान धीरे-धीरे और अधिक पर्यटकों को अनुमति देगा। महामारी उपायों के प्रभारी, कैबिनेट अधिकारी मकोतो शिमोआरिसो ने कहा कि वर्तमान में जापान नागरिकों, विदेशी छात्रों और कुछ व्यावसायिक यात्रियों सहित एक दिन में 10,000 लोगों के प्रवेश की अनुमति देता है। जापान एक जून से इस संख्या को दोगुना कर 20,000 कर देगा।

आजादी मार्च के दौरान आगजनी और तोड़फोड़ को लेकर इमरान खान समेत कई वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ मामला दर्ज

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अन्य वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ बृहस्पतिवार को पुलिस ने आगजनी और तोड़फोड़ के दो अलग-अलग मामलों में वाद दर्ज किये। इन आरोपों को इस्लामाबाद में

बुधवार रात आजादी रैली के दौरान पीटीआई समर्थकों द्वारा कई जगहों पर आग लगाये जाने की घटनाओं से जोड़ा गया है। पहले मामले में जिन्ना एवेन्यू पर आगजनी और तोड़फोड़ को लेकर एक प्राथमिकी दर्ज की गई है, जबकि शहर के एक्सप्रेस चौक इलाके में आगजनी और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने को लेकर दूसरी प्राथमिकी दर्ज की गई है। दोनों प्राथमिकी पुलिस अधिकारियों की शिकायत पर दर्ज की गईं, लेकिन दूसरे मामले में स्पष्ट रूप से इमरान खान और पीटीआई के वरिष्ठ नेताओं असद उमर, इमरान इस्माइल, राजा खुर्रम नवाज, अली अमीन गंडापुर और अली नवाज अवान के नाम शामिल हैं। अभी किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है, लेकिन यदि खान ने घोषणा के अनुसार छह दिन बाद दूसरा विरोध प्रदर्शन शुरू किया तो सरकार कुछ नेताओं को पकड़ने के लिए इन मामलों का इस्तेमाल कर सकती है। इससे पहले दिन में, खान ने चेतावनी दी कि यदि 'आयातित सरकार' ने छह दिनों की समय सीमा के भीतर नये आम चुनावों की घोषणा नहीं की तो वह 'पूरे देश के साथ' पाकिस्तान की राजधानी लौटेंगे। इसके बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पलटवार करते हुए कहा कि उनकी धमकी का कोई असर नहीं होगा और चुनाव की तारीख संसद तय करेगी।

ट्विटर के शेयरहोल्डर्स ने मस्क के खिलाफ केस किया

वाशिंगटन । दुनिया के सबसे अमीर आदमी और अमेरिकी इलेक्ट्रि?क कार कंपनी टेस्ला के सीईओ एलन मस्क की मुश्किलें बढ़ रही है। ट्विटर डील फिलहाल होल्ड पर है। वहीं, ट्विटर के शेयरहोल्डर्स ने मस्क के खिलाफ केस किया है। मस्क पर आरोप है कि उन्होंने ट्विटर की शेयर्स की कीमत जानबूझकर कम की है। इससे उन्हें ट्विटर डील के लिए बचने मौका मिल जाए या फिर डील की कीमत कम करा सकें। आरोप लगाया गया है कि मस्क ने डील पर संशय बनाया है, जिसकी वजह से टिवटर के भाव में गिरावट आई है। एक शेयरधारक ने मामला दायर कर मस्क के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। हाल ही में मस्क ने कहा था कि ट्विटर को खरीदने के लिए उनकी बोली तब तक आगे नहीं बढ़ेगी जब तक कि उन्हें प्लेटफॉर्म पर मौजूद स्पैम अकाउंट्स की संख्या का सबूत नहीं मिल जाता।

इससे पहले पिछले महीने मस्क पर अमेरिका की कोर्ट में मुकदमा दायर किया गया था। उन पर आरोप था कि उन्होंने ट्विटर में अपने हिस्सेदारी की घोषणा जानबूझकर देरी से की। ऐसा उन्होंने कंपनी के शेयर सस्ते रेट पर हासिल करने के लिए किया था। यह मुकदमा ट्विटर के कुछ पूर्व शेयरधारकों ने दायर किया था। उन्होंने कोर्ट से हजार्ना दिलाने और मस्क के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने की मांग की थी।

अमेरिका में न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जेसिंडा आर्डेन को डॉक्टर ऑफ लॉ की मानद उपाधि मिली।

इजराइल के रक्षा मंत्री अगले हफ्ते भारत की यात्रा करेंगे

यरूशलम। इजराइल के रक्षा मंत्री बेनी गैंट्ज अगले हफ्ते भारत की यात्रा करेंगे और इस दौरान वह एक आशय पत्र (एलओआई) पर हस्ताक्षर करेंगे। उनकी यह यात्रा भारत और इजराइल के बीच द्विपक्षीय राजनयिक तथा रक्षा संबंधों के 30 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जुलाई 2017 में इजराइल की ऐतिहासिक यात्रा के दौरान भारत और इजराइल ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया था। तब से, दोनों देशों के बीच संबंधों ने ज्ञान-आधारित साझेदारी के विस्तार पर ध्यान केंद्रित किया है, जिसमें मेक इन इंडिया पहल को बढ़ावा देने सहित नवाचार और अनुसंधान में सहयोग शामिल है। गैंट्ज के कार्यालय ने एक बयान में कहा, 'रक्षा मंत्री बेनी गैंट्ज अगले सप्ताह (एक जून को) भारत की आधिकारिक यात्रा करेंगे। इस दौरान वह इजराइल और भारत के बीच राजनयिक एवं रक्षा संबंधों के 30 साल पूरे होने के मौके पर एलओआई पर हस्ताक्षर करेंगे।' बयान के मुताबिक, यात्रा का विस्तृत कार्यक्रम आने वाले दिनों में जारी किया जाएगा। जानकार सूत्रों ने पीटीआई-को बताया कि वह भारत के तीन दिवसीय दौरे पर जाएंगे और अपने भारतीय समकक्ष राजनाथ सिंह से मुलाकात करेंगे। उन्होंने कहा कि यात्रा के अन्य विवरणों पर काम किया जा रहा है। स्थानीय मीडिया की कुछ खबरों में एलओआई की व्याख्या 'विशेष सुरक्षा घोषणापत्र' से की गई है। गैंट्ज मार्च के अंत में भारत की यात्रा करने वाले थे, लेकिन इजराइल में घातक आतंकी हमलों की वजह से उन्हें यात्रा को स्थगित करना पड़ा था।

मंकीपॉक्स के प्रकोप 'अप्रत्याशित घटना':डब्ल्यूएचओ

-रेव पार्टी को लेकर विशेषज्ञ ने जताई ऐसी आशंका

लंदन (एजेंसी)

विकसित देशों में दुर्लभ बीमारी मंकीपॉक्स के प्रकोप को 'अप्रत्याशित घटना' है। यह कहना है विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का। संगठन के एक प्रमुख सलाहकार ने कहा कि यूरोप में हाल में दो रेव पार्टी में जोखिम भरे यौन व्यवहार के कारण संभवतः इसका प्रसार हुआ। डब्ल्यूएचओ के आपातकालीन विभाग के प्रमुख रहे डॉ। डेविड हेमन ने कहा कि सबसे मजबूत सिद्धांत यह है कि स्पेन और बेल्जियम में आयोजित दो रेव पार्टी में समलैंगिकों और अन्य लोगों के बीच यौन संबंधों की वजह से इस बीमारी का प्रसार हुआ है।

मंकीपॉक्स पूर्व में अफ्रीका के बाहर नहीं फैला था, जहां पर यह स्थानीय स्तर की बीमारी थी। हेमन ने कहा, 'हम जानते हैं कि मंकीपॉक्स तब फैल सकता है,जब संक्रमित के करीबी संपर्क में कोई आता है और यौन संबंधों की वजह से इस बीमारी का प्रसार और बढ़ जाता है।' जर्मनी की सरकार ने सांसदों को एक रिपोर्ट में कहा है कि आगे मंकीपॉक्स के और भी मामले आ सकते हैं। जर्मनी में चार पुष्ट मामलों का जुड़ाव ग्रेन केनेरिया समेत अन्य जगहों पर पार्टी के आयोजन से है जहां लोगों के बीच यौन गतिविधियां हुई थीं।डब्ल्यूएचओ ने ब्रिटेन, स्पेन, इजराइल, फ्रांस, स्विट्जरलैंड, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया सहित 10 से

ज्यादा देशों में मंकीपॉक्स के 90 से अधिक मामले दर्ज किए हैं। सोमवार को डेनमार्क में मंकीपॉक्स का पहला मामला आया।

वहीं, पुर्तगाल में 37 मामले आ चुके हैं। इटली में भी एक और नया मामला आया है। मैड्रिड के वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी एनरिक रूज एसकुदेरो ने कहा कि स्पेन की राजधानी में अब तक 30 मामलों की पुष्टि हो चुकी है। उन्होंने कहा कि प्राधिकार केनेरी आइलैंड में 'गे प्राइड कार्यक्रम' और बीमारी के बीच संभावित जुड़ाव की जांच कर रहे हैं जहां करीब 80,000 लोग आए थे। हेमन ने मौजूदा महामारी का आकलन करने के लिए संक्रामक रोग पर डब्ल्यूएचओ के परामर्श समूह की बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि अभी ऐसा कोई प्रमाण नहीं मिला है कि मंकीपॉक्स ज्यादा संक्रामक रूप में बदल सकता है। मंकीपॉक्स आमतौर पर बुखार, ठंड लगने, चेहरे या जननांगों पर दाने और घाव का कारण बनता है। यह किसी संक्रमित व्यक्ति या उसके कपड़ों या चादरों के संपर्क के माध्यम से फैल सकता है, लेकिन अभी तक यौन जनित संक्रमण का दस्तावेजीकरण नहीं किया गया है।

अधिकतर लोगों को अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत नहीं होती और कुछ हफ्तों के भीतर बीमारी से ठीक हो जाते हैं। चेचक के खिलाफ टीके, मंकीपॉक्स को रोकने में भी प्रभावी हैं और कुछ एंटीवायरल दवाएं विकसित की जा रही हैं। कुछ वैज्ञानिकों ने कहा है कि यह अभी पुष्टि कर पाना मुश्किल है कि यौन संपर्क की वजह से हाल में यूरोप में मंकीपॉक्स का प्रसार हुआ। इंपीरियल कॉलेज लंदन के विषाणु विज्ञानी माइक स्किनर ने कहा, ह्ययौन गतिविधि में अंतरंग संपर्क शामिल होता है, जिससे प्रसार के बढ़ने की आशंका होती है लेकिन इसमें किसी व्यक्ति के यौन रूझान और संचरण के माध्यम का पता नहीं लगता।'

ब्रिटेन की स्वास्थ्य सुरक्षा एजेंसी की मुख्य चिकित्सा सलाहकार डॉ सुसान हॉपकिंस ने रविवार को कहा कि देश में रोजाना आधार पर मंकीपॉक्स के और मामले आने की आशंका है। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि पुष्टि किए गए मामले मंकीपॉक्स वायरस के कम गंभीर पश्चिम अफ्रीकी समूह के हैं और एक ऐसे वायरस से जुड़े हुए प्रतीत होते हैं जो पहली बार 2018-2019 में नाइजीरिया से ब्रिटेन, इजराइल और सिंगापुर जाने वालों में पहचान हुई थी।

जून में कोरोना के खतरे का अलर्ट! एक हफ्ते में 37 लाख नए केस, 9 हजार लोगों की हो चुकी मौत

बीजिंग। (एजेंसी)

चीन के वुहान शहर से निकला कोरोना वायरस का संक्रमण अब पूरे दुनिया में फैल चुका है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, बीते हफ्ते में दुनियाभर में कोरोना के लगऊग 37 लाख मामले सामने

आ गए हैं। वहीं इस संक्रमण से अब तक 9 हजार लोगों की मौत हो चुकी हैं। हालांकि, डब्ल्यूएचओ के अनुसार जनवरी में कोरोना के बढ़ते मामलों के बाद से कोरोना के नए मामलों और मौतों में तेजी से गिरावट आई है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, दुनिया के दो देश अमेरिका और वेस्टर्न पैसिफिक में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। वहीं मिडिल ईस्ट में कोरोना से मौतों की संख्या 30 फीसदी बढ़ गई है। अन्य जगहों में कोरोना के मामले स्थिर है और मामलों में कमी आ रही है। कोरोना का वैरिएंट ओमिक्रॉन के सभी सब वैरिएंट्स को 'वैरिएंट्स ऑफ कंसर्न' के रूप में ट्रैक किया जा रहा है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, जिन देशों में ओमिक्रॉन के कारण से नई लहर आई थी वहां बीए.4 और बीए.5 का कम असर देखने को मिला है। खबरों की सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है कि साउथ अफ्रीका में बीए.4 और बीए.5 की वजह से नई लहर अब थमती दिख रही है। वहीं जहां चीन में कोरोना से हालात खराब होते जा रहे हैं। बता दें कि वहां करोड़ों लोग अपने घरों में कैद हो रखे हैं। राजधानी बीजिंग में अधिकारियों ने कर्मचारियों और छात्रों को घर पर रहने के आदेश दिए गए हैं। लॉकडाउन के बीच शंघाई में पिछले दो महीने से करोड़ों लोग सख्त पाबंदियों में रह रहे हैं।

जापान से वित्तीय सहायता मिलने पर आर्थिक संकट से उबरने में मदद मिलेगी: राजपक्षे

कोलंबो (एजेंसी)

श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने बृहस्पतिवार को उम्मीद जताई कि जापान की आर्थिक मदद से देश को अपने मौजूदा आर्थिक संकट से उबरने में मदद मिलेगी। उन्होंने 'अंतरराष्ट्रीय मित्रों' से इस 'बहुत मुश्किल समय' में उनके देश को समर्थन देने का आग्रह किया। जापान के तोक्यो में एशिया के भविष्य पर 27वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को वीडियो कॉल के माध्यम से संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें जापान के साथ शीघ्र समझौता होने की उम्मीद है और कर्ज के लिए बातचीत चल रही है। राजपक्षे ने कहा, 'जापान श्रीलंका के प्रमुख विकास भागीदारों में से एक बना हुआ है, और हम उम्मीद करते हैं कि जापान से धन जुटाने के संबंध में चल रही बातचीत जल्द ही पूरी हो जाएगी।' उन्होंने कहा, 'हम अपनी अर्थव्यवस्था और अपने राष्ट्र को स्थिर करने की कोशिश में जुटे हुए हैं।' राष्ट्रपति ने कोविड-19 महामारी के बाद से श्रीलंका के सामने आई कठिनाइयों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि महामारी के कारण पर्यटन उद्योग काफी प्रभावित हुआ और देश पर अधिक ऋण बकाया हो गया तथा महंगाई काफी बढ़ गई जिससे गंभीर आर्थिक संकट पैदा हो गया। उन्होंने कहा, 'हमें अंतरराष्ट्रीय समुदाय में अपने दोस्तों से तत्काल सहायता की आवश्यकता है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि आवश्यक दवाओं, खाद्य आपूर्ति और ईंधन के आयात के मामले में हमारी आवश्यक जरूरतें पूरी हो जाएं।

उत्तर कोरिया पर लगाए जा रहे कठोर प्रतिबंध, अमेरिका के प्रस्ताव पर चीन और रूस ने किया वीटो

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)

चीन और रूस ने बृहस्पतिवार को संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका द्वारा पेश उस प्रस्ताव के खिलाफ वीटो किया, जिसमें उत्तर कोरिया पर उसके अंतरमहाद्विपीय बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण के लिए नए कठोर प्रतिबंध लगाने का प्रावधान था। अमेरिका सहित कई अन्य देशों को आशंका है कि इन मिसाइलों का इस्तेमाल परमाणु हथियार ले जाने में किया जा सकता है। 15 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में 13 मत प्रस्ताव के पक्ष में तो दो वोट इसके खिलाफ पड़े। उत्तर कोरिया के खिलाफ प्रतिबंध संबंधी किसी प्रस्ताव को लेकर यूएनएससी के वीटो अधिकार वाले पांच स्थायी सदस्यों में इतने बड़े पैमाने पर मतभेद पहली बार दिखा। दरअसल, सुरक्षा परिषद ने साल 2006 में उत्तर कोरिया के पहले परमाणु परीक्षण के बाद उस पर कड़े प्रतिबंध लगाए

थे। सुरक्षा परिषद ने बाद के वर्षों में इन प्रतिबंधों को और सख्त कर दिया था। अमेरिकी राजदूत लिंडा थॉमस-ग्रीनफील्ड ने बृहस्पतिवार को प्रस्ताव पर मतदान से पहले यूएनएससी के सदस्यों से एकजुटता की अपील की। उन्होंने इस साल उत्तर कोरिया द्वारा किए गए छह अंतरमहाद्विपीय बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण को 'पूरे अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए खतरा' करार दिया। ग्रीनफील्ड ने जोर देकर कहा कि दिसंबर 2017 में सुरक्षा परिषद द्वारा स्वीकार किए गए प्रतिबंध संबंधी पिछले प्रस्ताव में सदस्य देशों ने अंतरमहाद्विपीय बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण जारी रखने पर उत्तर कोरिया को पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात और सीमित करने की प्रतिबद्धता जताई थी। उत्तर कोरिया ने अपना अंतरमहाद्विपीय बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम पांच वर्षों के लिए निलंबित कर दिया था। हालांकि, ग्रीनफील्ड ने पिछले पांच महीनों में प्योंगयांग द्वारा किए गए मिसाइल प्रक्षेपण को 'खतरा और चेतावनी' करार देते हुए सुरक्षा परिषद से उसके खिलाफ कार्रवाई करने का अनुरोध किया। वहीं, संयुक्त राष्ट्र में चीन के राजदूत झांग जून ने बृहस्पतिवार को प्रस्ताव पर मतदान से पहले उत्तर कोरिया के खिलाफ नए प्रतिबंधों को लेकर बीजिंग का विरोध दोहराया। उन्होंने अमेरिका से प्रतिबंधों का सहारा लेने के बजाय उत्तर कोरिया के साथ बातचीत दोबारा शुरू करने और कोरियाई प्रायद्वीप की स्थिति का राजनीतिक समाधान खोजने के लिए 'सार्थक एवं व्यावहारिक कार्रवाई' करने का आह्वान किया।

पाकिस्तानी जनता पर फूटा महंगाई बम, पेट्रोल-डीजल के दाम में वृद्धि पर भड़के इमरान खान बोले- इंडिया से सीखो

इस्लामाबाद। (एजेंसी)

पाकिस्तान भी अब श्रीलंका की राह पर चल चुका है। आर्थिक रूप से बबार्दी की ओर तेजी से बढ़ रहे पाकिस्तान की सरकार ने अर्थव्यवस्था को पूरी तरह से ढहने से बचाने के लिए पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में 30 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि करने का निर्णय लिया है जिससे पाकिस्तान में जनता त्राहि त्राहि कर रही है। हम आपको बता दें कि पाकिस्तान में पेट्रोलियम पदार्थों में मूल्यवृद्धि आधी रात से लागू हो गयी जिसके चलते पेट्रोल 179 रुपये 85 पैसे प्रति लीटर और डीजल 174 रुपये 15 पैसे प्रति लीटर और केरोसिन 155 रुपये 95 पैसे प्रति लीटर मिलेगा। पाकिस्तान के वित्त मंत्री मिफ्ताह इस्माइल ने एक प्रेस वार्ता में नई कीमतों का ऐलान किया। हम आपको बता दें कि पाकिस्तान सरकार ने यह निर्णय तब लिया है जब एक दिन पहले कतर में पाकिस्तान सरकार और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के बीच आर्थिक सहायता को लेकर हुई बातचीत बेनतीजा रही थी।

इमरान खान फिर बोले- इंडिया से सीखो

पाकिस्तान सरकार के इस निर्णय पर भड़कते हुए पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा है कि यह सबसे बड़ी एकमुश्त वृद्धि है। उन्होंने आरोप लगाया है कि पाकिस्तान ने आयातित सरकार के विदेशी आकाओं को गुलामी की कीमत चुकानी शुरू कर दी है। इमरान खान ने आरोप लगाया है कि अक्षम और उदासीन सरकार ने रूस के साथ 30% सस्ता तेल खरीदने के लिए हमारा सौदा नहीं किया। इमरान खान ने कहा है कि अपराधियों के इस समूह के हाथों हमारे देश को अब महंगाई की एक बड़ी आंधी का सामना करना पड़ेगा। इमरान खान ने ट्वीटों की अपनी श्रृंखला में एक बार फिर भारत की तारीफ करते हुए कहा है कि पाकिस्तान के विपरीत, अमेरिका के रणनीतिक सहयोगी भारत ने रूस से सस्ता तेल खरीदकर ईंधन की कीमतों में भारी कमी करने में कामयाबी हासिल की है।

पड़ोसी देशों के हालात से सबक सीखना चाहिए

यहां हम आपको बताना चाहेंगे कि पाकिस्तान और श्रीलंका का यह हाल मुफ्त वितरण की राजनीति और सब्सिडी वाली राजनीति के चलते ही हुआ है। पाकिस्तान सरकार भी श्रीलंका की तरह जनता के बीच लोकप्रिय रहने के लिए महंगा तेल खरीद कर सस्ते में बेच रही थी। ऐसे में देश की अर्थव्यवस्था का भट्ठा तो बैठेगा ही। अब जब हालात बिगड़ने लगे तो पाकिस्तान सरकार को इतनी बड़ी मूल्यवृद्धि के लिए मजबूर होना पड़ा। यहां हम भारत के उन लोगों को भी यह बताना चाहेंगे कि पेट्रोल और डीजल के दामों में आवश्यक होने पर एक-एक रुपए की मूल्यवृद्धि पर सरकार को कोसना छोड़िये क्योंकि हमारे पड़ोसी देशों के हालात यह बताने के लिए काफी हैं कि महंगा खरीदकर उसे सस्ता बेचना कितना भारी पड़ता है। वैसे भी अब भारत सरकार ने पेट्रोलियम पदार्थों पर उत्पाद शुल्क को घटाकर जनता को बड़ी राहत प्रदान कर ही दी है।

पाकिस्तान सरकार और कड़े निर्णय लेने को तैयार

बहरहाल, पाकिस्तान की ही बात करें तो वहां के वित्त मंत्री इस्माइल ने कहा है कि इस बढ़ोत्तरी के बाद भी अभी सरकार को डीजल के दामों में प्रति लीटर 56 रुपये का घाटा हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार को इस फैसले के दुष्परिणामों का अहसास है। इस्माइल ने कहा, 'हम आलोचना झेलेंगे लेकिन देश और उसका हित हमारे लिए जरूरी है। हमारे लिए इसे बचाए रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अगर इन कदमों को नहीं उठाया गया होता तो पाकिस्तान गलत दिशा में जा सकता था।

पाकिस्तान में तेजी से बिगड़ रहे हैं हालात

इस बीच पाकिस्तान मीडिया रिपोर्टों के अनुसार पाकिस्तान में इस भारी वृद्धि का जनता विरोध कर रही है और जगह-जगह सरकार विरोधी प्रदर्शन हो रहे हैं। इस बड़ी मूल्यवृद्धि के चलते पाकिस्तान में महंगाई बम फूटने के डर से लोग रोजमर्रा के सामान वाली दुकानों पर उमड़ रहे हैं ताकि कीमतें बढ़ने से पहले घर में जरूरी सामान रख लिया जाये। पाकिस्तान की हालत इस समय श्रीलंका जैसी होती जा रही है। पाकिस्तान में सरकार है लेकिन उसकी कोई सुन नहीं रहा, पाकिस्तान में सुप्रीम कोर्ट है लेकिन वह आंखें मूंदे बैठा हुआ है। अभी एक दिन पहले ही इस्लामाबाद में इमरान खान की पार्टी के प्रदर्शनकारियों पर पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने एक्सपार्यड आंसू गैस के गोले छोड़े थे क्योंकि नये आंसू गैस के

गोले खरीदने के लिए उनके पास पैसे नहीं हैं। पाकिस्तान को कहीं से आर्थिक मदद मिल नहीं रही है और खर्चा चलाने के लिए उसके पास पैसे बचे नहीं हैं। ऐसे में इस भारी मूल्यवृद्धि के बाद पाकिस्तान में डर महसूस किया जा रहा है कि कहीं जनता ही इस शहबाज शरीफ सरकार का तख्ता ना पलट दे।

सुविचार विजयी व्यक्ति स्वभाव से, बहिर्मुखी होता है। पराजय व्यक्ति को अन्तर्मुखी बनाती है। - प्रेमचंद

संपादकीय

'आशा' का भरोसा

कोरोना संकट के दौरान अपना व परिवार का जीवन संकट में डालकर संक्रमितों की पहचान व उपचार में मदद करने वाली आशा कार्यकर्ताओं ने भारत ही नहीं, पूरी दुनिया में नई आशा जगायी है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने यह भी संदेश दिया है कि सीमित संसाधनों और मामूली वेतन में मानवता की कितनी बड़ी सेवा की जा सकती है। अब उनके इस योगदान को देश ने ही नहीं, पूरी दुनिया ने भी स्वीकारा है। देश की ग्रामीण आबादी में महिलाओं को जागरूक करने व बच्चों को प्राथमिक उपचार, पोषण जागरूकता व शिक्षा अनुकूल वातावरण मुहैया कराने वाली लाखों आशा कार्यकर्ताओं का सिर आज गर्व से ऊंचा उठा है। उन्हें कोरोना संकट के दौरान मानवता की सेवा करने पर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने ग्लोबल हेल्थ लीडर्स अवार्ड देकर सम्मानित किया है। यह सम्मान उन्हें लोगों की जीवन रक्षा करने, सेवा मुहिम को कुशल नेतृत्व देने तथा ग्रामीण जीवन में गुणात्मक सुधार लाने में योगदान के लिये दिया गया है। वाकई, समर्पित आशा वर्कर इस सम्मान की हकदार थीं। हमारे देश में ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं का जो स्तर है वह किसी से छिपा नहीं है। ग्रामीण स्वास्थ्य तंत्र का पहला पायदान कहे जाने वाले आंगनवाड़ी केंद्र सरकार की स्वास्थ्य जागरूकता हेतु महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं जिसका मकसद ग्रामीण क्षेत्रों में कमजोर वर्ग के लोगों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना भी रहा है। दरअसल, आशा कार्यकर्ताओं ने बच्चों व माताओं के स्वास्थ्य में सुधार लाने के लिये अथक प्रयास किये हैं। इसमें टीकाकरण से लेकर कुपोषण की चुनौती का मुकाबला भी शामिल रहा है। इतना ही नहीं, देश में विशाल पोलियो वैक्सीन कार्यक्रम बिना आशा कार्यकर्ताओं के सफल होना संदिग्ध था। कुल मिलाकर सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाओं को समृद्ध करने में इनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इसके अलावा लोगों को जीवन शैली से उपजे रोगों से मुक्त कराने तथा स्वच्छता की मुहिम से रोग भगाने जैसे अभियानों में आशा वर्करों ने नई उम्मीद जगाई है। हाल के दिनों में पूरे देश से आशा वर्करों के आंदोलन की खबरें विचलित करती रहीं। कोरोना संकट में अग्रिम मोर्चे पर खड़ी रही इन कार्यकर्ताओं का सड़क पर उतरना परेशान करता रहा है। ग्रामीण जीवन की सेहत के लिये महत्वपूर्ण योगदान देने वाली आशा वर्करों के बीच यदि निराशा पैदा होती है तो हम संपूर्ण स्वास्थ्य के लक्ष्य हासिल नहीं कर पायेंगे। दरअसल, इन कार्यकर्ताओं को इनके योगदान के अनुरूप मानदेय नहीं मिलता। अब जब विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इनके योगदान को मान्यता दी है तो केंद्र सरकार का दायित्व बनता है कि इन कार्यकर्ताओं की सेवाओं को स्थायी करने और सम्मानजनक वेतन देने की दिशा में पहल करे। इनकी सेवा शर्तों में सुधार के अलावा इन्हें वे साधन उपलब्ध कराये जाने चाहिएं जिनसे ये जटिल भौगोलिक परिस्थितियों में भी शीघ्रता से अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकें। यह विडंबना ही है कि देश ग्रामीण इलाकों में साक्षरता के लक्ष्यों को हासिल नहीं कर पाया है। ऐसे में स्वस्थ व कुपोषण-रहित भारत के लक्ष्यों को पूरा करने में जन-जागरण के जरिये आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ग्रामीण महिलाओं को मातृ दुग्धाहार के प्रति जागरूक, बच्चों के लिये पोषाहार की व्यवस्था तथा स्वास्थ्य व परिवार नियोजन के प्रति सचेत कर सकती हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार देश में चौदह लाख आंगनवाड़ी केंद्र हैं जिसमें तेरह लाख से अधिक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व ग्यारह लाख से अधिक सहायिकाएं कार्यरत हैं। देश में ग्रामीण अंचलों में आर्थिक विसंगति, अशिक्षा व जागरूकता के अभाव से ग्रसित समाज को राष्ट्र की मुख्यधारा से जोड़ने में ये समर्पित कार्यकर्ता निर्णायक भूमिका निभा सकती हैं। सरकार और हम सब का दायित्व है कि इनकी मूलभूत आवश्यकताओं को यथाशीघ्र पूरा किया जाये।

आज के कार्टुन

सफलता

आचार्य रजनीश ओशो/ मैं जब पढ़ता था तो वे कहते थे कि पढ़ोगे-लिखोगे होगे नवाब, तुमको नवाब बना देंगे, तुमको तहसीलदार बनाएंगे। तुम राष्ट्रपति हो जाओगे। ये पलोभन हैं और ये पलोभन हम छोटे-छोटे बच्चों के मन में जगाते हैं। हमने कभी उनको सिखाया क्या कि तुम ऐसा जीवन बसर करना कि तुम शांत रहो, आनंदित रहो! नहीं। हमने सिखाया, तुम ऐसा जीवन बसर करना कि तुम ऊंची से ऊंची कुर्सी पर पहुंच जाओ। तुम्हारी तनख्वाह बड़ी से बड़ी हो जाए, तुम्हारे कपड़े अच्छे से अच्छे हो जाएं, तुम्हारा मकान ऊंचे से ऊंचा हो जाए, हमने यह सिखाया है। हमने हमेशा यह सिखाया है कि तुम लोभ को आगे से आगे खींचना, क्योंकि लोभ ही सफलता है। और जो असफल है उसके लिए कोई स्थान है? इस पूरी शिक्षा में असफल के लिए जब कोई स्थान नहीं है, असफल के प्रति कोई जगह नहीं है और केवल सफलता की धुन और ज्वर हम पैदा करते हैं तो फिर स्वाभाविक है कि सारी दुनिया में जो सफल होना चाहता है वह जो बन सकता है, करता है। क्योंकि सफलता आखिर में सब छिपा देती है। एक आदमी किस भांति चपरासी से राष्ट्रपति बनता है! एक दफा राष्ट्रपति बन जाए तो फिर कुछ पता नहीं चलता कि वह कैसे राष्ट्रपति बना, कौन सी तिकड़म से, कौन सी शरारत से, कौन सी बेईमानी से, कौन से झूठ से? किस भांति से राष्ट्रपति बना, कोई जरूरत अब पूछने की नहीं है! न दुनिया में कभी कोई पूछेगा, न पूछने का कोई सवाल उठेगा। एक दफा सफलता आ जाए तो सब पाप छिप जाते हैं और समाप्त हो जाते हैं। सफलता एकमात्र सूत्र है। तो जब सफलता एकमात्र सूत्र है तो मैं झूठ बोल कर क्यों न सफल हो जाऊं, बेईमानी करके क्यों न सफल हो जाऊं! अगर सत्य बोलता हूं, असफल होता हूं, तो क्या करूं? तो हम एक तरफ सफलता को केंद्र बनाए हैं और जब झूठ बढ़ता है, बेईमानी बढ़ती है तो हम परेशान होते हैं कि यह क्या मामला है। जब तक सफलता, सक्सेस एकमात्र केंद्र है, सारी कसौटी का एकमात्र मापदंड है, तब तक दुनिया में झूठ रहेगा, बेईमानी रहेगी, चोरी रहेगी। यह नहीं हट सकती, क्योंकि अगर चोरी से सफलता मिलती है तो क्या किया जाए? अगर बेईमानी से सफलता मिलती है तो क्या किया जाए? बेईमानी से बचा जाए कि सफलता छोड़ी जाए, क्या किया जाए? जब सफलता एकमात्र माप है, एकमात्र मूल्य है, एकमात्र वैल्यू है कि वह आदमी महान है जो सफल हो गया तो फिर बाकी सब बातें अपने आप गौण हो जाती हैं।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने किया अपनी नई पुस्तक "DETOX THE MIND" का विमोचन

हम सबके लिए यह बड़ी ही खुशी की बात है कि परम पूजनीय संत राजिन्दर सिंह जी महाराज जोकि दुनियाभर में सबसे ज्यादा बिकने वाली पुस्तकों के विश्व प्रसिद्ध लेखक हैं, ने 21 मई, 2022 को अपनी नई पुस्तक "DETOX THE MIND" का विमोचन शिकागो, अमेरिका में आयोजित एक समारोह में किया।

पुस्तक विमोचन समारोह में विश्वभर से आए अतिथियों एवं गणमान्य व्यक्तियों को संबोधित करते हुए परम पूजनीय संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने कहा कि आज के समय में हम सबके जीवन में तनाव, डर और चिंता हर समय बनी रहती है। जब हमारे जीवन में दुःखों से भरा समय आता है तो उस समय हम आंतरिक सुख और शांति से अनजान रहते हैं। ज़रा सोचिये यदि जब हम रोज सुबह जागें तो वह दिन ऐसा हो जोकि शांति और आनंद से भरा हुआ हो तो हम समझ सकते हैं कि हम कितना अच्छा अनुभव करेंगे। इन सभी परेशानियों से मुक्त ऐसा जीवन हमारे अंदर हमारा इंतज़ार कर रहा है।

कल्पना कीजिये कि अगर हम तनाव और चिंता को आराम और खुशी से बदल दें तो हमारा जीवन कितना शानदार हो जाएगा। इस सपने को साकार करने के लिए हमें सिर्फ कुछ सरल और आसान से कदम उठाने होंगे। जो लोग अपना शारीरिक स्वास्थ्य ठीक और अपने आपको खुश रखना चाहते हैं तो उन्हें चाहिये कि वे अपने अवगुणों को दूर करके अपने आपको अंदर से पवित्र करें। तभी वे अपने भीतर प्रकाश, शांति और प्रेम के दिव्य दृश्यों का अनुभव कर सकते हैं। कई लोग अपने आपको खुश रखने के लिए ड्रग्स और शराब का सेवन करते हैं लेकिन इसकी कोई ज़रूरत नहीं है।

उन्होंने आगे कहा कि एक शांत एवं प्रेम से भरा हुआ समुद्र हम सभी के अंदर स्थित है। दुर्भाग्य से बहुत से लोग इसका अनुभव नहीं कर पाते क्योंकि यह मन-माया की परतों से ढका हुआ है, जिससे कि इसका अनुभव करना और भी मुश्किल हो जाता है। कुछ आसान से उपायों का पालन करके हम अंदर के प्रेम एवं आनंद से भरे समुद्र में कभी भी डूबकी लगाकर और स्वयं उसका अनुभव करते हुए एक शांत एवं आनंदायक जीवन व्यतीत कर सकते हैं। हममें से प्रत्येक व्यक्ति इसका अनुभव ध्यान-अभ्यास के द्वारा कर सकता है।

आज दुनियाभर में लाखों लोग आंतरिक खुशी और शांति पाने के लिए अपने मन की सफाई करके ध्यान-अभ्यास की ओर रुख कर रहे हैं। संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने इस प्रेरणादायक पुस्तक "DETOX THE MIND" के हरेक अध्याय में एक आनंद और शांतिमय जीवन जीने के एक-एक पहलू को बड़े ही सरल तरीके से खोल-खोलकर समझाया है।

पुस्तक को प्रमुख ईकॉमर्स प्लेटफॉर्म amazon वेबसाइट पर पेपरबैक, ebook (Kindle) और ऑडियो बुक के रूप में भी लॉन्च किया गया है। पुस्तक के बारे में अधिक जानकारी के लिए और यह पुस्तक आपके जीवन को कैसे बदल सकती है, यह जानने के लिए आप www.Deto&TheMind.org वेबसाइट पर जा सकते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त ध्यान-अभ्यास के आध्यात्मिक गुरु संत राजिन्दर सिंह जी महाराज को उनकी अनेक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया है। वे मानव एकता सम्मेलन के अध्यक्ष हैं, साइंस ऑफ स्पिरिचुएलिटी के प्रमुख हैं व ध्यान-अभ्यास पर दुनियाभर में सबसे ज्यादा बिकने वाली पुस्तकों के विश्व प्रसिद्ध लेखक हैं, जिनमें 'मेडिटेशन एस मेडिकेशन फोर द सोल' 'ध्यान द्वारा आंतरिक व बाहरी शांति' 'आत्म शक्ति' व 'दिव्य चिंगारी' प्रमुख हैं। संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने अपनी इन पुस्तकों में ध्यान-अभ्यास को जिस सरलता से पेश किया है, वह और कहीं भी देखने को नहीं मिलता और जिसका अभ्यास बच्चा हो या बूढ़ा, स्वस्थ हो या बीमार, अमीर हो या गरीब कोई भी कर सकता है।

सावन कृपाल प्रकाशन द्वारा प्रकाशित साहित्य विश्व की 55 भाषाओं जिनमें भारत की

12 प्रादेशिक भाषा भी शामिल हैं, अध्यात्म विषय पर लगभग 130 शीर्षकों सहित प्रकाशित की जाती हैं, ताकि विश्व के किसी भी देश व राज्य में रहने व उस भाषा को जानने वाला इनसे लाभ प्राप्त कर सके। संत राजिन्दर सिंह जी महाराज द्वारा लिखित ये अमूल्य व दुर्लभ पुस्तकें न सिर्फ हमारे जीवन का मार्गदर्शन करती हैं बल्कि इनके द्वारा हमारी समझ भी ठीक होती है, जिससे कि हम अपने जीवन में सही निर्णय ले पाते हैं। पुस्तकों में दिए गए संत राजिन्दर सिंह जी महाराज के लेख हमें ध्यान-अभ्यास के महत्व से भी परिचय कराते हैं। इसके साथ ही वे हमारी उन सभी समस्याओं व शंकाओं का भी समाधान करते हैं, जोकि हमारे मन के कारण पैदा होती हैं।

USA Book News जोकि अमेरिका में पुस्तकों व उनकी समीक्षा के लिए एक प्रमुख ऑनलाइन प्रकाशन है ने, संत राजिन्दर सिंह जी महाराज को उनकी तीन नवीतम पुस्तकों के लिए सर्वश्रेष्ठ पुस्तकों का सम्मान देकर सम्मानित किया है। यह सम्मान उन्हें उनकी तीन पुस्तकों की तीन विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत दिया गया है। उनकी तीन पुरस्कृत पुस्तकें हैं, "Spark of the Divine" को सर्वश्रेष्ठ आध्यात्मिक रचना के लिए, "Meditation as Medication for the Soul" को पुस्तक की आंतरिक साज-सज्जा के लिए व "Jyoti Meditation for Children" को बच्चों के शारीरिक, मानसिक व आत्मिक विकास के लिए सर्वश्रेष्ठ पुस्तक का सम्मान प्राप्त हुआ है।

सावन कृपाल रूहानी मिशन के अध्यक्ष संत राजिन्दर सिंह जी महाराज आज संपूर्ण विश्व में ध्यान-अभ्यास द्वारा प्रेम, एकता व शांति का संदेश प्रसारित कर रहे हैं, जिसके फलस्वरूप उन्हें विभिन्न देशों द्वारा अनेक शांति पुरस्कारों व सम्मानों के साथ-साथ पाँच डॉक्टरेट की उपाधियों से भी सम्मानित किया जा चुका है।

सावन कृपाल रूहानी मिशन के संपूर्ण विश्व में लगभग 3200 से अधिक केन्द्र स्थापित हैं तथा मिशन का साहित्य विश्व की 55 से अधिक भाषाओं में प्रकाशित हो चुका है। इसका मुख्यालय विजय नगर, दिल्ली में है तथा अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय नेपरविले, अमेरिका में स्थित है।

सावन कृपाल रूहानी मिशन
मीडिया प्रभारी
सौरव नरूला

कैंसर के बढ़ते मामले

कैंसर का कहर/ ज्ञानेन्द्र रावत

आज कैंसर समूची दुनिया में भयावह रूप ले रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की मानें तो भारत में बड़ी संख्या में लोग कैंसर के शिकार होकर जान गंवा रहे हैं। कैंसर के मामले में दुनिया के 172 देशों की सूची में भारत का स्थान 155वां है। यदि एनसीडीआईआर और आईसीएमआर की मानें तो भारत में कैंसर के मरीज तेजी से बढ़े हैं, इसमें 2025 तक 12 फीसदी तक की बढ़ोतरी हो जायेगी। भारत में प्रति लाख 70.23 लोग कैंसर से पीड़ित हैं। राष्ट्रीय कैंसर संस्थान की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में हर साल 13.9 लाख कैंसर के नये रोगी सामने आ रहे हैं। इनमें सात लाख महिलाएं होती हैं। इनमें से साढ़े तीन लाख मौत के मुंह में चली जाती हैं। देश में हर साल 70 हजार लोगों की मौत होती है, जिनमें 80 फीसदी की मौत बीमारी के प्रति उदासीन रवैये के कारण होती है। जबकि रोजाना 1300 से ज्यादा लोग बीमारी के शिकार हो रहे हैं। गौरतलब है कि सन् 1990 के मुकाबले देश में प्रोस्टेट कैंसर के मामलों में 22 फीसदी, महिलाओं में ब्रैस्ट कैंसर के मामलों में 33 फीसदी और सरवाइकल कैंसर के मामलों में तकरीबन 3 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। अब तो ब्रैस्ट कैंसर के मामले 23 से 30 वर्ष की महिलाओं में ज्यादातर पाये जाते हैं। चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार जिस तरह डायबिटीज और हृदय रोग एक कारण से नहीं होते, उसी तरह कैंसर का भी एक कारण नहीं होता। इसके पीछे पश्चिमी जीवनशैली, डेरी उत्पादों का गलत तरीके से सेवन, रासायनिक प्रदूषण, प्रोसेस्ड फूड, कब्ज व गैस्ट्रिक समस्या की भी अहम भूमिका है। कैंसर के बढ़ते मामलों में रासायनिक खादों के इस्तेमाल में हो रही वृद्धि, खासकर ग्लाइफोसेट पेस्टीसाइड जिस पर बहुतेरे देशों में पाबंदी है व बढ़ रहे प्रदूषण की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता। दरअसल, कैंसर का तात्पर्य शरीर में अनियंत्रित रूप से वृद्धि करने वाली कोशिकाओं से है। ये बेवजह वृद्धि कर ऊतकों को प्रभावित करती हैं और फिर धीरे-धीरे शरीर के बाकी हिस्सों को भी अपनी चपेट में ले लेती हैं। आमतौर पर शरीर का वजन बढ़ जाना, व्यक्ति की शारीरिक सक्रियता में कमी होना, दोष पूर्ण व असंतुलित तैलीय व मसाले युक्त खान-पान, व्यायाम न कर पाना, नशीले और मादक पदार्थों के अत्यधिक सेवन ही से इस रोग की चपेट में आने की संभावना ज्यादा रहती है। चाय या फिर कॉफी आदि पेय पदार्थों के अत्यधिक सेवन से कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। दरअसल, चाय और कॉफी में अन्य पेय पदार्थों के मुकाबले 4000 से ज्यादा घातक तत्व पाये जाते हैं। दवाओं का साइड इफेक्ट और आनुवंशिकता भी इसका अहम कारण है। अब तो बच्चे, नौजवान और वृद्ध भी इस बीमारी की चपेट में हैं। निस्संदेह, ज्यादा तला-भुना खाना सेहत के लिए हानिकारक है। फिर भी लोग बड़े स्वाद और चाव से खाते हैं। अमेरिकी नेशनल कैंसर इंस्टिट्यूट के अध्ययन के अनुसार, लोगों का यह शौक ही उनके लिए जानलेवा हो सकता है। अमेरिकी कैंसर सोसायटी की पोषण व शारीरिक गतिविधियों की मैनेजिंग डायरेक्टर कोलीन डायल का कहना है कि अक्सर भुने हुए खाद्य पदार्थों का कुछ काला और जला हुआ हिस्सा वास्तव में हैट्रोसाइक्लिक एमिनंस या एचसीए होता है। यह ज्यादातर उस समय बनता है जबकि खाद्य पदार्थ यथा मांस, चिकन या मछली को ऊंचे ताप पर भूना जाता है। ऐसे खाद्य पदार्थों को तेलों में तलने पर यह कंपाउंड पैदा होता है। जहां तक मीट का सवाल है, उसे जब अंगीठी पर भूना जाता है, उस दशा में पॉलीसाइक्लिक ऐरोमैटिक्स हाइड्रो कार्बन और हैट्रोसाइक्लिक एमियंस नामक दो तरह के कंपाउंड पैदा होते हैं। अध्ययनों से इस बात का खुलासा होता है कि ये डीएनए में बदलाव करके कैंसर के कारण बनते हैं। अमेरिकी नेशनल कैंसर इंस्टिट्यूट की सीनियर एपिडेमियोलॉजी एंड जैनेटिक्स डिपार्टमेंट की वरिष्ठ शोधकर्ता रश्मि सिन्हाना की मानें तो जब किसी कार्बनिक पदार्थ को जलाया जाता है तो पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक्स हाइड्रोकार्बन बनता है। आग की लपटों में कार्बन जलता रहता है और खास बात यह है कि यह हाइड्रोकार्बन धुएं के साथ बना रहता है। नतीजतन इस धुएं के चलते मांस पर कैंसर का कारण बनने वाले कंपाउंड की परत चढ़ने का खतरा बना रहता है। रेड मीट तो और भी घातक है। कारण, इसमें वसा की मात्रा बहुत ही ज्यादा होती है। यह मोटापे और उससे होने वाली बीमारियों का कारण हो सकती है। खतरे की बात यह कि यह कैंसर का कारण भी हो सकता है। जो लोग रेड मीट की जगह मछली, सी फूड, चिकन व फ्लोर बेस्ड फूड को भूनते हैं, वो भी नुकसानदेह है। असलियत में मछली और सी फूड को भूनने के दौरान भी सीएचए की उत्पत्ति होती है। शोध-अध्ययन इस बात के सबूत हैं कि यदि इसे आधे घंटे तक मसाले के मिश्रण के साथ भूना जाता है तो एचसीए की मात्रा को कम किया जा सकता है।

सू-दोकू नवताल -2127

	8		2		5		3	
	2	4						8
7		3		6	9			4
3		8						
4	5	7		8		3	1	2
						7		9
9			5	3		8		1
2						9	6	
	7		6		1		2	

सू-दोकू -2126 का हल

8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2127

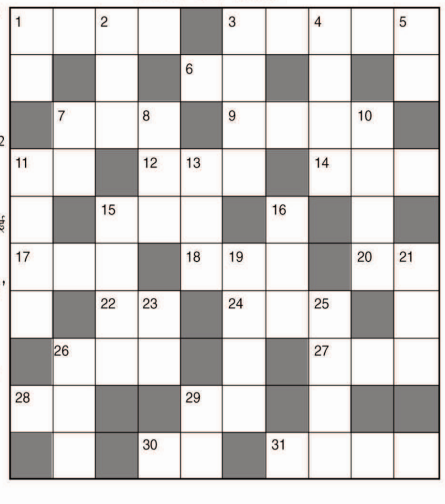

बायें से दायें:-

1. 'तू मिले दिल खिले और' गीत वाली नागार्जुन, रमैया, मनीषा की फिल्म-4
3. राजकपूर, माला की 'आँसू भरी हैं ये जीवन की राहें' गीत वाली फिल्म-5
6. 'केसरिया बालम' गीत वाली श्रेयस तलपदे, आयशा टाकिया की फिल्म-2
7. शाहरूख, माधुरी की 'अठरा बरस की कँवारी कली थी' गीत वाली फिल्म-3
9. 'वो चाँद जैसी' गीत वाली शाहरूख खान, माधुरी, ऐश्वर्या की फिल्म-4
11. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-2
12. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-3
14. संजय दत्त, फरहा की 'मेरा प्यार तेरे जीवन के संग' गीत वाली फिल्म-3
15. विनोद मेहरा, बिंदिया की फिल्म-3
17. हिमालय, भाग्यश्री की 'तेरा ही प्यार मेरे इस दिल में' गीत वाली फिल्म-3
18. फिल्म 'कभी कभी' में ऋषि की नायिका कौन थी-3
20. अनिल, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की 'इश्क बिना क्या' गीतवाली फिल्म-2
22. दिलीप कुमार, रेखा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-2
24. अमिताभ, रेखा की 'कोई गाता मैं सो जात' गीत वाली फिल्म-3
26. 'बागां मां जब मोर बोले' गीत वाली अक्षयकुमार, करीना की फिल्म-3
27. विनोद खन्ना, हेमा की अरूणा राजे द्वारा निर्मित एवं निर्देशित फिल्म-3
28. 'क्यूं मेरा दिल तुझको' गीत वाली करण नाथ, मनीषा की फिल्म-2
29. नसीर, ओमपुरी, स्मिता की 'शमशीर बजे ना' गीत वाली फिल्म-2
30. 'बंधन' में सलमान का नाम ?-2
31. फिल्म 'काफी हाउस' में शम्मी कपूर की नायिका ?-2,2

ऊपर से नीचे:-

1. 'दिल ना दिया' गीत वाली फिल्म-2
2. विनोद खन्ना, बिंदू की फिल्म-3
3. 'दो दिल मिल रहे' गीत वाली फिल्म-4
4. विनोद मेहरा, रीना राय की फिल्म-4
5. 'आप से प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-2
7. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं' गीत वाली अब्बास, शर्बाणी मुखर्जी की फिल्म-2
8. देव आनंद, आशा पारेख की 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली फिल्म-3
10. 'बड़ी दूर से आये हैं प्यार' गीत वाली अनिल घवन, योगिता की फिल्म-4
11. देव आनंद, मधुबाला की 'उन के खयाल आए तो' गीत वाली फिल्म-2,2
13. 'जब लिया हाथ में हाथ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, गीताबाली की फिल्म-3
15. जयराज, निरूपा की 'ना किसी की आँख का नूर हूँ' गीत वाली फिल्म-2,2
16. फिल्म 'शिवा' में नागार्जुन के साथ नायिका कौन थी-3
19. 'लेके पहला पहला प्यार गीत वाली फिल्म-1,2,1
21. मिथुन, आदित्य, डिम्पल, मंदाकिनी की फिल्म-3
23. अनिल घवन, रश्मि वर्मा, सोनिका गिल की एक सस्पेंस फिल्म-2
25. 'पियू बोले जिया' गीत वाली फिल्म-4
26. बिस्वजीत, माला की 'अजी हो ताश के बावन पत्ते' गीत वाली फिल्म-3
29. 'चालबाज' में श्रीदेवी के एक किरदार का नाम अंजू था दूसरे किरदार का नाम ?-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2126

बा	बु	ल		आ	का	श		यु	द्ध
रि		गा	य	ब		र्मी		गां	
श	गु	न		रू	दा	ली		ध	र्म
	प्त		फू		ग		डो	र	
गु		दि	ल	से		मि	ली		भा
म	शा	ल		ह	म			जं	ग
रा		ज	य	रा	ज		माँ		म
ह	म	ला			बू	म		र	भा
	ह		स	फ	र		दे		ग
य	ल	गा	र			बे	व	फा	

प्याज एवं लहसुन फसल में कीटों से सुरक्षा

आस्था शर्मा, पिंकी शर्मा, डॉ. दीपक गुप्ता
श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविधालय, जोबनेर-जयपुर (राज.)

प्याज एवं लहसुन भारत में उगाई जाने वाली महत्वपूर्ण फसलें है। इनकों सलाद के रूप में, सब्जी में, आचार या चटनी बनाते समय प्रयोग में लाते हैं। प्याज एवं लहसुन की खेती रबी मौसम में की जाती है लेकिन इनको खरीफ(वर्षा ऋतु) में भी उगाया जाता है। प्याज एवं लहसुन की फसल में विभिन प्रकार के रोग एवं कीट लगते हैं जिससे उत्पादन प्रभावित होता है। अच्छी गुणवत्ता वाली उच्च विपणन योग्य कन्द उपज पाने के लिए उचित तरीकों से कीट और रोग प्रबंधन करना बहुत आवष्यर्क है। इसके अलावा, निम्नलिखित बातें ध्यान में रखनी चाहिए।

1 कीटनाशक का छिड़काव रोपाई से 30 दिनों बाद या जैसे ही कीट रोग प्रकट हो, आरंभ कर देना चाहिए।

2 कीट की तीव्रता के आधार पर 10-15 दिनों के अंतराल पर छिड़काव किया जाना चाहिए।

3 हमेशा छिड़काव करते समय चिपकने वाले पदार्थ (स्टीकर) ड़ाले।

4 एक ही वर्ग के कीटनाशकों का बार बार इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

प्याज व लहसुन के प्रमुख कीट

चूसक कीट (थ्रिप्स टेबेसाई)

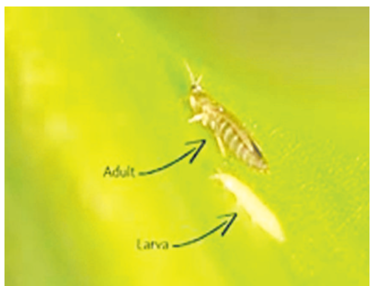

ये प्याज का प्रमुख रुप से हानि पहुंचाने वाला कीट है। इनका आक्रमण तापमान में वृद्धि के साथ तीव्रता से बढ़ता है और मार्च में अधिक स्पष्ट दिखाई देता है। इनका रंग हल्का पीले से भूरे रंग का तथा छोटे-छोटे गहरे चकत्ते युक्त होता है। इस कीट के निम्फएवं प्रौढ़ दोनों ही अवस्थायें मुलायम पत्तियों का रस चूस कर उन्हें क्षति पहुँचाती है। इस कीट से प्रभावित पत्तियों में जगह जगह पर सफेद धब्बे दिखाई देते हैं। अधिक प्रकोप होने पर पत्तियां सिकुड़ जाती है और पौधों की बढ़वार रुक जाती है तथा प्रभावित पौधों के कंद छोटे रह जाते हैं जिससे उपज मे कमी हो जाती है।

रोकथाम:

1. सर्वप्रथम रोपाई के पूर्व पौधों की जड़ों को दो घंटे तक कार्बोसल्फान एक मिली प्रति लीटर पानी के घोल से उपचारित करना चाहिए।
2. इन कीटों का संक्रमण दिखाई देने पर नीम द्वारा निर्मित कीटनाशी (जैसे ईकोनीम, निरिन या ग्रेनीम) 3-5 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से आवश्यकतानुसार घोल तैयार कर शाम के समय फसल पर 10-12 दिनों के अंतराल पर 2-3 छिड़काव करें
3. डाईमेथोऐट 30 ई.सी. 650 मि.ली. प्रति 600 ली. पानी के साथ या मेटासिस्टॉक्स 25 ई.सी. 1 ली. प्रति 600 ली. पानी के साथ या इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस.एल. 30 ई. सी. 5 मि.ली. प्रति 15 ली. पानी के साथ छिड़काव करें। कीटनाशक के सही प्रभाव हेतु चिपकने वाले पदार्थ (स्टिकर) जैसे सेन्डोविट या टीपॉल (2.5 ग्राम प्रति लिटर) का प्रयोग करना चाहिए।

प्याज की मक्खी: मैगट (हाईलिमिया ऐंटीकुआ)

यह मक्खी प्याज की फसल का प्रमुख हानिकारक कीट है जो अपने मैगट पौधों के भूमि के पास वाले भाग, आधारीय तने में दिए जाते हैं। मैगटों की संख्या 2-4 तक हो सकती है। इनसे भूमि के पास वाले तने का भाग सड़कर नष्ट हो जाने से पूरा पौधा सूख जाता है। कभी-कभी इस कीट द्वारा फसल को भारी मात्रा मे क्षति होती है

रोकथाम:

1. फसल की रोपाई पूर्व, खेत की तैयारी करते समय नीम की खली/खाद 3-4 क्विं. प्रति एकड़ की दर से जुताई कर भूमि मे मिलाएं।
2. खेत की तैयारी करते समय कीटनाशी क्लोरोपाइरिफॉस 5 प्रतिशत की दर से जुताई करते समय भूमि मे मिलाएं तत्पश्चात फसल की रोपाई करें।
3. खड़ी फसल मे इस कीट (मैगट) का संक्रमण दिखाई देने पर कीटनाशी क्यूनालफॉस 2 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से आवश्यकतानुसार मात्रा में घोल तैयार कर शाम के समय 2-3 छिड़काव करें।

कटवा

इस कीट की सूंडियाँ या इल्ली जो कि 30-35 मिली मीटर लंबी एवं राख के रंग की होती है, पौधों की जमीन के अंदर वाले भाग को कुतर कर नुकसान पहुंचाती हैं। इससे पौधे पीले पड़ने लगते हैं एवं आसानी से उखड़ जाते हैं।

रोकथाम:

1. फसल चक्र अपनाना चाहिए।
2. आलू के बाद प्याज की फसल नहीं लगाना चाहिए।
3. रोपाई के पूर्व थीमेट 10 जी 4 कि.ग्रा. एकड़ की दर से खेत में मिलाना चाहिए।

शीर्ष छेदक (हेलिओथिस आर्मिजेरा)

इस कीट का लार्वा पत्तियों को काटकर फसल को हानि पहुँचाता है। यह कीट प्याज की बीज वाली फसल में ज्यादा क्षति पहुँचाता है।

रोकथाम:

इनके नियंत्रण हेतु मिथाइल डेमेटोन या साइपरमेथ्रिन 0.5-1.0 मि.ली. दवा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। घोल में 0.1 प्रतिषत ट्राइट्रोन या सैन्डोविट नामक चिपचिपा पदार्थ अवश्य मिलायें।

जैविक पशुपालन, स्वास्थ्यवर्धक एवं ज्यादा मुनाफे की तकनीक

जैविक पशुपालन से तात्पर्य है कि पशुओ को खिलाये जाने वाला चारा व दाना पुर्ण रूप से जैविक हो तथा पशुओ से प्राप्त उत्पाद संश्लेषित रासायनिक पदार्थ व खादों से पूर्णतरू मुक्त होना चाहिए द्य

जैविक पशुपालन के फायदे, मनुष्य व अन्य प्राणियों को जैविक उत्पादों का उपयोग कर घातक बिमारियों से बचाया जा सकता हैद्य स्थायी कृषि व पशुपालन को बढावा मिलता है द्य यह स्वास्थ्यवर्धक है द्य कम लागत से अधिक मात्रा व गुणवता वाले उत्पाद प्राप्त होना द्य मृदा का स्थायी स्वास्थ्यवर्धन करता है द्य जैविक खाद्य पदार्थो का बाजार मूल्यए सामान्य खाद्य पदार्थो से कई गुना अधिक है जिससे पशुपालक को ज्यादा मुनाफा मिलेगा।

जैविक पशुपालन के लिये क्या करे रू. जैविक पशुधन फार्म का प्रमाणीकरण अधिकृत जैविक प्रमाणीकृत एजेंसी से ही करवाए द्य पशुओ को पूर्णतरू जैविक चारा व दाना खिलाये तथा चारा उत्पादन के लिये प्रमाणित जैविक बीजो का उपयोग करे द्य जैविक पशुधन फार्म मेंए अन्य पशुओ को नही आने दे द्य कीटोव पीडको का नियंत्रण जैविक विधि से करे द्य पशुओ को प्राकृतिक चरागाहो में ही चराये द्य इन पशुओ से प्राप्त उत्पादों को अन्य पशुओ से प्राप्त उत्पादों से अलग रखे तथा इनमे किसी भी प्रकार का रासायनिक संरक्षक व फीड एड़ीटिव नही मिलाये द्यउत्पादों की पैकेजिंग जैविक तरीके से करेए उत्पादों को प्रमाणीकृत एजेंसी से प्रमाणित करवाकर जैविक उत्पाद होने का मार्का लगाकर ही बेचे जिससे ज्यादा लाभ मिल सके द्य बीमार पशुओ के लिये जहा तक संभव हो होम्योपेथिक व आयुर्वेदिक दवाओ का उपयोग करे।

जैविक पशुपालन के लिये क्या नहीं करेरू. मृदा में संश्लेषित रासायनिक पदार्थो जेसे. कीटनाशी व पीडकनाशी आदि तथा रासायनिक खादों का उपयोग नहीं करे द्य पशुओ में जहा तक संभव हो एलोपेथिक दवाओ का उपयोग नही करे द्य जेनेटिकली मॉडिफाइड वैक्सीन व चारा उत्पादन के लिये जेनेटिकली मॉडिफाइड बीजो का उपयोग नही करे।

डॉ.नरेंद्र चौधरी, डॉ. शशि चौधरी
पशु विज्ञान केंद्र राजुवास बीकानेर

मुर्गियों के पेट में पानी भरने की बीमारी का ईलाज

मृत्युदर- 2-25 तेज बढ़ने वाले ब्रायलर नस्ल को अच्छा सन्तुलित आहार चाहिए और आज के परिवेश में सबसे अच्छा सन्तुलित आहार पिलेट फीड है परन्तु जब भी कोई किसान पिलेट फीड पहली बार शुरू करता हैं, तो तेज वजन बढ़ने के साथ-साथ उसे पेट में पानी भरने का भी सामना करना पड़ता है। यहां एक बार और साफ कर दें- लाट में तेज बढ़ने वाले ब्रायलर एसाईटिस से ज्यादा ग्रस्त होते है, विशेष रूप मे नर ब्रायलर, परन्तु जिनकी मृत्यु होती है, वह औरों के मुकाबले छोटे होते हैं। इसका तात्पर्य साफ है, कि यह तेज बढ़ने वाले ही थे, परन्तु पहले किसी समय इनके फेफड़े दिल एवं लीवर पर बुरा प्रभाव पड़ा, जिसके कारण इनके बढ़ने की रफतार धीमी पड़ गई और मरते समय औरों के मुकाबले छोटे रहे।

पेलट मिमक फीड और फीडिंग का मैनेजमेन्ट किस प्रकार करें कि एमाईटिस की समस्या से बचाएं रखा जाए।

लाभ की बात है पिलेट कम समय में अधिक खाया जाता हैं, इसलिए ब्रायलर तेज गति से बढ़कर कम समय में तैयार हो जाता हैं और एफ.सी.आर. भी कम आता है, परन्तु इसके लिए शरीर में मेटाबालिक क्रिया भी तेज हो जाती है। इस क्रिया की गति बनाए रखने के लिए ऑक्सीजन हवा एवं पानी की आवश्यकता भी बढ़ जाती हैं। यदि यह आवश्यकता पूरी न हुई तो मोटाबालिक गति बहुत तेज होने के कारण ब्रायलर कोशिश करता है कि अधिक से अधिक रक्त फेफड़ों के जरियें पम्प किया जाए, जिससे दिल के राईट वैन्ट्रीकल पर बहुत अधिक दबाव पड़ता हैं, जो वास्तव में बहुत छोटा होता हैं, परन्तु दबाव के कारण इसका आकार दोगुना हो जाता हैं और कमजोर होकर उल्टा प्रैशर डालता हैं, जिसके कारण लीवर से प्लाजमा रिसाव लीक कर पेट में एकत्रित होता है, जो सफेद या पीला तरल होता हैं और पेट फूलना शुरू हो जाता हैं, जिसे एसाईटिस या वाटर बेली के नाम से जाना जाता हैं। अब

यहां जो बहुत ही महत्वपूर्ण बाते सामने आई है वह है हवा और पानी।

हवा और पानी की बिल्कुल मुफ्त है, उस पर हम कितना ध्यान देते हैं? बढ़िया वजन कम से कम फीड पर बिना किसी बीमारी के हवा एवं पानी का योगदान किसी भी हालात में बढ़िया से बढ़िया फीड से कम नही। बढ़िया फीड अकेले वह फल नही दे सकती, जिसकी हमें अपेक्षा हैं।

पानी- पिलेट फीड के कारण पानी की आवश्यकता ज्यादा है, अतः पानी हमें हर समय उपलब्ध हो एवं पानी के बर्तन बढ़कर लगायें जायें।

- पानी स्वच्छ फफूंद एवं कीटाणु रहित हो साथ ही पानी में क्लोराईड और सोडियम की मात्रा अधिक न हो-ठण्डा रहे।
- पानी का तापमान जाड़े में कमरे के तापमान से कम न हो और गर्मी में 220 सैंटीग्रेड से अधिक न हो-ठण्डा रहें।

हवा- हवा से ही पक्षी को आक्सीजन प्राप्त होती हैं एवं इसकी कमी आमतौर से पहले दिन से ही शेड में होती है, विशेष रूप से जाड़े में।

- तापमान बनाये रखने के लिए हम शेड को चारों और से पोलिथीन से कवर कर देते हैं। हवा अन्दर जाये तो किधर से जायें। अन्दर बुखारी जलती है, उसे भी जलने के लिए आक्सीजन चाहिए। जो गलती से थोड़ी खींच लेती हैं।

जैविक खेती- एक बेहतर खेती का विकल्प

डॉ. प्रवीण कुमार जागा मृदा वैज्ञानिक/ सहा, प्राध्यापक कृषि महाविद्यालय, गंजबासौदा

किसानों को अपनी खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने के लिए जैविक खादों के प्रयोग से अभियान को आगे बढ़ाने की शुरूआत करना चाहिए। इसके लिए हमारे किसानों को सबसे पहले अपने घर, आंगन, गली एवं खेत में उपस्थित कचरे को एक जगह इक्ट्ठा करें। इनमे से कांच, पत्थर और प्लास्टिक को निकालकर अलग कर ले। आमतौर पर गांव के कचरे में सूखे पत्ते डंठल टहनियां मिट्टी आदि शामिल होती हैं। यह कचरा नाडेप कंपोस्ट बनाने की प्राथमिक सामग्री हैं। इसमें अनुपात अनुसार गोबर मिट्टी और पानी डालकर नाडेप कंपोस्ट बना सकते हैं। मात्र एक गाय के वार्षिक गोबर से 80 से 100 टन अर्थात लगभग 150 बैलगाड़ी खाद प्राप्त किया जा सकता हैं। महाराष्ट्र के यवतमाल जिले के कृषक श्री नारायण पांडरी पांडे यानि नाडेप काका ने इस विधि को खोजा था। इसलिए इसे नाडेप कंपोस्ट नाम दिया गया हे। इस विध से तैयार खाद में नत्रजन 0.05 से 1.5 प्रतिशत स्फुर 0.5 से 0.9 प्रतिशत तथा पोटाश 1.2 से 1.4 प्रतिशत पाया जाता हैं। नाडेप की प्राकृतिक पद्धति पूर्णत्या अप्रदूषणकारी एंव जैविक है। इसमें गांव के कूड़े-कचरे का कल्याणकारी उपयोग होगा, साथ ही गांव स्वच्छ हर कर स्वास्थ्यवर्धक होगा तथा पोषक अन्न प्राप्त होगा। इससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति भी बढेगी और रासायनिक खाद व कीटनाशक दवाओं पर निर्भरता भी कम होकर उनके दुष्परिणामों से भी बचा जा सकेगा। इस तरह से आप प्राकृतिक खाद का निर्माण कर सकते हैं और अपनी खेती को लाभ का धंधा भी बना सकते हैं।

नाडेप टांका बनाने की विधि- योग्य पाया भरकर जमीन के ऊपर ईंट का एक आयताकार टांका बनाया जाता हैं। जिसकी दीवारे 9 इंच चौड़ी होती हैं। टांके के अन्दर का माप लंबाई 12 फीट, चौड़ाई 5 फीट और ऊंचाई 3 फीट होती हैं। ईंटों की जुड़ाई मिट्टी से की जा सकती हैं। सिर्फ आखिरी रद्दा सीमेंट से जोड़िये ताकि टांका गिरने का डर नही रहेगा। टांके का फर्श ईंट पत्थर के टुकड़े डाल कर सीमेंट से पक्का करे। यह टांका हवादार होना आवश्यक है, क्योंकि खाद सामग्री को पकने के लिए कुछ मात्रा में हवा की आवश्यकता होती हैं। इसके लिए टांका बांधते समय चारों दीवारों में छेद रखें जाते हैं। ईंटों के हर दो रद्दों की जुड़ाई के बाद तीसरे रद्दे की जुड़ाई करे। इस प्रकार चारों दीवारों में छेद बनेगे। छेद इस प्रकार रखिए कि पहली लाईन के दो छेदों के मध्य में तीसरी लाईन के छेद आयें। इस प्रकार से तीसरे छटे एवं नौवें रद्दे में छेद बनेगें। छेदों की संख्या बढ़ाने से खाद जल्दी पक जाती हैं। इस टांके को अंदर बाहर दीवारों और फर्श को गोबर मिट्टी से लीप दें। टांका सूखने के बाद ही प्रयोग करें। बरसात व अत्यधिक गर्मी में नाडेप टांके के ऊपर अस्थाई छाया हैं।

नाडेप बनाने हेतु सामग्री

वानस्पति व्यर्थ पदार्थ- कुछ वनस्पति पदार्थ जैसे सूखे पत्ते छिलके डंठल टहनियां जड़े आदि जिसकी मात्रा 1400 से 1500 कि.ग्रा. या 400 घनफूट होना चाहिए, साथ ही इस बात का ध्यान रखना चाहिए, कि इसमें प्लास्टिक कांच एंव पत्थर नही होना चाहिए।

गोबर- पशुओं को गोबर जो 90 से 100 कि.ग्रा. या 8 से 10 टोकने गोबर का उपयोग करना चाहिए। गोबर को संयत्र से निकली स्लरी भी उपयोग में लाई जा सकती हैं।

सूखी छनी मिट्टी- खेत की या नाले आदि की मिट्टी के पहले उपयोग करना चाहिए। उपयोग के पहले इसमें से प्लास्टिक कांच एवं पत्थर आदि खाद न बनाने वाले पदार्थ निकाल लेना चाहिए। इसकी मात्रा करीब 2750 किलो या 120 टोकने गौमूत्र से सनी मिट्टी बहुत उपयोग होती हैं।

पानी- समयानुसार कम या ज्यादा पानी का उपयोग करना चाहिए, किंतु साधसरणतया सूखे वानस्पतिक पदार्थ के वजन बराबर 25 प्रतिशत वाष्पीकरण के लिए 1500 से 2000 लीटर प्रति कंपोस्ट खाद उपयोग में लाना चाहिए। जिसमें गौमूत्र एवं पशुओं का मूत्र भी मिट्टी में मिलाना चाहिए।

टांका भरने की पद्धति- सबसे पहले हमारे किसान उपरोक्त बताए अनुसार सामग्री की व्यवस्था लें। तत्पश्चात निम्नानुसार क्रम से टांका को भरे। जिस तरह अचार एक ही दिन या 24 घंटे में डाला जाता हैं। ठीक उसी तरह टांका एक दिन में भरकर सील कर देना चाहिए। अन्यथा खाद बनाने की क्रिया प्रभावित हो सकती हैं। भराई विधि निम्नानुसार क्रम से करें।

प्रथम उपचार- जिसके अंतर्गत प्रथम भराई का काम करने से पहले टांके के अंदर की दीवार को अच्छी तरह से पानी छिड़क कर गीला कर लेना चाहिए। अब बात करते है, दूसरी परत की जिसमें गोबर का घोल पहली परत इस प्रकार छिड़के कि पूरी वनस्पति अच्छी तरह भाग जाये। गर्मी के मौसम में पानी का अंश अधिक रखें। यदि आपने गोबर की स्लरी ली हो तो 2.5 गुना या 10 ली. पानी की मात्रा कम रखें। इसके बाद साफ छनी भीगी मिट्टी वनस्पति पर डाले। जिसकी मात्रा कम से कम 50 से 60 किलो या वनस्पति के वजन की 50 प्रतिशत काली मिट्टी समतल बिछा देना चाहिए और उस पर पानी छिड़क देना चाहिए। अब तीसरी परत के लिए साफ सूखी छनी मिट्टी भीगी हुई वनस्पति परत पर वनस्पति के वजन की 50 प्रतिशत यानि 50 से 60 किलो काली मिट्टी समतल बिछा दें। टांके को इस प्रकार तीन परतों को क्रम से टांके के मुंह के ऊपर 1.5 फीट ऊंचाई का झोपड़िनुमा आकार में भरते जाईए। साधारणत्या 11-12 तहों में टांका भर जायेगा। अब भरे टांका को सील कर दें। भरी सामग्री के ऊपर 3 इंच की मिट्टी की तह जमा दें और उसे गोबर के मिश्रण से व्यवस्थित रूप से लीप दें और यदि इस पर दरारे पड़े तो उन्हें लीप दें।

द्वितीय उपचार- इसे फिर से वनस्पति कचरे की उपरोक्त विधि से 6-6 इंच की परत से टांके से दो से ढ़ाई फीट ऊपर तक भर दें और टांके गोबर से लीपकर सील कर दें। सामग्री नम बनी रहे उसे सूखने न दे जरूरत के अनुसार इन्ही छेदों में पानी छीटते रहे। 70 से 90 दिन बाद, जब खाद पक गई हो और तापमान सामान्य हो जावे तब टांके में सब्बल से जगह-जगह 15 से 20 छेद करें। अब एक-एक किलो राईजोबियम एजेटोबेक्टर जीवाणु और पी.एस.एम. एक-एक बाल्टी पानी में अलग-अलग घोलकर अलग- अलग छेदों को फिर से बंद कर दें। उचित यह होगा कि जिस फसल में उत्पादित खाद का उपयोग किया जाना है, उसी फसल से संबंधित राईजोबियम कल्चर का उपयोग करें। खाद की गुणवत्ता बढेगी। नत्रजन स्फुर व पोटाश की मात्रा अधिक होगी और अधिक संख्या में जीवाणु भी होगें। 110-120 दिन बाद टांके से निकाले। खाद के ढेर को छांव में रखकर पत्ते से ढेक दें। इस पर पानी का हल्का छिड़काव करें। ऊपरी अधपका 10-15 प्रतिशत कचरा अलग कर उसे नया टांका भरते समय काम में लावे। एक टांके भरते समय काम में लावे। एक टांके से 2.5 से 2.7 टन खाद निकलती है, जो एक हैक्टेयर क्षेत्र के लिए पर्याप्त होगी।

दक्षता- नाडेप परिपक्क होने के लिए प्रथम भराई की तारीख से 90 से 120 दिन लगते है। इस पूरे समय में खाद में सार्द्रता बनी रहने के लिए और दरारे बंद करने के लिए गोबर पानी का छिड़काव करते रहना चाहिए। आवश्यक लगे तो छेदों में भी पानी छिड़क कर इस पर दरारे न पड़ने दे। घास उगे तो उसे निकाल दें। नमी कायम रखे यदि कड़ी धूप हो तो उस पर घास फूस की चटाई से छायां कर दें या अस्थाई छप्पर बना दें, जिससे धूप एवं वर्षा से सरंक्षण मिल सके।

खाद की परिपक्वता- तीन चार महीने में खाद गहरे भूरे रंग की बन जाती हैं और सब दुर्गन्ध समाप्त होकर एक अच्छी खुशबु आती हैं। खाद सूखना नही चाहिए। इसमें 15 से 20 प्रतिशत नमी रहना ही चाहिए। इस खाद को एक फीट से 35 तार वाली छलनी से आड़ी रखकर छान लेना चाहिए। छना हुआ नाडेप कंपोस्ट खाद उपयोग में लाना चाहिए और छलनी के ऊपर का अर्द्धपक्व कच्चा माल फिर से खाद बनाते समय वनस्पति पदार्थ के साथ उपयोग में लाना चाहिए। छना खाद प्रति एकड़ 20 से 25 घन फीट बोकर दिया जा सकता हैं।

खाद के उपयोग की पद्धति- यदि आपके पास प्रति एकड़ वर्ष 3 से 5 टन खाद बोनी के 15 दिवस पूर्व खेत में फैला कर बखर चला देना चाहिए। यदि पहले ही वर्ष रासायनिक खाद नही देना हो तो नाडेप कंपोस्ट की मात्रा की तीन गुनी यानी कम से कम 10 से 15 टन नत्रजन 50 से 70 टन स्फुर और 130 किलो पोटाश और 9700 किलो सूक्ष्म अन्नद्रयुक्त पोषण मिल सकता है, क्योंकि कोई खाद पहले वर्ष में 33 प्रतिशत दूसरे वर्ष में 45 प्रतिशत और शेष 22 प्रतिशत तीसरे, चौथे वर्ष में पूरा उपलब्ध नही हो सकता हैं।

अमृत पानी- देशी गाय के 10 किलो ग्राम ताजे गोबर की देशी गाय के दूध से बना नोनीया घी 250 ग्राम अच्छी तरह फेटे, इसके बाद इसमें 500 ग्राम शहद मिलाकर फेटे। इस मिश्रण में से करीब आधा किलो मिश्रण लेकर बड़ के पेड़ के नीचे की आधा कि.ग्रा. मिट्टी अच्छी तरह मिला दें। अब इसकी एक कि.ग्रा मिश्रण को पतला कर बोनी करे। बोवनी के बाद अमृत पानी का छिड़काव करें।

विधि- अमृत पानी को या तो बोवनी के पूर्व की सिंचाई के साथ या बोवनी के बाद की प्रथम सिंचाई के साथ करें।

अमृत संजीवनी- मोबिल आईल की खाली 200 लीटर वाली ढक्कन कोठी लेवे। जिसमें दो रिंग से तीन समान भाग होते हैं। इस ड्रम में देशी गाय बैल बछियां का ताजा 60 किलो गोबर डाले। जिसमें दो रिंग तक अर्थात 2/3 भाग पर जावेगा। इस गोबर पर तीन कि.ग्रा यूरिया, तीन कि.ग्रा. सिंगल सुपर फास्फेट तथा एक किलो ग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश कुल 7 कि.ग्रा. रासायनिक उर्वरक तथा दो किलो मूंगफली की खली डाले। अब इस टंकी में पानी भर दें। मात्र ऊपर के किनारे से तीन इंच खाली रखें। संपूर्ण मिश्रण को लकड़ी से अच्छी तरह चला दें और ढक्कन बंद करके 48 घंटे यानि दो दिन रखे। तत्पश्चात फसल में दें।

उपयोग विधि- प्रति कतार एक लीटर अमृत संजीवनी का मिश्रण देना चाहिए। मिश्रण को हाथ से मिलाकर महीन कर लेना चाहिए। पहले छिड़काव के 7 दिन बाद बदलाव दिखने लगेगा।

मटका खाद- 15 कि.ग्रा. ताजा गोबर, देशी गाय का 15 लीटर ताजा गोमूत्र तथा 15 लीटर पानी मिट्टी के घड़े में घोल लेवे। इसमें 250 ग्राम गुड़ भी मिला देवे। इस घोल को मिट्टी के बर्तन में ऊपर से कपड़ा या टाट मिट्टी से पैक कर देवें। 4-5 दिन बाद इस घोल में 200 लीटर पानी मिलाकर एक एकड़ खेत में समान रूप से छिड़क देवें। यह छिड़काव बोनी के 15 दिन बाद करें। पुनः सात दिन बाद दोहरावें। सामान्यतया फसल में 3-4 बार और लंबी अवधि की फसल जैसे गन्ना, केला, हल्दी में 8 बार छिड़के।

बायों गैस स्लरी- बायो गैस संयत्र में गोबर की पाचन क्रिया के बाद 25 प्रतिशत ठोस पदार्थ का रूपान्तर गैस के रूप में होता हैं और 75 प्रतिशत ठोस पदार्थ का रूपांतर खाद के रूप में होता है। 2 घन मीटर के गैस सयंत्र में जिसमें करीब 50 कि.ग्रा. गोबर राज या 18.25 टन गोबर एक वर्ष में डाला जाता हैं। उस गोबर से 80 प्रतिशत नमी युक्त करीब 10 टन बायों गैस स्लरी का खाद प्राप्त होता हैं। यह खेती के लिए अति उत्तम खाद है। इसमें 1.5-2.0 प्रतिशत नत्रजन स्फुर 1.0 प्रतिशत तक होता हैं। इसके अलावा सूक्ष्म पोषक तत्व एवं ह्यूमस भी पाया जाता हैं।

उपयोग विधि- यह खाद असिंचित खेती में करीब 5 टन व सिंचित खेती हेतु 10 टन प्रति हैक्टेयर के मान में डाला जाता हैं।

जीवाणु खाद- रासायनिक खेती के दीर्घकालीन परिणामों को देखते हुए कृषकों को वापिस जैविक खेती की ओर लौटना होगा। अगर देश को खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बनाना है तो जैविक खेती में यू तो कई घटक है, लेकिन केंचुआ और उसके उत्पादों को प्रथम श्रेणी में रखा गया हैं। इसलिए टिकाऊ खेती के लिए खेती में केंचुओं की संख्या बढ़ाने के प्रयास करने की आवश्यकता हैं। केंचुआ न केवल खाद, मल आदि देता है, बल्कि यह आय का अच्छा स्त्रोत बन सकता हैं।

निर्माण एंव उपयोग विधि- केंचुआ खाद के उत्पादन की विधि एवं सरंचना पर वर्मी कंपोस्ट बनाने के लिए छायादार स्थान और मुख्य सामग्री के रूप में घास पत्तियां गोबर सब्जियों के छिलके आदि अपघटनशील पदार्थो का चुनाव करते है। फिर भी केंचुओं के अधिक एवं अच्छे उत्पादन के लिए कई विधियां अपनाई जाती हैं। पहली विधि है- टांका विधि

टांका विधि- जिसके अंतर्गत जमीन के ऊपर इंटों को टांका बनाया जाता हैं। टांके के तल में 1 इंच मोटी तब बिछाकर नम कर लें एवं कार्बनिक पदार्थ की 3 से 4 इंच की तह बिछाकर 2 से 3 इंच पकी गोबर की खाद डाले। तत्पश्चात 2000 केंचुए या 100 से 150 केंचुए/ वर्ग फुट के हिसाब से फैला दें एवं घास फूस से ढक दें तथा प्रतिदिन के हिसाब से पानी देते रहे। जबकि दूसरी विधि है-गड्ढा विधि।

गड्ढा विधि- इस विधि के अंतर्गत जमीन पर गड्ढा खोदकर इसके तल को पक्का करके पहली विधि के अनुसार ही मिट्टी, सामग्री तथा केंचुए डालकर टाट से ढक दें और पानी देते रहें।

शेयर बाजार उछाल के साथ बंद

मुंबई ।
मुम्बई शेयर बाजार शुक्रवार को उछाल के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनियाभर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही दिग्गज आईटी कंपनी इन्फोसिस और बैंक शेयरों में हुई जबरदस्त खरीददारी से बाजार ऊपर आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 632.13 अंक करीब 1.17 फीसदी बढ़कर 54,884.66 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 182.30 अंक तकरीबन 1.13 फीसदी बढ़कर 16,352.45 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में टेक महिंद्रा, इंडसइंड बैंक, विप्रो, बजाज फाइनेंस, इंफोसिस, बजाज फिनसर्व, लार्सन एंड टूब्रो और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर मुख्य रुप से बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं, दूसरी ओर एनटीपीसी, भारती एयरटेल, पावर ग्रिड, टाटा स्टील, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एशियन पेंट्स और नेस्ले के शेयर नीचे आये हैं। कारोबार के दौरान टाटा स्टील , जेएसडब्लयू स्टील , अपोलो हॉस्पीटल, एसबीआइ और एचडीएफसी के शेयरों को सबसे ज्यादालाभ हुआ और ये हरे निशान पर रहे जबकि आईटीसी, यूपीएल, डिविस लैब, सन फार्मा और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ ओर ये लाल निशान पर रहे। आज सुबह बाजार की तेजी के साथ शुरुआत हुई ओर ये सिलसिला दिन भर जारी रहा। वहीं एशिया के अन्य बाजारों में चीन का शंघाई कंपोजिट समेत दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, हांगकांग का हैंगसेंग और जापान का निक्की सकरात्मक रुख के साथ बंद हुआ। वहीं यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर कारोबार में तेजी का रुख था।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को रुपया मजबूत हुआ है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डॉलर के नीचे आने से विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया दो पैसे की हल्की बढ़त के साथ 77.59 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 77.60 पर खुला और दिन के कारोबार के दौरान यह 77.57 से लेकर 77.67 के बीच रहा। अंत में रुपया अपने पिछले बंद भाव के मुकाबले दो पैसे की तेजी के साथ 77.59 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इससे पहले गत दिवस रुपया 77.61 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इसी बीच, छह प्रमुख मुद्राओं की तुलना में अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 फीसदी घटकर 101.78 पहुंच गया।

चौथी तिमाही में एनएमडीसी को झटका, शुद्ध लाभ 36 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली । सरकारी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी एनएमडीसी को झटका लगा है। कंपनी के एकीकृत शुद्ध लाभ मार्च, 2022 को समाप्त तिमाही में 36 प्रतिशत घटकर 1,812.98 करोड़ रुपये रहा। एनएमडीसी ने गुरुवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि इससे पूर्व वित्त वर्ष 2020-21 की इसी तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 2,835.54 करोड़ रुपये था। बीते वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही में कंपनी की कुल आय मामूली रूप से घटकर 7,034.83 करोड़ रुपये रही जो इससे पूर्व वित्त वर्ष में 6,932.75 करोड़ रुपये थी।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद पटेल बोले- पौध आधारित खाद्य उद्योग को प्रोत्साहन के लिए अनुपालन बोझ को कम करना होगा

नई दिल्ली । केंद्र सरकार में केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्यमंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने कहा कि पौध आधारित खाद्य उद्योग के विकास को गति देने के लिए नियमों की अनुपालन आवश्यकताओं को कम करने के साथ-साथ ब्रांडिंग और प्रोत्साहन दिये जाने पर ध्यान देने की जरूरत है। यह उद्योग अभी अपनी शुरुआती अवस्था में है। मंत्री ने प्लांट बेस्ड फूड्स इंडस्ट्री एसोसिएशन (पीबीएफआईए) और गुड फूड इंस्टिट्यूट इंडिया (जीएफआई इंडिया) द्वारा आयोजित पहले पौध आधारित खाद्य सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए यह बात कही। पीबीएफआईए द्वारा जारी बयान के अनुसार, पटेल ने कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से पौधों पर आधारित खाद्य पदार्थों का समर्थन करते हैं। हालांकि, मंत्री ने यह भी कहा कि जब भोजन की बात आती है तो हर कोई अपनी पसंद चुनने के लिए स्वतंत्र होता है। पटेल ने इस उद्योग को कम अनुपालन आवश्यकताओं के साथ-साथ अनुसंधान और नवाचार के माध्यम से विकसित करने की जरूरत पर बल दिया। कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपिडा) के सचिव सुधांशु ने कहा, 'हम सभी जानते हैं कि पादप खाद्य कारोबार उल्लेखनीय वृद्धि की राह पर है। हाल के बरसों में अंतरराष्ट्रीय स्तर के साथ भारत में यह उद्योग आगे बढ़ रहा है।' पीबीएफआईए के कार्यकारी निदेशक संजय सेठी ने कहा, 'हर कोई भारत में हमारे पौध-आधारित खाद्य व्यवसाय में निवेश करना चाहता है क्योंकि वे देखते हैं कि यह राष्ट्रीय और विश्वव्यापी बाजारों में कितना महत्वपूर्ण होता जा रहा है और मूल्य में कितनी तेजी से आगे बढ़ रहा है।' इस सम्मेलन में 30 से अधिक स्टार्टअप ने अपने उत्पादों को प्रदर्शित किया।

महिंद्रा की कारों पर वेटिंग पीरियड काफी ज्यादा

-एक्सयूवी700 एसयूवी का वेटिंग पीरियड साल-डेढ़ साल तक

नई दिल्ली। वर्तमान में महिंद्रा की कारों पर वेटिंग पीरियड काफी ज्यादा है और हद तो एक्सयूवी700 एसयूवी को लेकर है, क्योंकि इस एसयूवी के लिए वेटिंग पीरियड साल-डेढ़ साल तक है। जिन लोगों ने महिंद्रा एक्सयूवी700, थार या अन्य कारें बुक करा ली हैं, वे अपनी कार की डिलीवरी के लिए महीनों इंतजार करते हैं और ऐसे में वह अक्सर आनंद महिंद्रा से सोशल मीडिया पर सवाल पूछते हैं। आनंद महिंद्रा ने बीते दिनों साफ किया कि ग्लोबल सप्लाई चेन में दिक्कतों की वजह से कारों के उत्पादन पर असर पड़ा है और तय समय पर डिलीवरी न करने का यह सबसे बड़ा कारण है। दरअसल, बीते लंबे समय से भारत समेत दुनियाभर में सेमीकंडक्टर और चिप शॉर्टेज की वजह से कारों का प्रोडक्शन प्रभावित हुआ है। आनंद महिंद्रा से थॉमस कप विनर चिराग शेट्टी ने रिक्वेस्ट किया था कि कुछ समय पहले उन्होंने एक्सयूवी700 बुक कराई थी और उम्मीद करता हूं कि मुझे मेरी कार जल्द मिल जाएगी। इसपर आनंद ने उन्हें आश्वस्त किया था कि वह पूरी कोशिश करेंगे। आपको बता दें कि भारत में 8 लाख से ज्यादा लोग अपनी कारों की डिलीवरी का इंतजार कर रहे हैं। इनमें से करीब 40 फीसदी सिर्फ मारुति सुजुकी की कारें हैं।

यूजर का टाटा लीक होने पर ट्विटर पर लगा 15 करोड़ डॉलर का जुर्माना

-सुरक्षा के लिए नए मानक तैयार करेगी कंपनी

न्यूयॉर्क ।
माइक्रो ब्लॉगिंग कंपनी ट्विटर को बड़ा झटका लगा है। यूजर का टाटा लीक होने पर कंपनी पर 15 करोड़ डॉलर का जुर्माना ठोका गया है। पिछले करीब छह साल की अवधि में यूजर के आंकड़े गोपनीय न रख सकने की वजह से ट्विटर को 15 करोड़ डॉलर का जुर्माना देना पड़ेगा। इसके साथ ही ट्विटर यूजर के आंकड़ों की सुरक्षा के लिए नए मानक भी तैयार करेगा। न्याय विभाग और संघीय व्यापार आयोग ने बुधवार को ट्विटर के साथ वाद निपटारे की घोषणा की। रेगुलेटर्स का आरोप है कि ट्विटर ने उपयोगकर्ताओं को धोखे में रखते हुए 2011 के एफटीसी आदेश का उल्लंघन किया कि वह उनकी गैर-सार्वजनिक संपर्क जानकारी की गोपनीयता को सुरक्षित रखता है। अमेरिकी सरकार ने आरोप लगाया कि मई 2013 से सितंबर 2019 तक, ट्विटर ने यूजर को बताया कि वह अकाउंट की सुरक्षा के लिए उनके फोन नंबर और ईमेल का पता इकट्ठा कर रहा था। लेकिन कंपनी यह खुलासा करने में विफल रही कि वह इस सूचना का उपयोग कंपनियों को प्लेटफॉर्म पर यूजर्स को टारगेटेड ऑनलाइन विज्ञापन भेजने में सक्षम बनाने के लिए भी करेगी। रेगुलेटर्स ने बुधवार को दायर एक संघीय मुकदमे में यह भी आरोप लगाया कि ट्विटर ने झूठा दावा किया कि उसने यूरोपीय संघ और स्विट्जरलैंड के साथ अमेरिकी गोपनीयता समझौतों का अनुपालन किया है अमेरिकी अटॉर्नी स्टेफनी हिंड्स ने कहा, 'सोशल मीडिया पर अपनी निजी जानकारी साझा करने वाले यूजरों को यह जानने का अधिकार है कि क्या उस जानकारी का उपयोग विज्ञापनदाताओं को ग्राहकों को लक्षित करने में मदद करने के लिए किया जा रहा है।' पिछले 20 साल में फेसबुक, ट्विटर, वॉट्सएप और इंस्टाग्राम जैसे टॉप-10 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर 19 अरब एक्टिव यूजर्स हो चुके हैं।

जून तक नहीं लगेगी जीएसटी रिटर्न पर लेट फीस, करोड़ों छोटे कारोबारियों को केंद्र ने दिया तोहफा

नई दिल्ली ।
केंद्र सरकार ने देश के करोड़ों छोटे कारोबारियों को बड़ा तोहफा दिया है। कंपोजीशन स्कीम के तहत रजिस्टर्ड कारोबारियों को पिछले वित्ते तवर्ष का सालाना रिटर्न दाखिल करने में देरी पर लेट फीस नहीं देनी होगी। इन कारोबारियों को दो महीने की लीट फीस भरने से छूट दी गई है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने एक नोटिफिकेशन जारी कर बताया कि वित्तवर्ष 2021-22 का अंतिम सालाना रिटर्न जीएसटीआर-4 दाखिल करने में देरी करने पर मई और जून का विलंब शुल्क नहीं लिया जाएगा। सीबीआईसी के अनुसार, कंपोजीशन स्कीम के तहत रजिस्टर्ड छोटे कारोबारी 1 मई से 30 जून तक कोई लीट फीस नहीं देंगे। जीएसटीआर-4 सिर्फ कंपोजीशन स्कीम में शामिल छोटे कारोबारी ही दाखिल करते हैं।

जीएसटी कानून के तहत रिटर्न फॉर्म जीएसटीआर-4 भरने में देरी करने पर कारोबारियों को 50 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से लेट फीस देनी होती है। जिन मामलों में कारोबारी पर टैक्स की देनदारी शून्य होती है, वहां अधिकतम 500 रुपये की लेट फीस दी जाती है। अन्य सभी मामलों में अधिकतम लेटी फीस 2,000 रुपये होती है। फिलहाल नया आदेश आने के बाद मई और जून के लिए इस लेट फीस से छूट रहेगी। जीएसटी कंपोजीशन स्कीम उन कारोबारियों के लिए होती है, जिनका सालाना टर्नओवर 1.5 करोड़ रुपये से कम रहता है। पूर्वोत्तर के राज्यों के लिए टर्नओवर की यह सीमा 75 लाख रुपये होती है। इस योजना के तहत कारोबारियों को महज 1 फीसदी जीएसटी भरना पड़ता है। हालांकि, रेस्तरां मालिकों के लिए यह सीमा 5 फीसदी है, जबकि अन्य सेवा प्रदाताओं को कंपोजीशन स्कीम में भी 6 फीसदी जीएसटी भरना पड़ता है।

जीएसटी कंपोजीशन स्कीम अपनाने के लिए सामान्य कारोबारियों को जहां 1.5 करोड़ की लिमिट दी गई है, वहीं पूर्वोत्तर और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों के कारोबारियों के लिए यह लिमिट 75 लाख रुपये है। हालांकि, सेवा क्षेत्र से जुड़े कारोबारियों को महज 50 लाख की लिमिट दी गई है। अगर कोई कारोबारी सामान्य बिजनेस के साथ सेवा से जुड़ा कारोबार भी करता है, तो उसे सेवा क्षेत्र से मिली कुल राशि का 10 फीसदी अपने अन्य कारोबार में शामिल कर कंपोजीशन स्कीम का लाभ उठाने की छूट मिलेगी। एएमआरजी एंड एसोसिएट्स के सीनियर पार्टनर रजत मोहन का कहना है कि सरकार की ओर से जीएसटीआर-4 दाखिल करने में होने वाली देरी पर लेट फीस खत्म किया जाना स्वागत योग्य कदम है। इससे छोटे कारोबारियों को बड़ी सहूलियत होगी और वे जीएसटी कंप्लायंस से जुड़े नियमों को मानने के लिए प्रोत्साहित भी होंगे।

एक्सिस बैंक ने सेविंग अकाउंट में मिनिमम बैलेंस सहित सर्विस चार्ज में बढ़ोतरी की

मुंबई ।

निजी क्षेत्र के तीसरे सबसे बड़े बैंक एक्सिस बैंक ने अपने ग्राहकों को तगड़ा झटका दे दिया है। एक्सिस बैंक ने बचत खाते में न सिर्फ न्यूनतम बैलेंस की सीमा में बढ़ोतरी कर दी है, बल्कि न्यूनतम बैलेंस नहीं रहने पर लगने वाले मासिक सर्विस चार्ज को भी बढ़ा दिया है। यह बढ़ोतरी 1 जून, 2022 से प्रभावी होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, सेविंग अकाउंट में न्यूनतम बैलेंस रखने की सीमा में बढ़ोतरी अर्द्ध शहरी और ग्रामीण इलाकों के ग्राहकों के लिए की गई है। इन इलाकों के ग्राहकों को अब एक्सिस बैंक के सभी तरह के सेविंग अकाउंट में 15,000 रुपये की जगह न्यूनतम 25,000 रुपये रखना होगा, या फिर 1 लाख रुपये का टर्म डिपॉजिट रखना होगा। मेट्रो और अन्य बड़े शहरों में सेविंग अकाउंट में न्यूनतम बैलेंस रखने की यह सीमा पहले से है। अकाउंट में न्यूनतम बैलेंस नहीं रहने पर लगने वाले सर्विस चार्ज में भी बैंक की ओर से वृद्धि की गई है। मेट्रो और शहरी इलाकों में अब अकाउंट मेंटेनेंस की मंथली सर्विस फीस 600 रुपये होगी। जबकि अर्द्ध शहरी इलाके के लिए यह फीस 300 रुपये और ग्रामीण इलाके के लिए 250 रुपये कर दी गई है। इसका मतलब यह हुआ कि अगर एक्सिस बैंक में आपका बचत खाता है, और उसमें आप 25,000 रुपये न्यूनतम बैलेंस नहीं रखते हैं, तब आपको अब पहले से ज्यादा सर्विस चार्ज देना होगा। बैंक ने लिबर्टी सेविंग अकाउंट में भी न्यूनतम बैलेंस 15,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये कर दिया है। ईजी एंड इक्विवेलेंट, प्राइम, लिबर्टी, कृषि, किसान, वरिष्ठ नागरिकों और प्रीमियम सेगमेंट के तहत सभी घरेलू और एनआरआई खाताधारकों के लिए अकाउंट के मेंटेनेंस फीस को 7.5 फीसदी कर दिया गया है। यही नहीं, एक्सिस बैंक ने दूसरे सर्विस चार्ज में भी वृद्धि कर दी है। एनएसीएच के तहत ऑटो डेबिट फेल होने पर लगने वाला चार्ज भी बढ़ा दिया गया है। इसका मतलब यह हुआ कि अगर आपके किसी भी तरह के लोन की ईएमआई (मासिक किस्त) ऑटो डेबिट होती है और आपके अकाउंट में राशि कम होती है, तब बैंक अब आपसे पहले से ज्यादा जुर्माना वसूलेगा। इसमें बढ़ोतरी 1 जुलाई से लागू होगी। अतिरिक्त चेक बुक लेने पर भी अब फीस देनी होगी।

दुनिया आज जिन चुनौतियों का सामना कर रही, उनके समाधान में व्यापार महत्वपूर्ण हिस्सा

दावोस ।
विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की महानिदेशक एन. ओकोंजो इविला ने कहा कि यूक्रेन में युद्ध, जलवायु संकट, कोरोना महामारी और खाद्य संकट सहित दुनिया आज जिन चुनौतियों का सामना कर रही है, उनके समाधान में व्यापार एक महत्वपूर्ण हिस्सा होगा। उन्होंने कहा कि आज दुनिया जिस तरह के संकटों का सामना कर रही है वह बहुत ही असामान्य हैं। उन्होंने कहा, ''इन सभी संकटों में एक बात समान है कि कोई भी अकेला देश इनमें से किसी एक का समाधान नहीं कर सकता।'' डब्ल्यूटीओ प्रमुख ने कहा कि व्यापार को बढ़ावा देना अर्थव्यवस्था को फिर से पटरी पर लाने में मदद करने के लिए महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि इस समय बहुत सारे नकारात्मक जोखिम हैं। उन्होंने कहा कि व्यापार हमेशा समाधान का हिस्सा रहा है और आज दुनिया जिन चुनौतियों का सामना कर रही है, उनके लिए यह सच है। उन्होंने कहा कि खाद्य संकट को पारदर्शी और अस्थायी तरीके से संभालने के लिए निर्यात नियंत्रण हटाने की अच्छी संभावना है। उन्होंने कहा कि कुछ देश हैं, जिनके पास अतिरिक्त खाद्यान्न है और जमाखोरी ऐसी स्थिति में एक अच्छा विचार नहीं हो सकता।

रुचि सोया को 234 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट, डिविडेंड का ऐलान

मुंबई ।
रुचि सोया इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने चौथी तिमाही के रिजल्ट की घोषणा की है। एफएमसीजी कंपनी ने 31 मार्च, 2022 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष की चौथी तिमाही में 234.43 करोड़ रुपये का नेट मुनाफा कमाया है। कंपनी की शुक्रवार को हुई बोर्ड मीटिंग में निवेशकों के फायदे का ऐलान किया गया। कंपनी ने वित्त वर्ष 2021-22 के लिए प्रति शेयर 5 रुपये के डिविडेंड की सिफारिश की है। जानकारी के मुताबिक, रुचि सोया के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने 27 मई, 2022 को हुई बैठक में अन्य बातों के साथ-साथ 36,19,94,853 इक्विटी शेयरों पर 5 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के डिविडेंड की सिफारिश की है। यह 31 मार्च, 2022 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए है। इस शेयर की फेस वैल्यू 2 रुपये है। फेस वैल्यू के हिसाब से कंपनी 250 फीसदी डिविडेंड देने जा रही है। चौथी तिमाही में रुचि सोया का नेट प्रॉफिट 234.43 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले साल इसी तिमाही में यह 314.33 करोड़ रुपये था। इसका मतलब यह हुआ कि सालाना आधार पर कंपनी का नेट प्रॉफिट में करीब 25 फीसदी की गिरावट आई है। हालांकि, वित्त वर्ष 2021-22 की बात करें तब इस कंपनी ने 806.3 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट दर्ज किया है, जो वित्त वर्ष 2021 में 680.77 करोड़ रुपये था। इसका अर्थ यह हुआ कि वित्त वर्ष 2022 में कंपनी का नेट प्रॉफिट वित्त वर्ष 2020-21 की तुलना में करीब 18.5 फीसदी बढ़ गया है। रिजल्ट से पता चलता है कि रुचि सोया ऑपरेशन और इनकम के अन्य सोर्स से रेवेन्यू में ग्रोथ दर्ज करने में कामयाब रही। वित्त वर्ष 22 में रुचि सोया लिमिटेड ने ऑपरेशन से 24,205.37 करोड़ रुपये के रेवेन्यू की जानकारी दी है, जो वित्त वर्ष 21 में काफी कम थी। इससे कंपनी की कुल आय वित्त वर्ष 21 के 163.82 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 22 में 242.84 करोड़ रुपये हो गई।

2 माह के शीर्ष पर पहुंचकर नीचे आया कच्चा तेल

नई दिल्ली ।
अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में शुक्रवार को कुछ गिरावट देखने को मिली। शुरुआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड फ्यूचर 11 सेंट्स गिरकर 117.29 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड फ्यूचर 19 सेंट्स गिरकर 113.90 डॉलर प्रति डॉलर पर पहुंच गए।

वैश्विक आपूर्ति में बाधा के कारण इससे पिछले एशियाई कारोबारी सत्र में कच्चा तेल अपने 2 महीने के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गया था। इस साल अब तक कच्चे तेल की कीमतों में 50 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिली है। वहीं, ओपेक देशों ने पश्चिमी देशों की कच्चे तेल का उत्पादन तेजी से बढ़ाने की मांग को नकार दिया है। ऑर्गनाइजेशन ऑफ पेट्रोलियम एक्सपोर्टिंग कंट्रीज (ओपेक) अपने पिछले साल के प्रोडक्शन टारगेट पर ही कायम रहेंगे और जुलाई के लिए आउटपुट टारगेट को बढ़ाकर 4,32,000 बैरल प्रतिदिन करने करेंगे। उधर, यूरोपीय संघ ने रूस पर नए प्रतिबंध का प्रस्ताव पेश किया है। हालांकि, संघ ने कहा है कि यह तभी कारगर होगा जब उसके सभी 27 सदस्य इस पर सहमत होंगे।

भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की वेबसाइट के अनुसार, दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये, मुबंई में 111.35 रुपये, कोलकाता में 106.0 रुपये और चेन्नई में 102.63 रुपये प्रति लीटर की कीमत पर बिक रहा है। बात डीजल की करें तो दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई में इसकी कीमत क्रमशः 89.62 रुपये, 97.28 रुपये, 92.76 रुपये और 94.24 रुपये प्रति लीटर है। बड़े शहरों में पेट्रोल और डीजल की सबसे अधिक कीमत मुबंई में है।

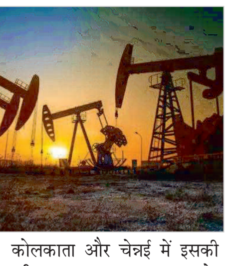

ईंधन भंडार की संभावनाओं पता लगाने ओएनजीसी 31,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी

नई दिल्ली ।
सार्वजनिक क्षेत्र की देश की सबसे बड़ी तेल एवं गैस उत्पादक कंपनी ओएनजीसी ने कहा कि वह देश में अवसादी बेसिन में ईंधन भंडार की संभावनाओं पता लगाने के लिए अगले तीन साल में 31,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इस कदम से देश में तेल एवं गैस उत्पादन बढ़ने की उम्मीद है। ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) ने एक बयान में कहा कि उसके निदेशक मंडल ने गुरुवार को हुई बैठक में भविष्य की खोज रणनीति पर मुहर लगा दी। बयान के अनुसार, 'कंपनी ने खोज अभियान को गति देने के लिये व्यापक रूपरेखा तैयार की है। इसके लिये अगले तीन वित्त वर्ष 2022-23 से 2024-25 के दौरान करीब 31,000 करोड़ रुपये निवेश किये जाएंगे। यह पिछले तीन वित्त वर्ष 2018-19 से 2021-22 के दौरान खर्च की गयी राशि 20,670 करोड़ रुपये का 150 प्रतिशत है।' ओएनजीसी ने कहा कि उसकी इसके लिये दुनिया की प्रमुख कंपनियों के साथ गठजोड़ की भी योजना है।

इसके लिये बातचीत काफी आगे बढ़ चुकी है। हालांकि कंपनी ने इस बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी। भारत अपनी कुल तेल जरूरतों का 85 प्रतिशत और गैस का करीब आधा हिस्सा आयात से पूरा करता है। ऐसे में घरेलू स्तर पर तेल एवं गैस की खोज और उत्पादन बढ़ने से आयात पर निर्भरता कम होगी।

अडानी विल्मर ने रिटर्न के मामले में एशिया के अन्य सभी नए स्टॉक्स को पछाड़ा

निवेशकों को अब तक 200 फीसदी से अधिक का रिटर्न दिया

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार में हाल ही में लिस्ट हुए अडानी समूह और सिंगापुर की विल्मर के संयुक्त उद्यम अडानी विल्मर ने रिटर्न के मामले में एशिया के अन्य सभी नए स्टॉक्स को पछाड़ दिया है। खबर के अनुसार, अडानी विल्मर ने करीब 121 नए सूचीबद्ध शेयरों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। वैसे अडानी विल्मर के शेयरों में पिछले कुछ दिनों से गिरावट देखने को मिली है और यह शेयर पिछले एक महीने में अपने शीर्ष स्तर से करीब 15 फीसदी टूट चुका है, लेकिन अब ये 2022 का एक मल्टीबैगर स्टॉक है। इसने अपने निवेशकों को अब तक 200 फीसदी से अधिक का रिटर्न दिया है।

अडानी विल्मर के शेयर गुरुवार को 631 रुपये के इंट्रा-डे ट्रेड लो पर पहुंच गए थे। हालांकि, बाद में इसमें तेजी आई और ये शेयर 698 रुपये के करीब बंद हुआ। शुक्रवार को भी शुरुआती ट्रेड में शेयरों में तेजी दिखी और शेयर ने 726 रुपये के साथ दिन की शुरुआत की। जानकारों का कहना है कि बढ़ती इनपुट कॉस्ट और खाद्य तेल के बढ़ते दामों के कारण खाद्य तेल निर्माताओं के स्टॉक्स की दिशा तय होगी। उनका कहना है कि निवेशकों को इसमें नया निवेश करने से बचना चाहिए। यह आईपीओ इसी साल 8 फरवरी को शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुआ था। इसके जरिए कंपनी ने 3,600 करोड़ रुपये जुटाए थे। कंपनी ने शेयरों का प्राइस बैंड 218-230 रुपये रखा था। कंपनी के शेयर 268 रुपये पर एनएसई पर लिस्ट हुए थे। इसके बाद शेयर ने निवेशकों की जमकर कमाई कराई है। गौरतलब है कि इस बीच शेयर मार्केट में भारी गिरावट देखने को मिली, लेकिन अडानी विल्मर ने अपने निवेशकों को निराश नहीं किया।

अडानी विल्मर की स्थापना 1999 में अडानी और विल्मर ग्रुप के संयुक्त उद्यम के रूप में हुई थी। यह एक एफएमसीजी फूड कंपनी है जो खाद्य तेल, आटा, चावल, दाल व चीनी सहित अन्य खाद्य पदार्थ बनाती है। कंपनी के प्रोडक्ट की 3 श्रेणियों में बंटे हुए हैं। पहला खाद्य तेल, दूसरा, पैकेट बंद खाना और तीसरा इंडस्ट्री एसेंशियलस्य। अडानी विल्मर के अलावा अडानी समूह की पावर कंपनी अडानी पावर और अडानी ग्रीन भी बीएसई के इस साल के टॉप परफॉर्मर शेयरों में शामिल हैं।

CMYK

एशिया कप: भारतीय हॉकी टीम ने इंडोनेशिया को 16-0 से हराकर सुपर-2 में जगह बनायी

मैन ऑफ द मैच : पवन राजभर

जकार्ता (एजेंसी)।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने यहां खेले जा रहे एशिया कप हॉकी के अपने आखिरी पूल ए मुकाबले में इंडोनेशिया को 16-0 से हराकर सुपर-2 में प्रवेश किया है। वहीं इसी के साथ ही पाकिस्तान की टीम बाहर हो गयी। भारत ओर पाक दोनो के ही समान अंक थे पर भारतीय टीम ने अंतिम मैच में अधिक गोल किये थे इस कारण बेहतर गोल अंतर (1) के कारण उसे नॉक आउट में प्रवेश मिला। भारत के साथ एशिया कप सुपर-4 में जापान, साऊथ कोरिया और मलेशिया की टीम भी पहुंच गई है। वहीं इस हार के साथ ही पाक टीम विश्व कप 2023 से भी बाहर हो गयी है।

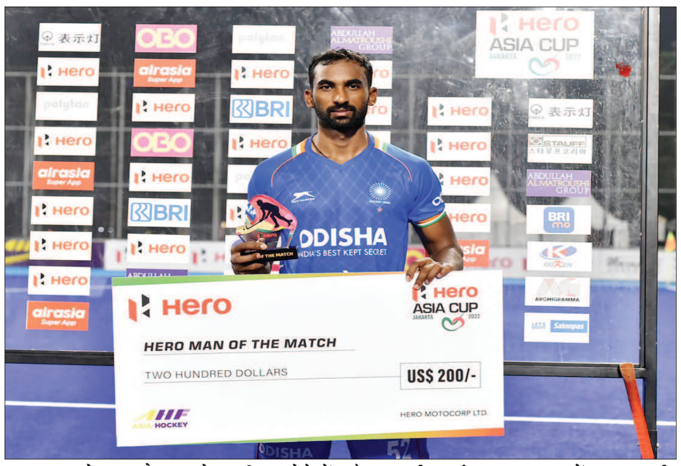

भारतीय टीम ने एशिया कप में अपना पहला मुकाबला पाकिस्तान के खिलाफ खेला था जो बराबरी पर रहा था। इस मुकाबले में पाक टीम ने अंतिम मिनट में गोल कर मुकाबला ड्रॉ पर रोक दिया था। इसके बाद दूसरे मैच में भारत को जापान के हाथों 5-2 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं इसके बाद जापान ने पाक को 3-2 से हरा दिया , ऐसे में भारतीय टीम ने अंतिम लीग मुकाबले में बड़े अंतर के साथ जीत दर्ज कर नाकआउट में जगह बनायी। पूल-ए में भारत और पाकिस्तान दोनों के चार-चार अंक रहे और दोनों जापान से पीछे रहे।

भारत की ओर से दिग्गज दिपसान टिर्की ने सबसे ज्यादा पांच गोल दागे । दिपसान ने (42', 47', 59', 59') मिनट में ये गोल किय जबकि युवा सुदेव बेलिमागा ने (45', 46', 55') मिनट में तीन गोल कर जीत में अहम भूमिका निभाई। इन दोनों के अलावा अनुभवी एसवी सुनील ने(19', 24'), पवन राजभर ने 10', 11 और कार्ति सेलवम ने (40', 56') मिनट में दो-दो गोल किए जबकि उत्तम सिंह ने (14'), और नीलम संदीप सेस ने 20 वें मिनट में एक-एक गोल दागा। दौरे पर 'बी' टीम के साथ पहुंचे भारत के लिए नॉकआउट राउंड में पहुंचने के लिए जरुरी था कि वह इंडोनेशिया को कम से कम 15 गोल के अंतर से हराए। युवा भारतीय टीम ने शुरुआत से ही विपक्षी टीम पर दबाव बनाए रखा। परिणाम हुआ कि हाफ टाइम तक भारतीय टीम 6-0 से आगे थी। गत चैंपियन टीम ने दूसरे हाफ में बढ़े मनोबल के साथ शुरुआत की और तीसरे क्वॉर्टर में चार और गोल कर इसे 10-0 कर दिया। चौथे क्वॉर्टर में भारतीय खिलाड़ियों की तेजी देखते ही बनी।

फ्रेंच ओपन के तीसरे राउंड में पहुंची बोपन्ना-मिडलकूप की जोड़ी

पेरिस (एजेंसी)।

भारत के टेनिस स्टार रोहन बोपन्ना और नीदरलैंड के उनके साथी माटवे मिडलकूप ने गुरुवार को कजाकस्तान के आंद्रे गोलुबेव और फ्रांस के फैबरिस मार्टिन को हराकर फ्रेंच ओपन के तीसरे राउंड में प्रवेश किया। बोपन्ना-मिडलकूप की जोड़ी ने गोलुबेव-मार्टिन की जोड़ी को 6-3, 6-4 के सीधे सेटों में हराया। इससे पहले बोपन्ना और मिडलकूप की 16 सीड जोड़ी ने मंगलवार को एक घंटा दो मिनट चले मुकाबले में ग्येमाड वेयनबर्ग और लुका वैन स्चे को 6-4, 6-1 के सीधे सेटों में मात दी थी।

बांग्लादेश टीम को असफलता का डर निकालना होगा : शाकिब

ढाका (एजेंसी)।

श्रीलंका के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट में टीम के खराब प्रदर्शन को देखते हुए बांग्लादेश क्रिकेट टीम के अनुभवी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने कहा है कि हमारी टीम की मानसिकता ठीक नहीं है। हमें उसमें बदलाव लाना होगा। शाकिब के अनुसार हम विफलता से डरने लगे हैं। इसके लिए हमें मानसिकता में सुधार लाना ही होगा। मुझे लगता है हम असफलता से डरने लगे हैं।'। शाकिब ने कहा, 'हमारी टीम की फिटनेस बहुत अच्छी है। हम काफी समय मैदान पर बिताने के आदी हैं। हमने इस सीरीज में 400 (408) ओवरों की फील्डिंग की है। लिटन ने 400 ओवर कीपिंग की और 141 रन बनाए। मुश्फिकिर ने पहली पारी में 175 रन बनाए। हम शारीरिक रूप से मजबूत हैं पर मानसिक तौर पर नहीं। हमने दबाव का ठीक से सामना नहीं किया। हम दूसरी पारी में खराब खेल रहे हैं। हमारे आज इसे बदलने का अवसर था पर हमने इसे खो दिया है।' शाकिब ने कहा कि नजमुल हुसैन शांतो के रन आउट से साफ जाहिर हो गया था कि बल्लेबाज शांत मन से नहीं खेल रहे थे जबकि टेस्ट में इस प्रकार रन आउट होना सही नहीं कहा जा सकता। दबाव के क्षणों में हमें ठंडे दिमाग से काम लेना पड़ता है। ऐसे में तनाव और डर होता ही है पर यही टेस्ट क्रिकेट का रोमांच है। हम सबने पहले भी ऐसे अवसर देखे हैं। बहुत जरूरी है कि आप याद रखें कि आपको ऐसे में सफलता कैसे प्राप्त हुई है।

वेलोसिटी महिला टी20 चैलेंज के फाइनल में पहुंची

पुणे (एजेंसी)।

वेलोसिटी टीम महिला टी20 चैलेंज क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच गयी है। अब खिताबी मुकाबले में वह सुपरनोवाज से खेलेगी। वेलोसिटी ने ट्रेलब्लेजर्स की ओर से मिले जीत के 191 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 174 रन बनाए इस प्रकार हार के बाद भी वह फाइनल में पहुंच गयी है। वहीं ट्रेलब्लेजर्स को फाइनल में पहुंचने के लिए 32 या उससे ज्यादा रन से इस मुकाबले को जीतने की जरूरत थी जबकि वेलोसिटी को फाइनल में जगह बनाने के लिए कम से कम 159 रन बनाने थे।

वेलोसिटी की ओर से किरण नवगिरे ने 34 गेंदों पर 69 रन की शानदार पारी खेली। किरण ने 25 गेंदों में ही टी20 का सबसे तेज शतक लगाया। वहीं ट्रेलब्लेजर्स की ओर से राजेश्वरी गायकवाड़ ने सबसे अधिक 2 विकेट लिए। 191 के रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेलोसिटी ने 36 रनों के अंदर ही यास्तिका भाटिया का विकेट खो दिया। यास्तिका रन बनाकर पवेलियन लौटीं। इसके बाद सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा भी 29 रन बनाकर पेवेलियन लौट गयीं। शेफाली को राजेश्वरी गायकवाड़ ने एलबीडब्ल्यू किया। लौरा वॉलवार्ट आउट होने वाली तीसरी खिलाड़ी रहीं। वॉलवाट ने 16 गेंदों पर 17 रन बनाए। कप्तान दीप्ति शर्मा 3 गेंदों पर 2 रन बनाकर आउट हुईं। वहीं इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए सलामी बल्लेबाज एस मेघना के सबसे ज्यादा 73 रन जबकि जेमिमा रॉड्रिग्स के 66 रनों की सहायता से ट्रेलब्लेजर्स ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 190 रन बनाए। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 113 रन की साझेदारी की। ट्रेलब्लेजर्स की ओर से हीली मैथ्यूज ने 27 रन और सोफिया डंकले ने 19 रन बनाये। ट्रेलब्जेजर्स का पहला विकेट 13 रन के स्कोर पर कप्तान स्मृति मंधाना 01 का गिरा। इसके बाद एस मेघना ने आक्रामक बल्लेबाजी की और जेमिमा के साथ मिलकर शतकीय साझेदारी बनाकर बड़ा स्कोर बनाया।

आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए दिनेश कार्तिक को लगाई गयी फटकार

अहमदाबाद। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक को कोलकाता में लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ अपनी टीम के एलिमिनेटर मुकाबले के दौरान आईपीएल की आचार संहिता के उल्लंघन के लिए फटकार लगाई गई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की प्रेस विज्ञप्ति में हालांकि यह जिक्र नहीं है कि असल में उन्होंने क्या अपराध किया। विज्ञप्ति में कहा गया, ''कार्तिक ने आईपीएल आचार संहिता के नियम 2.3 के अंतर्गत लेवल एक का अपराध और सजा स्वीकार कर ली है। आचार संहिता के तहत लेवल एक के अपराध में मैच रैफरी का फैसला अंतिम और बाध्य होता है।'' बेंगलोर ने बुधवार को एलिमिनेटर में लखनऊ सुपर जाइंट्स को 14 रन से हराया।

क्रिकेट आस्ट्रेलिया में राजनीति पर बरसे लैंगरे

पर्थ । टीम के मुख्य कोच के पद से विवादित तरीके से रवानगी के बाद जस्टिन लैंगर ने देश के क्रिकेट बोर्ड में राजनीति की आलोचना करते हुए अंतरिम प्रमुख रिचर्ड फ्रेउडेनस्टेन को खास तौर पर लताड़ा है। फरवरी में लैंगर ने अनुबंध में छह महीने के विस्तार को स्वीकार करने से इनकार करते हुए मुख्य कोच के पद से इस्तीफा दे दिया था। टी20 विश्व कप में खिताबी जीत और एशेज श्रृंखला जीतने के बाद उन्हें अनुबंध लंबी अवधि के लिये बढाये जाने की उम्मीद है। मार्क वॉ, एडम गिलक्रिस्ट, रिकी पोंटिंग, स्टीव वॉ, मैथ्यू हेडन और दिवंगत शेन वॉर्न समेत कई आस्ट्रेलियाई दिग्गजों ने लैंगर के साथ किये गए बर्ताव की निंदा की थी।

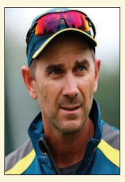

लैंगर ने यहां एक कार्यक्रम के दौरान कहा ,'' सबसे पहले उन्होंने (रिचर्ड ने) मुझसे कहा कि तुम्हें यह जानकार अच्छा लग रहा होगा कि तुम्हारे सभी साथी मीडिया के सामने तुम्हारा साथ दे रहे हैं।'' उन्होंने कहा ,'' मैने कहा कि बिल्कुल ये सभी आस्ट्रेलियाईक्रिकेट के महानतम खिलाड़ी हैं और दुनिया भर में काम करते हैं। अपने कोचिंग कैरियर के 12 साल में मैने पिछले छह महीने सबसे ज्यादा आनंद महसूस किया है। हमने जीता ही नहीं बल्कि मेरे भीतर ऊर्जा थी, फोकस था और मैं खुश था। गंदी राजनीति के बावजूद।'' उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि क्रिस सिल्वरवुड की रवानगी के बाद इंग्लैंड का कोच बनने के बारे में उन्होंने किसी से बात नहीं की है। उन्होंने कहा ,'' इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एंड्रयू स्ट्रॉस ने मेरे इस्तीफे के एक दिन बाद मुझे फोन किया था। मैं उसे लंबे समय से जानता हूं। उसके अलावा इंग्लिश क्रिकेट में किसी से बात नहीं की।

ऋद्धिमान साहा बंगाल के लिए रणजी ट्रॉफी खेलने के लिए तैयार नहीं हैं : सीएबी

कोलकाता (एजेंसी)।

बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) के साथ अनबन के बाद ऋद्धिमान साहा बंगाल के लिए रणजी ट्रॉफी में खेलते नहीं दिखेंगे। अगर ये मुद्दे बने रहते हैं तो 37 वर्षीय क्रिकेटर ने अपने घरेलू करियर को किसी दूसरे राज्य में स्थानांतरित करने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मांगा है। यह सब फरवरी में शुरू हुआ था जब सीएबी के संयुक्त सचिव देबारत्ता दास ने कहा था कि रणजी ट्रॉफी मैचों में नहीं खेलने के लिए साहा के पास ढेरों बहाने हैं।

साहा की पत्नी रोमी ने कहा कि वह इस बयान से आहत हुए हैं और कैब के सचिव अविषेक डालमिया ने उनसे संपर्क करके कहा है कि दास का यह बयान निजी है और बोर्ड अपने वरिष्ठ खिलाड़ियों के बारे में ऐसा नहीं सोचता है। फिर भी यह देखते हुए कि उनका नाम सार्वजनिक तरीके से घसीटा गया, साहा चाहते थे कि इस मुद्दे को फिर से बंगाल के लिए खेलने से पहले सुलझाया जाए। डालमिया मान गए और दोनों ने फैसला किया कि वे आईपीएल की समाप्ति के बाद इस पर विचार करेंगे।

तब 16 मई को नॉकआउट के लिए बंगाल की टीम की घोषणा होती है और साहा इसमें अपना नाम देखकर चौंक जाते हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार पता चला है कि उन्होंने डालमिया के साथ इस सप्ताह एक और बातचीत की है जहां उन्होंने दास की टिप्पणियों के बारे में अपना रुख दोहराया और कहा है कि अगर यह केस सुलझाया नहीं जाता है तो वह सीएबी से एनओसी मांगेंगे। अब इन सब का असर यह हुआ है कि साहा छह जून से झारखंड के खिलाफ होने वाले क्वार्टर फाइनल में बंगाल टीम का हिस्सा नहीं होंगे।

डालमिया ने कहा कि बंगाल क्रिकेट संघ चाहता था कि ऋद्धिमान साहा इस महत्वपूर्ण मोड़ पर बंगाल के लिए खेलें। खासकर जब बंगाल ग्रुप स्टेज के अंत में देश की शीर्ष रैंक वाली टीम बनने के बाद रणजी ट्रॉफी जीतने के लिए नॉकआउट चरण में लड़ रहा होगा। मैंने यही बात साहा को बताई और उनसे मांग की कि वह अपने फैसले को बदल लें। हालांकि, साहा ने अब हमें बताया है कि वह रणजी नॉकआउट नहीं खेलने वाले हैं।

दास का यह कमेंट तब आया था जब साहा ने रणजी ट्रॉफी 2022 की शुरुआत में निजी कारणों से नहीं खेलने का निर्णय किया था। यही वह समय था जब उन्हें भारत की टेस्ट टीम से बाहर किया गया था। 22 फरवरी को दास ने संघबाद प्रतिदिन से कहा था कि मुझे बताओ साहा को क्यों बंगाल के लिए रणजी ट्रॉफी नहीं खेलना चाहिए वह भारतीय टीम में नहीं हैं, तो क्यों उन्हें बंगाल के लिए नहीं खेलना चाहिए?

ऐसे में हमने यह महसूस किया है कि वह बंगाल के लिए अपनी कोई जिम्मेदारी नहीं समझते हैं। पहले भी कई मौकों पर उन्होंने बंगाल के लिए खेलने से मना किया था। जब हमने उनसे बात की तो उनके पास ढेरों बहाने थे और वह मैच नहीं खेले। कभी उनके शरीर थका हुआ होता है, कभी उनकी पैर में दर्द होता है।% साहा अभी आईपीएल में गुजरात टाइटंस का हिस्सा हैं, जिन्हें 29 मई को फ़ाइनल खेलना है।क्रिकइंफ़ो के भेजे मैसेज का अभी तक डालमिया ने जवाब नहीं दिया है।

अफगानिस्तान के गेंदबाजी कोच बने गुल

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व तेज़ गेंदबाज़ उमर गुल अब अफगानिस्तान के गेंदबाजी कोच बने हैं। गुल का अनुबंध एक साल का है और वह अगले माह जून में होने वाले जिम्बाब्वे दौरे पर पहली बार टीम के साथ होंगे। 4 जून से 14 जून के बीच होने वाले इस दौरे में तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय और तीन एकदिवसीय खेले जाएंगे। इससे पहले गुल पाक सुपर लीग (पीएसएल) में क्वेटा ग्लैडिएटर्स के गेंदबाजी कोच बने थे। उन्हें अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने इससे पहले यूएई में अप्रैल में होने वाले अभ्यास कैंप के लिए गेंदबाज़ी सलाहकार नियुक्त किया था। वहीं अब उन्हें कोच बनाया गया है।

एसीबी ने अपने एक बयान जारी करते हुए कहा कि अभ्यास कैंप में गुल ने प्रभावी कार्य किए और हमें अभी गेंदबाज़ी कोच की जरुरत भी है। इसलिए हमने फैसला लिया है कि हम स्थायी अनुबंध देकर उन्हें गेंदबाजी कोच बनाएंगे। गुल ने गुल ने अक्तूबर 2020 में सभी तरह के क्रिकेट से संन्यास लिया था। इस खिलाड़ी ने अपने करियर के दौरान 47 टेस्ट मैचों में (163 विकेट), 130 एकदिवसीय मैचों में (179 विकेट) जबकि 60 टी20 अंतररष्ट्रीय में (85 विकेट) लिए हैं।

सहवाग बोले- अगर पंत ऐसा करता है तो उसका नाम इतिहास की किताब में दर्ज हो जाएगा

मुंबई । भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने दावा किया कि अगर विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत टेस्ट क्रिकेट में 100 मैच पूरे करते हैं, तो उनका नाम इतिहास की किताब में हमेशा के लिए दर्ज हो जाएगा। पंत टी20 क्रिकेट में अपने कारनामों के कारण सुर्खियों में आए। लेकिन हाल ही में वह टेस्ट क्रिकेट में एक ताकत बन गए है जिसने 30 मैचों में 40.85 की औसत से 1920 रन बनाए, जिसमें चार शतक और नौ अर्धशतक शामिल हैं। मार्च में श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की घरेलू श्रृंखला में भारत के गुलाबी गेंद के आखिरी टेस्ट मैच में 24 वर्षीय पंत ने 120.12 की स्ट्राइक रेट से 185 रन बनाए जिसमें 28 गेंदों में अर्धशतक शामिल है, जो दूसरे दिन एक भारतीय बल्लेबाज द्वारा सबसे तेज है। बेंगलुरू में सहवाग ने कहा, अगर वह 100 से अधिक टेस्ट खेलता है, तो उसका नाम हमेशा के लिए इतिहास की किताब में दर्ज हो जाएगा। केवल 11 भारतीय क्रिकेटरों ने यह उपलब्धि हासिल की है और हर कोई उन 11 नामों को याद कर सकता है।

माराडोना के सम्मान में दिखेगा उड़ता हुआ संग्रहालय

ब्यूनर्स आयर्स । अर्जेन्टीना के महान फुटबॉलर और डिएगो माराडोना के सम्मान में अब आसमान में एक उड़ता हुआ संग्रहालय दिखेगा। यह संग्रहायलय 'टेंगो डी10एस' विमान में बनाया गया है। यह देश में अलग-अलग जगहों पर जाएगा और माराडोना के प्रशंसकों को खेल देखने मैदान पर आने के लिए प्रेरित और उत्साहित करेगा। इस विमान के बाहरी हिस्से में माराडोना की तस्वीरें लगाई गई। इसमें साल 1986 की वह तस्वीर भी है जिसमें माराडोना अर्जेन्टीना की जर्सी पहने हुए और विश्व कप ट्रॉफी को लिए हुए हैं। यह विमान बार्सीलोना और नेपल्स भी जाएगा जहां माराडोना की कप्तानी में नेपोली ने 1987 और 1990 में इटली के के दोनो ही लीग खिताब जीते थे। यह विमान इसके बाद कतर जाएगा जहां विश्व कप होना है। इसमें 1986 विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ माराडोना के दो गोल की तस्वीर भी है जिसमें विवादास्पद 'हैंड आफ गॉड' गोल भी शामिल है। विमान के अंदर माराडोना से जुड़ी चीजें रखी गई हैं। गौरतलब है कि माराडोना का 2020 में 60 साल की उम्र में मस्तिष्क की सर्जरी के बाद दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था।

हॉकी: एशियाई खेलों के स्थगित होने पर बोली भारतीय कप्तान, सुधार करने का अधिक समय मिलेगा

बेंगलुरू (एजेंसी)।

भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता को एशियाई खेलों में अच्छे प्रदर्शन का भरोसा है क्योंकि हांगझोउ में होने वाले इन महाद्वीपीय खेलों के स्थगित होने से टीम को ट्रेनिंग और सुधार करने का अधिक समय मिलेगा जैसा टोक्यो ओलंपिक के एक साल के लिए स्थगित होने के दौरान हुआ था। ओलंपिक खेल 2020 को कोविड-19 महामारी के कारण एक साल के लिए स्थगित किया गया था और इनका आयोजन 2021 में हुआ था।

भारतीय टीम को अब दोबारा इस तरह की स्थिति का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि एशियाई खेलों को भी अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है। सविता ने हॉकी इंडिया के पोडकास्ट 'हॉकी ते चर्चा' पर कहा, 'हम इन खेलों के स्थगित होने से एक बार फिर इस तरह निपटेंगे कि हम इसे एशियाई खेलों के लिए ट्रेनिंग और बेहतर तैयार होने के मौके के रूप में लेंगे।'

उन्होंने कहा, 'ओलंपिक के एक साल के लिए स्थगित होने से हमें सुधार करने का काफी समय मिला था और निजी तौर पर मैं यानेक शॉपमैन के साथ काम करूंगी जिन्होंने गोलकीपर के रूप में मेरे अंदर आए सुधार में अहम भूमिका निभाई है।' हाल के समय की सबसे सफल गोलकीपर में शामिल सविता जुलाई में होने वाले एफआईएच विश्व कप से पहले यूरोप में एफआईएच प्रो लीग मुकाबलों में भारतीय टीम की अगुआई करेंगी।

सविता ने कहा, 'टोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने से सभी का हमारे प्रदर्शन पर ध्यान गया है। पहले सिर्फ पुरुष टीम से उम्मीदें होती थी लेकिन अब लोग महिला टीम से भी उम्मीद करते हैं कि अगर हम किसी टूर्नामेंट में हिस्सा लें तो शीर्ष तीन में जगह बनाएं और यह खेल के लिए अच्छा है।' उन्होंने कहा, 'किसी ने उम्मीद नहीं की थी कि हम ओलंपिक खेलों में क्वार्टर फाइनल से आगे बढ़ पाएंगे। हमारे कई समर्थकों ने शुरुआत में सोचा था कि हम क्वार्टर फाइनल तक ही पहुंच पाएंगे लेकिन मुझे नहीं लगता कि किसी ने सोचा था कि हम क्वार्टर फाइनल जीत जाएंगे।' भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के बेंगलुरू केंद्र में टीम की प्रो लीग और विश्व कप के लिए तैयारी के संदर्भ में सविता ने कहा कि टीम को शीर्ष चार में जगह बनाने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, 'महिला विश्व कप और यूरोप में प्रो लीग मुकाबलों से पहले काफी रोमांच है। पिछली बार हम क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गए थे लेकिन इस बार हम शीर्ष चार में जगह बनाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे।'

राहुल कप्तानी के लिए सही नहीं : मांजरेकर

मुंबई । भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने कहा है कि लोकेश राहुल कप्तानी के लिए सही खिलाड़ी नहीं हैं। मांजरेकर ने कहा कि आईपीएल में जिस प्रकार राहुल ने एक ही गलती दोहरायी है उससे यह साबित होता है। जिम्मेदारी निभाने के लिए सही खिलाड़ी नहीं हैं। मांजरेकर ने कहा कि रोहित शर्मा, महेंद्र सिंह धोनी जैसे खिलाड़ियों ने लंबे समय तक आईपीएल में मुख्य बल्लेबाज और कप्तान की जिम्मेदारी एक साथ निभाई है पर राहुल इसमें खरे नहीं उतरें। इससे जाहिर है कि वह इस भूमिका में फिट नहीं हैं। मांजरेकर ने कहा कि एक कोच के रूप में मैं राहुल से बस यह कहना चाहूंगा कि वह अपने दिमाग से निकाल दें कि वह टीम को मैच जिताने जा रहे हैं। आप बस मैदान में जाइए और अपने खेल का आनंद लिजिए। आपको पहले दिन से ही उनके खेल में फर्क दिखने लगेगा। ऐसा आप उनके आंकड़ों से भी समझ सकते हैं।

CMYK

मुख्यमंत्री ने गांधीनगर में आयोजित तीन दिवसीय 'राष्ट्रीय आम महोत्सव 2022' का उद्घाटन किया

गांधीनगर । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गांधीनगर में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय आम महोत्सव (नेशनल मैंगो फेस्टिवल) 2022 का शुक्रवार को उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने सेक्टर 11 स्थित रामकथा मैदान में आयोजित इस तीन दिवसीय आम महोत्सव में सहभागी हो रहे अलग-अलग राज्यों के आम उत्पादकों एवं विक्रेताओं को शुभकामनाएं दीं। यह आम महोत्सव 29 मई तक चलेगा। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने आम उत्पादकों तथा विक्रेताओं के स्टॉल पर जाकर आम की प्रजातियों व बुवाई से लेकर उत्पादन एवं विक्रय तक की जानकारी प्राप्त करने में गहरी दिलचस्पी दिखाई। कार्यक्रम में उपस्थित श्रम एवं रोज़गार राज्य मंत्री ब्रिजेश मेरजा ने कहा कि राज्य सरकार एग्रीकल्चर टूरिज्म को विकसित करने के लिए कटिबद्ध है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र ने गुजरात में अपने मुख्यमंत्रित्व काल के दौरान पर्यटन क्षेत्र में अनेक नूतन पहलें की हैं। इन्हीं में से एक है एग्रीकल्चर टूरिज्म। एग्रीकल्चर टूरिज्म को वेग देने तथा समग्र देश में विशिष्ट पहचान रखने वाले आम की प्रजातियों को किसान सीधे उपभोक्ताओं को बेच सकें, इस उद्देश्य से इस नेशनल मैंगो फेस्टिवल का आयोजन किया गया है। इस मैंगो फेस्टिवल में भारत के विभिन्न राज्यों में उत्पादित आमों की बिक्री-सह-प्रदर्शनी आयोजित की गई है। आम महोत्सव के दौरान देश के अलग-अलग राज्यों के आम उत्पादक एक ही स्थान पर गुणवत्तायुक्त आम का उत्पादन बढ़ाने से जुड़े ज्ञान का आदान-प्रदान करेंगे। गुजरात के कच्छ एवं गीर क़स्बों सहित अनेक प्रदेशों में आम उत्पादन करने वाले किसानों, बाड़ी मालिकों तथा आम के थोकबंद व्यापारियों को अपने क्षेत्र के विकास के लिए इस महोत्सव के रूप में एक प्लेटफ़ॉर्म मिलेगा।

राष्ट्रीय आम महोत्सव 2022 में 50 से अधिक स्टॉल्स पर उत्तर प्रदेश के अंबिका, अरुणिका, अरुणिमा, प्रतिभा, पीतांबरा, लालिमा, श्रेष्ठ, सूर्या, हुसनेरा, नाजुक बादन, गुलाब खस, ऑस्टीन, दशहरी, चौसा, लंगड़ा, अमीन खुर्द, ग्लास आम्रपाली, मल्लिका, कृष्णा भोग, राम भोग, रामकेला, शहद कुप्पी, जरदालू, लखनवी सफ़ेदा, जौहरी, सफ़ेदा, बेंगलौरा, अमीन दूधिया, बादामी गोला, बुधिया, युक्ति फ़ाज़लि, केसर, लंबूरी, नारद, सुरखा परा, सुरखा, दशहरी, बॉम्बे ग्रीन, यथार्थ, महाराष्ट्र के रत्नागिरी, पश्चिम बंगाल के हिमसागर, आम्रपाली, बिहार के मैदा, जरदालू, राजस्थान के दशहरी, मल्लिका, लंगड़ा, केसर, कर्नाटक के कर्नाटका अल्फ़ांज़ो अथवा बादामी मैंगो, केरल के तोता, सुंदरी, आंध्र प्रदेश के बादाम, दिल्ली के अल्फ़ांसो, तमिलनाडु के तोता व सुंदरी, गुजरात के केसर, हाफुस आमों तथा आम के आचार, छूंदा, मैंगो पल्प, शेक जामदार आदि की कई वेराइटियों को प्रदर्शित किया गया है।

पीएम मोदी आज गुजरात दौरे पर, राजकोट के आटकोट में अस्पताल का करेंगे लोकार्पण

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को गुजरात दौरे पर आ रहे हैं। गुजरात दौरे के दौरान पीएम मोदी राजकोट के आटकोट में सुबह ग्लॉबल पाटीदार मल्टीस्पेशियालिटी अस्पताल का लोकार्पण और शाम को गांधीनगर के महात्मा मंदिर में सहकार सम्मेलन को संबोधित करेंगे। पीएम मोदी के कार्यक्रम को देखते हुए राजकोट और गांधीनगर में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। राजकोट-भावनगर हाईवे पर शनिवार की सुबह 6 बजे से दोपहर 3 बजे तक ट्रैफिक डायवर्ट रहेगा। रोडवेज की बसों को छोड़ भारी एवं कॉमर्शियल वाहन, निजी ट्रावेल्स के लिए डायवर्ट रूट के लिए जिला कलेक्टर ने अधिसूचना जारी कर दी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार की सुबह 9.30 बजे राजकोट एयरपोर्ट पहुंचेंगे, जहां से आटकोट जाकर मल्टीस्पेशियालिटी होस्पिटल का लोकार्पण और उसके बाद जनसभा को संबोधित करेंगे। होस्पिटल के लोकार्पण के कार्यक्रम में सौराष्ट्रभर से करीब 3 लाख लोगों के उपस्थित रहने की संभावना है। इसके लिए 500 बीघा जमीन में पार्किंग की व्यव-स्था की गई। कार्यक्रम के लिए 600ङ्ग1200 फूट का विशाल डोम बनाया गया है। आम लोगों के बैठने के लिए अलग अलग 4 डोम बनाए गएहैं। इसके अलावा 4 हेलिपेड भी तैयार किए गए हैं। पार्किंग और यातायात प्रबंधन के लिए 2000 जितने स्वयं सेवक तैनात रहेंगे। राजकोट के आटकोट होकर पीएम मोदी दोपहर 12.30 बजे अहमदाबाद एयरपोर्ट पहुंचेंगे। जहां से पीएम मोदी सीधे राजभवन जाएंगे और शाम 4 बजे तक वहीं विश्राम करेंगे। शाम 4.30 बजे गांधीनगर के महात्मा मंदिर में आयोजित सहकार सम्मेलन को पीएम मोदी संबोधित करेंगे। सहकार सम्मेलन के पश्चात पीएम मोदी अहमदाबाद से दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे।

महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर पूरे भारतवर्ष के क्षत्रिय एक ही जगह होंगे इकट्ठे

सूरत। आगामी 29 मई को सूरत में एक साथ हजारों क्षत्रिय परिवार एक जगह पर इकट्ठे होंगे। पराक्रम सेवा संस्थान की ओर से महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता लाने के साथ ही क्षत्रिय समाज संगठित होकर समाज निर्माण में अपना योगदान दे सके इस उद्देश्य से मेरा मान क्षत्रिय स्वाभिमान कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए विक्रम सिंह शेखावत ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन 29 मई शाम सवा छह बजे से उधना दक्षेश्वर मंदिर के सामने महाराणा प्रताप ग्राउंड में किया गया है। कार्यक्रम में सूरत समेत दक्षिण गुजरात में बसे समूचे क्षत्रिय समाज के लोगों को आमंत्रित किया गया हैं। जिसमें राजनीति और सामाजिक अग्रणियों के साथ ही गणमान्य लोग उपस्थित रहेंगे और समाज को शिक्षा, समाज उत्थान और राज्य व देश के विकास में किस तरह क्षत्रिय समाज अपना योगदान दे सकता है उसे लेकर मार्गदर्शन देंगे। महाराणा प्रताप जयंती के साथ साथ सम्राट पृथ्वीराज चौहान की भी जयंती मनाई जाएगी।

कार्यक्रम के बाद भोजन समारोह का भी आयोजन किया गया है।

कार्यक्रम के माध्यम से एक महाभियान का आगाज किया जाएगा जिसमें महाराणा प्रताप जयंती को राष्ट्रीय शौर्य स्वाभिमान दिवस घोषित किया जाए तथा अखंड भारत के निर्माण में पहला योगदान देने वाले भावनगर महाराजा कृष्ण कुमार सिंह जी गोहिल को भारत रत्न प्रदान किया जाए। इस उपलक्ष में अमित सिंह राजपूत, रवि राजपूत, शैलेन्द्र राजपूत ,गायड सिंह चुंडावत ,डॉ सुन्दर सिंह चौहान, विजय तोमर ,लोकेन्द्र सिंह, अजीत सिंह, प्रदीप सिंह राजपूत, अखंड भारत सिंह, दिलीप सिंह राजपूत, गुलाब सिंह, मुकेश सिंह आदि बड़ी संख्या में समाज अग्रणी उपर्-स्थत रहे।

गुजरात में 12 स्कूलों को प्रायोजित करने के लिए चारूसैट सरस-3डी स्कूल प्रायोजन कार्यक्रम

अहमदाबाद। सरस 3डी, इंक, एक यूएस आधारित एडटेक स्टार्ट-अप, जिसमें प्रौद्योगिकी नवप्रवर्तनकर्ता और शिक्षक शामिल हैं, जो भारत में एसटीईएम शिक्षा के निर्माण पर केंद्रित स्टीरियोस्कोपिक 3डी तकनीक की शक्ति का उपयोग कर रहे हैं, ने आज चारूसैट को उनके स्कूल प्रायोजन कार्यक्रम पहला संरक्षक घोषित किया।

इस व्यवस्था के तहत, चारूसैट विशेष रूप से पूरे गुजरात में 12 स्कूलों को प्रायोजित करेगा। चयनित स्कूल में से प्रत्येक को एक स्टीरियोस्कोपिक 3ष्ठ क्लासरूम अनुभव और एक स्टीरियोस्कोपिक 3ष्ठ लैब अनुभव प्राप्त होगा, जिसकी कीमत पूरी तरह से INR 50 लाख होगी।परिष्कृत सॉफ्टवेयर में दोनों मॉड्यूल के लिए 9वीं से 12वीं कक्षा के भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और गणित के लिए 4 साल के लिए वार्षिक सदस्यता शामिल है। पैकेज में चयनित स्कूलों के शिक्षकों के लिए समग्र प्रशिक्षण भी शामिल है।

इस साझेदारी पर टिप्पणी करते हुए मि. इसरो के पूर्व समूह निदेशक और 3डी एडटेक के संस्थापक सदस्य और परामर्श तकनीकी निदेशक कश्यप मांकड़ ने कहा, "हमें खुशी है कि चारूसैट जैसे दूरदर्शी संगठन ने इस स्कूल कार्यक्रम को प्रायोजित करने में हमारे साथ साझेदारी करने का फैसला किया है।गुजरात शिक्षा के क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है और यह पहल गुजरात को शिक्षा के वैश्विक केंद्र में लाएगी। इस रणनीतिक गठबंधन से छात्रों को 3डी वीडियो सबक देखने का व्यापक अनुभव मिलेगा। SARAS-3D के संसाधन इस सीखने की प्रक्रिया को सुदृढ़ करने और हमारे छात्रों को वैश्विक रूप से तैयार करने के लिए एक कार्यप्रणाली की सुविधा प्रदान करेंगे।"

डॉ. देवांग जोशी, रजिस्ट्रार, चारूसैट ने कहा, "हमें खुशी है कि सरस-3डी ने विज्ञान और गणित की शिक्षा को बढ़ावा देने की हमारी पहल का समर्थन करने के लिए आगे कदम बढ़ाया है। हमारी दृष्टि सामाजिक रूप से जिम्मेदार और तकनीकी रूप से सुदृढ़ इंजीनियरों, नवप्रवर्तकों और आने वाले कल के उद्यमियों के प्रसार के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है। हम चाहते हैं कि योग्य स्कूल आगे आएं और इस अवसर का लाभ उठाएं और ऐसी तकनीक को अपनाएं जो एसटीईएम शिक्षा की संस्कृति को सुगम बनाती है।"

अहमदाबाद विश्वविद्यालय में इंटरनेशनल सेंटर ऑफ स्पेस एंड कॉस्मोलॉजी के संस्थापक निदेशक डॉ. पंकज जोशी ने टिप्पणी की, "यह एक बहुत अच्छी पहल है क्योंकि यह छात्रों को अकादमिक रूप से मदद करेगी और युवाओं में एसटीईएम शिक्षा की संस्कृति को बढ़ावा देगी। स्कूल चयन की प्रक्रिया के माध्यम से, हमारा उद्देश्य सबसे योग्य छात्रों और स्कूलों तक पहुंचना है, शिक्षा के माध्यम से सामाजिक उत्थान को सक्षम करना है, दृष्टि तकनीकी शिक्षा और अनुसंधान में उत्कृष्टता प्राप्त करते हुए राष्ट्र के सतत विकास में योगदान करना है। छात्रों को जिम्मेदार नागरिकों और सक्षम पेशेवरों में बदलना।"

मुंद्रो पोर्ट से 500 करोड़ की कोकीन पकड़ी गई, नमक की आड में ईरान से भेजी गई थी

कच्छ । डायरेक्टरेट ऑफ रेवन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) ने फिर एक बार गुजरात के मुंद्रो पोर्ट से 500 करोड़ रुपए मूल्य की 52 किलो कोकीन बरामद की है। नमक की आड़ में ईरान के रास्ते गुजरात के मुंद्रा पोर्ट पर भेजी गई थी। दरअसल डीआरआई को सूचना मिली थी कि ईरान के जरिए मादक पदार्थों की बड़ी खेप भारत भेजी गई है। सूचना के आधार पर डीआरआई ने ऑपरेशन नमकीन के नाम पर एक गुप्त ऑपरेशन चलाया। ऑपरेशन में जुटाई गई खुफिया जानकारी और व्यापक डेटा एनालिसिस के साथ ही निगरानी के आधार पर डीआरआई को गुजरात के मुंद्रा पोर्ट पर आए 25 मेट्रिक टन वाली सामान्य नमक की एक खेप पर संदेह हुआ। इस नमक की खेप में 1000 बैग शामिल थे, जिसे ईरान से मुंद्रा पोर्ट पर आया किया गया था। संदेह के आधार पर डीआरआई के अधिकारियों ने इस खेप की 24 मई से 26 मई 2022 तक लगातार गहन जांच की, जिसमें नमक के कुछ संदिग्ध बैग पाए गए। इन संदिग्ध बैगों में पाउडर के रूप में एक विशिष्ट गंध वाला पदार्थ पाया गया। डीआरआई ने इन संदिग्ध बैगों के नमूने लिए और गुजरात की एफएसएल में जांच कराई गई।

जांच में पता चला कि संदिग्ध बैगों से बरामद पदार्थ कोकीन है। अब तक की तलाशी में डीआरआई ने 52 किलो कोकीन बरामद कर ली है। बरामद की गई कोकीन की कीमत अंतर्राष्ट्रीय बाजार में रु. 500 करोड़ बताई गई है। डीआरआई ने एनडीपीएस के तहत मामला दर्ज किया है। साथ ही इस खेप को किस कंपनी ने मंगाया था और यह कहां जानी थी, इसकी भी विस्तार से जांच शुरू की है।

शारजाह एयरपोर्ट इंटरनेशनल फ्री (सैफ) जोन के माध्यम से ग्लोबल बाज़ार से जोड़े अपना व्यापार

सूरत । हाल ही में भारत और यूनाइटेड अरब एमिरेट्स (यूएई) के बीच हुए 'फ्री ट्रेड अग्रीमेंट' के तहत भारत से यूएई में निर्यात की जा रही अधिकतर वस्तुओं पर इम्पोर्ट ड्यूटी कम करने या खत्म करने को लेकर सहमती बनी है। एसजीसीसीआई, एमएसएमई स्टार्टअप फोरम, टीआईई सूरत, एसजीटीपीए और फेडरेशन ऑफ सूरत टेक्सटाइल ट्रेडर्स एसोसिएशन के सहयोग से एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचैम) " शारजाह एयरपोर्ट इंटरनेशनल फ्री (SAIF) जोन में बिजनेस अपॉर्चुनिटीज" पर बी2बी मीटिंग्स और इंटरएक्टिव सेशन का आयोजन 26 और 27 मई 2022 को सूरत मैरियट होटल में किया गया था ।

इस कार्यक्रम में सूरत के लगभग 100 व्यापारियों ने भाग लिया, जिन्होंने संयुक्त अरब अमीरात में एक व्यवसाय शुरू करने के बारे में पूछताछ की। इस मौके पर सैफ जोन के अधिकारियों की ओर से प्रेज़ेंटेशन के जरिए सैफ जोन में कारोबार स्थापित करने की जानकारी दी गई।

'शारजाह एयरपोर्ट इंटरनेशनल फ्री (SAIF) ज़ोन में व्यावसायिक अवसर' पर चर्चा में, SAIF ज़ोन के निदेशक महामहिम मोहम्मद सलीम अल महमूद ने कहा, "शारजाह एयरपोर्ट इंटरनेशनल फ्री (SAIF) ज़ोन व्यवसाय का एक केंद्र है, जहाँ से न केवल UAE लेकिन दुनिया भर के देशों में भी व्यापार के लिए पहुंचा जा सकता है। केवल 2 लाख रुपये यानि 10 हजार दिरहम का भुगतान करके कोई भी छोटा या बड़ा व्यवसायी सैफ जोन में अपना कार्यालय या कारखाना खोल सकता है, जिसमें एक साल का किराया, बिजली, पानी, सभी अनुमति और 3 लोगों का वीजा शामिल है। इच्छुक लोगों को बस सैफ जोन के कार्यालय में जाकर अपने दस्तावेज जमा करने होंगे और उनका कार्यालय बिना किसी परेशानी के तैयार हो जाएगा। वहां से कारोबार करने पर कोई टैक्स नहीं लगेगा।

उन्होंने यह भी कहा कि, "यूएई और भारत ने कई वर्षों से एक मजबूत व्यापार संबंध का आनंद लिया है और ये संबंध हमारी सरकारों के बीच मजबूत संबंधों की बदौलत बढ़ते जा रहे हैं। हम देखते हैं कि दोनों देशों के बीच व्यापार लगातार बढ़ रहा है। भारत संयुक्त अरब अमीरात का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है, जिसमें में लगभग 50 बिलियन से अधिक गैर-तेल व्यापार शामिल हैं। 18 फरवरी को, भारत और संयुक्त अरब अमीरात ने एक व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) पर हस्ताक्षर किए, जिसे कई मायनों में ऐतिहासिक माना जा रहा है। सीईपीए दोनों देशों के बीच व्यापार किए जाने वाले सामानों की अधिकतम संख्या पर सीमा शुल्क को समाप्त करने की दिशा में उठाया गया एक रणनीतिक कदम है।CEPA समझौता अगले 8 वर्षों के भीतर माल में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना से अधिक .100 बिलियन तक ले जाने के लिए निर्धारित है। इस संधि का उद्देश्य राष्ट्रों के बीच वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार को एक बड़ा मोड़ प्रदान करना है।"

इस अवसर पर ओर्गेनाइजिंग बॉडी ऑफ द इवेंट एसोचैम गुजरात के क्षेत्रीय निदेशक विपुल गजिंगवार ने कहा, "यह देखा गया है कि टियर 2 शहरों में यूएई और भारत के बीच मुक्त व्यापार समझौते के बारे में बहुत कम जागरूकता है। यह एक कारण है कि हमने अपने कार्यक्रम की मेजबानी के लिए सूरत को चुना है ताकि हम उद्योगपतियों के बीच जागरूकता बढ़ा सकें और वैश्विक स्तर पर अपना व्यवसाय स्थापित करने में हर संभव मदद दे सकें। भारत से और विशेष रूप से गुजरात से कपड़ा, हीरा और खाद्य प्रसंस्करण, मुख्य क्षेत्र हैं जो संयुक्त अरब अमीरात को निर्यात करते हैं। हम चाहते हैं कि ऐसे उद्योग SAIF ज़ोन के माध्यम से UAE को निर्यात करें और अपना व्यवसाय बढ़ाएँ।"

कम उम्र से ही कैसे काबू में रखें अपना वजन

वर्ल्ड ओबेसिटी फेडरेशन ने इसी महीने जारी एक रिपोर्ट में अनुमान जताया कि 2030 कर हर 5 में से 1 महिला और हर 7 में से 1 पुरुष मोटापे से ग्रस्त होंगे। मिंट में दावा किया गया है कि रिपोर्ट के अनुसार 2030 तक भारत में 5 से 9 वर्ष के आयु वर्ग में लगभग 10.81 प्रतिशत बच्चों में मोटापा होगा और 10 से 19 वर्ष आयु वर्ग के किशोरों तथा युवाओं में से 6.23 प्रतिशत मोटापे से ग्रस्त होंगे। इसलिए बहुत सोच-समझकर सही जीवनशैली चुननी चाहिए ताकि बाद के वर्षों में दिक्कत नहीं हो।

इस अध्ययन पर चिंता जताते हुए सेलेब्रिटी फिटनेस एक्सपर्ट यास्मीन कराचीवाला ने कहा कि माता-पिता और शैक्षिक संस्थानों के लिए बच्चों में फिट, सेहतमंद और सक्रिय जीवन जीने के लिए संतुलित जीवनशैली की आदतें डालना जरूरी है। साथ ही किशोरों की खानपान तथा जीवनशैली की आदतों पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है ताकि वे शारीरिक विकास के दिनों में बहक नहीं जाएं।

देखते हैं कि कम उम्र से ही वजन पर काबू रखने के लिए यास्मीन ने कौन से उपाय बताए हैं-

1. सेहतमंद स्नैक्स ही लें:

बतौर स्नैक्स वही खाद्य पदार्थ लें, जो आपका पेट देर तक भरा रखें ताकि भूख नहीं लगे। मिसाल के तौर पर मुट्ठी भर बादाम खाने से आपकी भूख खत्म हो सकती है और आपको पेट भरा हुआ महसूस हो सकता है, जिससे दो वक्त के भोजन के बीच भूख नहीं लगती1। बादाम प्रोटीन से भरपूर होते हैं, जिससे न केवल ऊर्जा मिलती है बल्कि पेशियां भी मजबूत होती हैं। लीड्स विश्वविद्यालय में शोधकर्ताओं के एक अध्ययन में पता चला कि सुबह बादाम खाने (उतनी ही ऊर्जा और उतने ही पानी वाले क्रैकर खान के बजाय) से भूख कम हो गई और अधिक वसा वाले पदार्थ खाने की तलब भी नहीं लगती2।

2. रोजाना कम से कम 30 मिनट व्यायाम जरूर करें:

ऑनलाइन कक्षाएं चलने के कारण स्क्रीनटाइम बढ़ता जा रहा है और घर से बाहर की गतिविधियां कम होती जा रही हैं, इसलिए दिन भर आलस महसूस करने से बचने के लिए शरीर को थोड़ा चलाना-फिराना जरूर चाहिए। बच्चों के लिए जरूरी है कि वे खुद को सक्रिय और तंदुरुस्त रखने के लिए रोजाना 45 से 60 मिनट कोई खेल जरूर खेलें। युवा जिम जा सकते हैं, घर पर ही आसान व्यायाम कर सकते हैं या शाम को टहलने

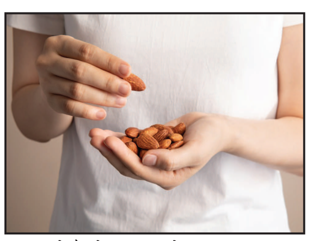

जा सकते हैं। रोजाना कम से कम 10,000 कदम चलना चाहिए।

3. पैकेटबंद खाने से बचें:

पैकेटबंद खाने में बड़ी मात्रा में प्रिजर्वेटिव हो सकते हैं यानी बहुत अधिक कैलरी हो सकती हैं। ऐसी सामग्री अक्सर स्वादिष्ट लग सकती है और आपको इसे और भी खाने की इच्छा हो सकती है मगर सेहत के लिहाज से ये सबसे उम्दा विकल्प नहीं हैं। उनके बजाय ताजा बना भोजन खाना चाहिए ताकि कृत्रिम फ्लेवर और स्वीटनर के बजाय अधिक से अधिक पोषण और प्रोटीन मिल सकें। आपके भोजन में सभी रंगों वाले खाद्य पदार्थ होने चाहिए ताकि आपका सर्वांगीण विकास हो और स्वस्थ तथा सक्रिय रहने के लिए आपके शरीर को पर्याप्त ऊर्जा मिल सके।

ग्लोरोड ने सेलर्स के लिए जीरो-कमीशन पेश किया

कमीशन शून्य होने के साथ, देश भर के नए और मौजूदा विक्रेता ग्राहकों के लिए अधिक चयन ऑनलाइन लाने और अपने व्यवसाय को बढ़ाने में सक्षम होंगे

भारत की अग्रणी सोशल कॉमर्स कंपनियों में से एक ग्लोरोड ने आज नए और मौजूदा विक्रेताओं के लिए जीरो कमीशन की शुरुआत की। इसके साथ, ग्लोरोड विक्रेता अपने उत्पादों को सूचीबद्ध करने और बेचने के लिए शुल्क की चिंता किए बिना अपने अधिक उत्पादों को ऑनलाइन लाने में सक्षम होंगे। उन्हें केवल लागू शिपिंग और लॉजिस्टिक्स सेवाओं के लिए भुगतान करना होगा। सभी श्रेणियों में जीरो कमीशन की शुरूआत से देश भर में उद्यमियों और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए अपने व्यवसाय का विस्तार करने के लिए अधिक अवसर पैदा करने में मदद मिलेगी।

GlowRoad

ग्लोरोड के संस्थापक और सीईओ कुणाल सिन्हा ने कहा, च्च्हमने भारत भर में लाखों उद्यमियों और एमएसएमई के लिए डिजिटल कॉमर्स तक पहुंच का विस्तार करने के लिए ग्लोरोड की स्थापना की। ग्लोरोड पर लिस्टिंग और बिक्री के लिए जीरो कमीशन की शुरुआत इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह पूरे देश में मौजूदा और साथ ही पहली बार विक्रेताओं को पूरे भारत में विशेष रूप से टियर 2 और उससे आगे के बाजारों में अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करेगा। हम भारत भर में विक्रेताओं और इनफ्लुएंसर को ग्लोरोड की सेवा का लाभ उठाने में सक्षम बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जबकि ऑनलाइन खरीदारी को च्ईकॉमर्स के लिए नएज्ज ग्राहकों के लिए अधिक सुविधाजनक और विश्वसनीय बनाते हैं।"

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)